15 सितंबर, 2026 मंगलवार
नई दिल्ली
मूल्य : 01 रुपए
पृष्ठ : 08
वर्ष : 14
अंक : 166

RNI No. DELMUL/2012/47011

अनोखे अंदाज़ और निराले तेवर के साथ इन्साफ की डगर पर

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

www.timesofpedia.com Email : timesofpedia@gmail.com

जर्मन खिलाड़ी अलेक्जेंडर जेवरेव ने यूएस ओपन खिताब किया अपने नाम 07

पीएम नरेंद्र मोदी का जन्म दिवस : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की सेवा-संकल्प अभियान की तैयारियों की समीक्षा

पीएम मोदी द्वारा प्रज्ज्वलित विकास का दीपक फैला रहा प्रकाश: डॉ. यादव

इंदौर, एजेंसी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रज्ज्वलित विकास के दीपक का प्रकाश देशभर में फैल रहा है। यह पीएम मोदी के सेवा और जिम्मेदारी के 25 वर्षों के उजास का प्रतीक है। प्रदेश में सेवा-संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक संचालित होगा।

प्रदेशवासी प्रधानमंत्री मोदी के जन्म दिवस 17 सितंबर को बड़ी संख्या में दीप प्रज्जवलित कर उनके प्रति आभार प्रदर्शित करेंगे, हमारा प्रयास हो कि इस अवसर पर दीप प्रज्वलन का विश्व रिकॉर्ड कायम हो। सेवा संकल्प अभियान का आयोजन ग्राम और नगर स्तर पर अधिक से अधिक जनसहभागिता सुनिश्चित करते हुए उत्साह पूर्वक किया जाये। सभी कार्यक्रमों की पूर्व तैयारी के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय कर प्रभावी मॉनीटरिंग हो। विभिन्न कार्यक्रमों की व्यवस्था के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ ही जनप्रतिनिधियों से भी बेहतर समन्वय और सभी संबंधितों की शत-प्रतिशत सहभागिता सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सेवा के रंग-राष्ट्र के संग कार्यक्रम के अंतर्गत जबलपुर में ह्युमन रंगोली का राज्य स्तरीय आयोजन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सेवा संकल्प अभियान की प्रदेश में जारी तैयारियों की समत्व भवन में समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए। बैठक में उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटेल, राकेश सिंह, निर्मला भूरिया, विश्वास सारंग, नागर सिंह चौहान, राकेश शुक्ला, इन्दर सिंह परमार और राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल वर्चुअली शामिल हुए।

17 सितंबर को शाम 7 बजे एक साथ दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे

सेवा-संकल्प अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस 17 सितंबर को आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम अंतर्गत प्रदेश में दीप प्रज्ज्वलन के साथ होगी। उज्जैन के महाकाल महालोक सहित प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों के प्रत्येक वार्ड में शाम 7 बजे एकसाथ दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, उज्जैन से कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। प्रदेश के सभी लाभार्थी परिवारों और संस्थाओं को दीप प्रज्जवलन में शामिल किया जाए। इसी दिन सभी स्वास्थ्य केंद्रों और मेडिकल कॉलेजों में रक्तदान शिविर आयोजित होंगे। बैठक में रक्त संग्रह, परिवहन और संग्रहण के लिए आवश्यक व्यवस्था के भी निर्देश दिए हैं। कार्यक्रम के राज्य प्रभारी, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय होंगे।

जिला और राज्यस्तर पर होंगे कार्यक्रम

सेवा-संकल्प अभियान अंतर्गत मेरे सपनों का भारत कार्यक्रम में 19 से 26 सितंबर तक जिलास्तर पर और 4 व 5 अक्टूबर को राज्यस्तर पर चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताएं होंगी। इनमें सभी शासकीय और निजी स्कूल, कॉलेज भागीदारी करेंगे। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार और मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाण-पत्र वितरित किए जाएंगे। कार्यक्रम के राज्य प्रभारी, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री राव उदय प्रताप सिंह होंगे। नमो सेवा-अनकही कहानियां गतिविधि 19 सितम्बर से 5 अक्टूबर तक होगी, जिसके अंतर्गत विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर नुक्कड़ नाटकों की प्रस्तुति होगी। कार्यक्रम के राज्य प्रभारी संस्कृति मंत्री श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी होंगे।

आंगन मिलन सेवा का आयोजन... आंगन मिलन सेवा का आयोजन 26 सितम्बर से 5 अक्टूबर तक सभी आंगनवाड़ियों में होगा। इसके अंतर्गत बच्चों और माताओं के लिए स्वल्पाहार, खेल सामग्री, पठन सामग्री आदि की व्यवस्था की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अपील का वीडियो भी आंगनवाड़ी में महिलाओं और बच्चों को दिखाया जाएगा। आंगन मिलन सेवा में स्वास्थ्य, पोषण, टीकाकरण, एनीमिया और स्वच्छता की जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम की राज्य प्रभारी महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया होंगी। सेवा की कहानी कार्यक्रम 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक होगा। इसके अंतर्गत केन्द्र/राज्य सरकार की योजनाओं जिनसे लोगों का जीवन बदला है को लेकर आभार स्वरूप उनके संदेश जारी किए जाएंगे।

फर्स्ट कॉलम

आतंकी मसूद अजहर का पाकिस्तान ने निकाला 'वारंट', लाखों का इनाम

नई दिल्ली, एजेंसी। आतंकियों के पनाहगार पाकिस्तान ने जैश ए मोहम्मद सरगना मसूद अजहर पर 70 लाख रुपये के इनाम का ऐलान किया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी एफआईए की मोस्ट वांटेड आतंकियों की रेड बुक में जैश सरगना पर इनाम का ऐलान किया गया है। ये दिखावा ऐसे समय में पाकिस्तान ने किया है जब अक्टूबर में पेरिस स्थित फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की बैठक होने वाली है। पाकिस्तान ने आतंकी गतिविधियों पर नजर रखने वाली एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट से निकलने और मसूद पर कार्रवाई ना करने के लिए साल 2021 में दुनिया को बरगलाना शुरू किया था.

नकली कैंसर दवाओं का भंडाफोड़, 5 करोड़ का माल जब्त

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु में कैंसर और जीवन रक्षक दवाओं के एक बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम और ड्रग्स कंट्रोल डिपार्टमेंट ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक ऐसे नेटवर्क का पर्दाफाश किया है, जो कथित तौर पर शहर के 90 से अधिक अस्पतालों, क्लीनिकों और मेडिकल स्टोर्स में नकली और रीपैकेज्ड दवाएं सप्लाई कर रहा था। बेंगलुरु पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम और ड्रग्स कंट्रोल डिपार्टमेंट की संयुक्त जांच के बाद फार्मेसी के मालिक वीरेश कुमार जैन को गिरफ़्तार किया गया है, जिन पर इस नेटवर्क का हिस्सा होने का शक है।

पत्नी का सिर काट फ्रिज में रखने वाला पति पुलिस की गाड़ी से कूदा, मौत

गुवाहाटी, एजेंसी। असम के गुवाहाटी में अपनी पत्नी की हत्या करने और कथित तौर पर उसका कटा हुआ सिर रेफ्रिजरेटर में छिपाने के आरोपी रामानुज गोस्वामी की मौत हो गई। सोमवार तड़के गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल ले जाते समय वह कथित तौर पर पुलिस की गाड़ी से कूद गया था। गुवाहाटी पुलिस कमिश्नरेट के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ले जाते समय नरकासुर हिल्स के पास गोस्वामी पुलिस की गाड़ी से कूद गया। अधिकारी ने कहा, पुलिस ने शव बरामद किया और उसे अस्पताल ले गई।

Cartoon Corner

सुप्रीम कोर्ट की सौगात

अब हिन्दी में आएगा फैसले का सारांश और ऑडियो-वीडियो बुलेटिन

नई दिल्ली, एजेंसी

हिन्दी दिवस यानी 14 सितंबर के मौके पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने देशवासियों को बड़ी सौगात दी है। सुप्रीम कोर्ट ने अब हिंदी में एक नई पब्लिक इन्फॉर्मेशन सर्विस (जन-सूचना सेवा) शुरू करने की घोषणा की।

इसके तहत, चुने हुए अहम फैसलों और आदेशों का आसान हिंदी सारांश उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही, मुख्य फैसलों को समझाने के लिए रोज़ाना 15-30 मिनट के ऑडियो और वीडियो बुलेटिन भी जारी किए जाएंगे। हिंदी दिवस पर घोषित इस पहल का मकसद सुप्रीम कोर्ट के अहम फैसलों और उनके असर को आम नागरिकों और मुकदमेबाजों तक आसानी से पहुंचाना

है, खासकर उन लोगों तक जिन्हें लंबे कानूनी दस्तावेज पढ़ने या समझने में मुश्किल होती है।एक प्रेस बयान में कहा गया है कि जरूरी इंतजाम पूरे होने के बाद जल्द ही यह हिंदी सेवा शुरू कर दी जाएगी। हर सारांश के साथ संबंधित आधिकारिक फैसले या आदेश का लिंक भी दिया जाएगा, ताकि यूज़र्स कोर्ट के असली दस्तावेज तक पहुंच सकें।

ऑडियो और वीडियो बुलेटिन का मकसद

ऑडियो और वीडियो बुलेटिन का मकसद अहम फैसलों, उनके असर और उनसे जुड़ी आगे की कार्रवाई को समझने का आसान जरिया उपलब्ध कराना है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस पहल से दिव्यांग लोगों को भी फायदा होगा। शीर्ष अदालत ने न्याय तक पहुंच को अधिक समावेशी बनाने के उद्देश्य से हिंदी में नई 'जन सूचना सेवा' शुरू करने की ये घोषणा की है।

अन्य भारतीय भाषाओं में भी उपलब्धता

विज्ञप्ति के अनुसार, 'इसका उद्देश्य न्याय तक पहुंच को अधिक समावेशी बनाना और भारतीय भाषाओं को दिए जाने वाले सम्मान को न्यायिक सूचनाओं के सार्वजनिक प्रसार से जोड़ना है। सरल भाषा के साथ ऑडियो और वीडियो प्रारूप का इस्तेमाल उन लोगों के लिए भी उपयोगी होगा, जिन्हें लंबे कानूनी दस्तावेज पढ़ने या समझने में कठिनाई होती है।'' यह सेवा शुरुआत में हिंदी में उपलब्ध होगी और जल्द ही चरणबद्ध तरीके से इसे अन्य भारतीय भाषाओं में भी उपलब्ध कराने के लिए काम शुरू किया जाएगा।

इस पहल का यह है मकसद

विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस पहल का मकसद भारतीय भाषाओं के सम्मान और पहचान को न्यायिक जन-सूचना से जोड़ना और न्याय तक पहुँच को और आसान बनाने के व्यापक लक्ष्य को आगे बढ़ाना भी है। साथ ही यह पहल देश के विभिन्न भाषाई क्षेत्रों के नागरिकों को उच्चतम न्यायालय के महत्वपूर्ण फैसलों से जुड़ी संक्षिप्त और आसानी से समझ आने वाली जानकारी अपनी-अपनी भाषाओं में हासिल करने में सक्षम बनाएगी।

सरकारी आंकड़े जारी

खाने-पीने की चीजों में तेजी से अगस्त में थोक महंगाई 9.92% पर पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में थोक महंगाई अगस्त में लगातार बढ़त के साथ 9.92% पर पहुंच गई है। खाने-पीने की चीज़ों, मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों और ईंधन व बिजली की कीमतों में तेजी इसकी प्रमुख वजह रही। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई दर जुलाई के 9.78% से बढ़कर अगस्त में 9.92% हो गई। अगस्त में सबसे ज्यादा दबाव खाने-पीने की चीजों, मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों और ईंधन व बिजली की कीमतों से देखने को मिला। खाद्य वस्तुओं के इंडेक्स में महंगाई दर जुलाई के 6.65% से बढ़कर अगस्त में 7.05% हो गई, जिससे रोजमर्रा की जरूरी चीजें और महंगी हुईं।

वहीं, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में डब्ल्यूपीआई महंगाई दर बढ़कर 8.37% के

रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई, जो जुलाई में 8.29% थी। इसके अलावा ईंधन और बिजली बास्केट में थोक महंगाई 22.93% दर्ज की गई, जो ऊर्जा लागत में लगातार बने दबाव को दर्शाती है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने कहा, अलग-अलग ग्रुप्स में, मिनरल ऑयल , खाने-पीने की चीजें, खाद्य उत्पादों का निर्माण, बेसिक मेटल्स का निर्माण, गैर-खाद्य वस्तुएं और केमिकल्स व केमिकल उत्पादों का निर्माण अगस्त 2026 में डब्ल्यूपीआइ महंगाई दर बढ़ने के मुख्य कारण रहे हैं।

दिल्ली एयरपोर्ट पर सुरक्षा में चूक

बिना इमिग्रेशन चेक कराए निकल लिए 3 इतालवी, हाथ मल रहा एयर इंडिया

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर एक बड़ी सुरक्षा लापरवाही सामने आई है। इस लापरवाही और सुरक्षा चूक के लिए फिर से एयर इंडिया निशाने पर है। दरअसल, एयर इंडिया के पैसेंजर-हैंडलिंग सिस्टम की लापरवाही के कारण तीन इतालवी नागरिक बिना किसी अनिवार्य इमिग्रेशन क्लीयरेंस (आव्रजन जांच) के ही भारत से म्यूनिख के लिए रवाना हो गए। अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा में हुई इस गंभीर चूक पर नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कड़ा रुख अपनाते हुए एयर इंडिया को कारण बताओ नोटिस जारी किया है और सात दिनों के भीतर जवाब मांगा है। यह घटना 4 सितंबर की सुबह हुई, जब तीनों यात्री अमृतसर से एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-1115 से रात करीब 12:50 बजे दिल्ली पहुंचे। लगभग एक घंटे बाद, लगभग 1:45 बजे, वे म्यूनिख के लिए लुफ्थांसा की

फ्लाइट एलएच-763 में सवार हुए और भारत से चले गए। इस बीच इन यात्रियों ने भारत से निकलने से पहले इमिग्रेशन नहीं कराया। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के नोटिस के मुताबिक, ये तीनों यात्री एयर इंडिया के 'हब-एंड-स्पोक' मॉडल के तहत यात्रा कर रहे थे, जिसके तहत छोटे एयरपोर्ट से यात्रियों को इंटरनेशनल फ्लाइट से जुड़ने से पहले एक बड़े हब तक भेजा जाता है। इस मामले में, पैसेंजर अमृतसर से दिल्ली गए थे और उन्हें एयर इंडिया की फ्लाइट के लिए 'डी' या डोमेस्टिक बोर्डिंग पास दिए गए थे। अमृतसर में, उन्हें म्यूनिख जाने वाली लुफ्थांसा फ्लाइट के लिए भी बोर्डिंग पास दिए गए थे।

आईएईए के सम्मेलन में ऐलान

सऊदी अरब में मिला 11 करोड़ टन रेयर अर्थ मिनरल और यूरेनियम

नई दिल्ली, एजेंसी

सऊदी अरब ने सोमवार को एक बड़ी खोज का ऐलान किया है। देश के ऊर्जा मंत्री प्रिंस अब्दुल अजीज बिन सलमान ने बताया कि मदीना इलाके में करीब 11 करोड़ टन कच्चा अयस्क मिला है। इसमें रेयर अर्थ और यूरेनियम दोनों मौजूद हैं।

यह जानकारी वियना में अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी यानी आईएईए के सम्मेलन में दी गई। मंत्री ने कहा कि मदीना के जबल सय्यद प्रोजेक्ट में हुए सर्वे और भूवैज्ञानिक अध्ययन से यह भंडार सामने आया है। अनुमान है कि यहां करीब 110 मिलियन टन यानी 11 करोड़ टन अयस्क है। इसमें रेयर अर्थ खनिज खासतौर पर भारी तत्व अच्छी मात्रा में हैं। साथ ही यूरेनियम की भी आशाजनक मात्रा बताई गई है। मंत्री के मुताबिक, यह प्रोजेक्ट दुनिया के उन बड़े स्थलों में शुमार हो सकता है जहां दुर्लभ धातुओं का विकास चल रहा है। हालांकि सटीक यूरेनियम प्रतिशत का आंकड़ा नहीं बताया।

तेल पर निर्भर रहा है यह देश

रेयर अर्थ इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक गाड़ियों, पवन ऊर्जा और रक्षा उद्योग में इस्तेमाल होती हैं। यूरेनियम परमाणु ऊर्जा के लिए कच्चा माल माना जाता है। अरब देशों की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था सऊदी अरब है। देश लंबे समय से तेल पर निर्भर रहा है। अब विजन 2030 के तहत वह आय के स्रोत बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। इसमें खनन, नवीकरणीय ऊर्जा और नागरिक परमाणु ऊर्जा शामिल हैं। सरकार कहती है कि वह अपने ऊर्जा मिश्रण को विविध बनाना चाहती है। यानी सिर्फ तेल और गैस नहीं, बल्कि सौर, पवन और परमाणु ऊर्जा भी। घरेलू यूरेनियम निकालने और नागरिक परमाणु कार्यक्रम बढ़ाने की बात भी इसी योजना का हिस्सा है।

मर्डर और गैंगरेप वाली धाराएं

दिशा सालियन केस की एफआईआर में आदित्य ठाकरे का भी नाम

मुंबई, एजेंसी

सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियन की मौत के मामले में सोमवार को सीबीआई ने एफआईआर दर्ज की है। इस एफआईआर में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बेटे और शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे का नाम भी शामिल है।

इनके अलावा फिल्म अभिनेता डिनो मोरिया और रिया चक्रवर्ती जैसे लोगों के नाम भी शामिल हैं। आपको बता दें कि बॉम्बे हाईकोर्ट ने दो सप्ताह पहले केंद्रीय एजेंसी को जांच की जिम्मेदारी सौंपी थी। एफआईआर में हत्या, गैंगरेप, आपराधिक साजिश, सबूत मिटाने और गलत जानकारी देने से जुड़ी धाराओं का जिक्र है।सीबीआई की एफआईआर में कहा गया है, 'तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और अन्य लोगों मामले को दबाने में अहम भूमिका निभाई। संबंधित सरकारी कर्मचारियों और पुलिस

अधिकारियों की भी जांच की जानी चाहिए। उन पर केस के कागजात, फाइलें और अन्य रिकॉर्ड नष्ट करने के आरोप हैं। इसके अलावा रिकॉर्ड में हेरफेर करने और अपराधियों को बचाने के लिए सरकारी फंड और पुलिस मशीनरी का गलत इस्तेमाल करने का आरोप है।'सीबीआई की एफआईआर के अनुसार, आदित्य ठाकरे, डिनो मोरिया, सूरज पंचोली, रिया चक्रवर्ती और पोस्टमार्टम में देरी के लिए जिम्मेदार डॉक्टर और स्टाफ की भूमिका की जांच जरूरी है। इससे पहले, केंद्रीय जांच एजेंसी ने जांच में मदद के लिए पुलिस को पत्र लिखकर दिशा सालियन की मौत से जुड़े सभी दस्तावेज और रिकॉर्ड मांगे थे।

वैश्विक बहस के बीच माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला की राय

एआई तभी सार्थक है जब वह मानवता की मदद करे और नियंत्रण में रहे

नई दिल्ली, एजेंसी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के तेजी से विकास और उसके संभावित प्रभावों पर जारी वैश्विक बहस के बीच माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सत्य नडेला ने कहा है कि उन्नत एआई या तथाकथित सुपरइंटेलिजेंस का विकास तभी उचित है जब वह मानवता के हित में काम करे और उस पर मनुष्यों का नियंत्रण बना रहे।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने विचार साझा करते हुए नडेला ने कहा कि सुपरइंटेलिजेंस की दिशा में कोई भी प्रयास एक मूलभूत सिद्धांत पर आधारित होना चाहिए।

उन्होंने कहा, यदि हम जो एआई बना रहे हैं वह मानवता की मदद नहीं कर रहा है और मानव नियंत्रण में नहीं है, तो इसे आगे बढ़ाने का कोई मतलब नहीं है।

किसी एक एआई प्रदाता पर पूरी तरह निर्भर न हों

सत्य नडेला ने कहा कि कंपनियों को अपने विशिष्ट ज्ञान और अनुभव पर नियंत्रण बनाए रखने में सक्षम होना चाहिए तथा ऐसे निरंतर सीखने वाले तंत्र विकसित करने चाहिए जो उन्हें किसी एक एआई प्रदाता पर पूरी तरह निर्भर न बना दें। नडेला का यह बयान ऐसे समय आया है जब दुनिया की कई प्रमुख तकनीकी कंपनियों और एआई विशेषज्ञों ने अत्यधिक शक्तिशाली एआई मॉडलों के विकास की गति को लेकर सावधानी बरतने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

विचारपूर्ण गति और गहन अनुसंधान का समर्थन

सत्य नडेला ने कहा किएआई के लाभों को तेजी से दुनिया भर में फैलाया जाना चाहिए ताकि विभिन्न देशों, समुदायों और कंपनियों को इसका फायदा मिल सके। इसके लिए ऐसा एआई पारिस्थितिकी तंत्र आवश्यक है जिसमें ओपन-सोर्स और क्लोज्ड-सोर्स दोनों प्रकार के मॉडल एक साथ विकसित हो सकें और प्रतिस्पर्धी माहौल में आगे बढ़ सकें। सत्य नडेला ने एआई विकास में 'विचारपूर्ण गति' और गहन अनुसंधान का समर्थन करते हुए कहा कि तकनीक को उचित दिशा में बनाए रखने के लिए शुरुआत से ही उसके डिजाइन में सुरक्षा और सामंजस्य को शामिल करना जरूरी है। उन्होंने एआई प्रणालियों में एंबेडेड इवैल्यूएटर्स जैसे सुरक्षा उपायों और अन्य नियामकीय तंत्रों के विकास का भी समर्थन किया।

चुनिंदा संस्थाओं का नियंत्रण नहीं होना चाहिए

माइक्रोसॉफ्ट प्रमुख ने यह भी कहा कि एआई की उन्नत क्षमताओं पर केवल कुछ चुनिंदा संस्थाओं का नियंत्रण नहीं होना चाहिए। इसके बजाय इस क्षेत्र में विभिन्न देशों, उद्योगों, शोध संस्थानों और शिक्षाविदों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए ताकि तकनीक का विकास अधिक संतुलित और जवाबदेह तरीके से हो सके। उन्होंने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट एआई क्षेत्र में व्यापक पहुंच और विकल्प, उद्यमों के लिए अपने मॉडल और सीखने की प्रक्रियाओं पर नियंत्रण, तथा अपनी एआई प्रणालियों के लिए एक स्पष्ट आचार संहिता को प्राथमिकता दे रहा है। हाल के महीनों में कई प्रमुख तकनीकी नेताओं ने एआई विकास की रफ्तार पर चिंता जताई है।

संपादकीय

कूटनीतिक कमयाबी

भारत की कूटनीतिक सफलता की एक बानगी ब्रिक्स सम्मेलन में सामने आई है क्योंकि भारत इसका मेजबान भी है इसलिए सरकार के सारे कूटनीतिक प्रबंधन पर सभी की निगाहें जमी हुई थी लिहाजा ब्रिक्स के नई दिल्ली घोषणापत्र पर सहमति बनना इसलिए एक उपलब्धि और भारत का कूटनीतिक कद बढ़ाने वाली घटना है, क्योंकि यह माना जा रहा था कि सदस्य देशों और विशेष रूप से ईरान और सऊदी अरब एवं यूएई में मतभेदों के कारण ऐसा होना कठिन है।

इसके बाद भी भारत सभी देशों को साथ लाने में सफल रहा। इसके अलावा समिट में अमेरिका और उसके टैरिफ को लेकर मनमाने रवैया पर ब्रिक्स देशों की राय काबिले गौर है। पहले भी भारत अपनी अध्यक्षता वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में भी सभी देशों के बीच सहमति बनाने में सफल रहा था, जबकि यूक्रेन युद्ध के कारण अमेरिका और यूरोप के देश रूस के विरुद्ध तीखे तेवर अपनाए हुए थे।

हालांकि यह बात भी सही है कि साझा घोषणापत्र में पश्चिम एशिया संकट को लेकर जो कुछ कहा गया, उसमें किसी देश का नाम नहीं लिया गया, लेकिन यह सामान्य बात नहीं कि अमेरिकी हमलों के जवाब में जो ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात पर मिसाइलें दागता रहता है, वह भी साझा बयान जारी करने के लिए सहमत हुआ। एक और गौर तलब क्षण वह भी रहा जब ब्रिक्स सम्मेलन के चलते ईरान और यूएई के प्रतिनिधियों ने आपस में बात भी की। यानी भारत ने यह दिखाया कि उसमें एक दूसरे के खिलाफ खड़े देशों के बीच भी सहमति बनाने का कूटनीतिक कौशल है।

अपने इस कूटनीतिक कौशल के कारण ही भारत क्वाड का सदस्य है तो ब्रिक्स और एससीओ का भी। यह स्थिति भारत को खास मुकाम पर दिखती है।ब्रिक्स सम्मेलन में बनी सहमति इसका परिचायक है कि भारत सदस्य देशों के बीच यह भाव जगाने में सफल रहा कि विफल होते संयुक्त राष्ट्र के कारण यदि इस संगठन को सशक्त बनाना है तो उन्हें मतभेदों को किनारे कर आपसी सहयोग पर जोर देते हुए एकजुट होना होगा।

अच्छा होगा कि इस संगठन के सदस्य और सहयोगी देश यह समझें कि आपसी सहमति केवल कागज तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए। नई दिल्ली घोषणापत्र पर केवल ईरान, सऊदी अरब और यूएई को ही ध्यान नहीं देना होगा, बल्कि चीन को भी ऐसा ही करना होगा, क्योंकि इसमें पहलगाम हमले का उल्लेख करते हुए आतंकवाद पर दोहरा मानदंड अपनाने की प्रवृत्ति को रेखांकित किया गया है और चीन इस प्रवृत्ति का प्रदर्शन करता रहा है।घोषणापत्र की इन बातों पर चीन के साथ रूस को भी गौर करना होगा कि हर देश की संप्रभुता का सम्मान किया जाना चाहिए।

यदि ब्रिक्स देश अपने घोषणापत्र के प्रति सच्ची प्रतिबद्धता नहीं दिखाते तो फिर अन्य देशों और संगठनों से यह अपेक्षा नहीं कर सकते कि वे अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन करें। बहरहाल ब्रिक्स को यह आत्मसात करने की सख्त जरूरत है कि घोषणापत्र पर सहमति बनाने से कहीं अधिक आवश्यक उसके अनुरूप कार्य करना है इससे ब्रिक्स अपने उद्देश्यों में सफल होगा तथा पश्चिमी देशों की मनमानियां पर भी अंकुश लगा सकेगा।

सुविचार

सन्यास हृदय की एक दशा का नाम है, किसी ऊपरी नियम या वेशभूषा का नहीं।

ज्ञानवाणी

मोम का शेर

सर्दियों के दिन थे, अकबर का दरबार लगा हुआ था। तभी फारस के राजा का भेजा एक दूत दरबार में उपस्थित हुआ। राजा को नीचा दिखाने के लिए फारस के राजा ने मोम से बना शेर का एक पुतला बनवाया था और उसे पिंजरे में बंद कर के दूत के हाथों अकबर को भिजवाया, और उन्हे चुनौती दी की इस शेर को पिंजरा खोले बिना बाहर निकाल कर दिखाएं। बीरबल की अनुपस्थिति के कारण अकबर सोच पड़ गए कि इस समस्या को कैसे सुलझाया जाए।

अकबर ने सोचा कि अगर दी हुई चुनौती पार नहीं की गयी तो जग हंसायी होगी। इतने में ही परम चतुर, ज्ञान गुणवान बीरबल आ गए। और उन्होने मामला हाथ में ले लिया। बीरबल ने एक गरम सरिया मंगवाया और पिंजरे में कैद मोम के शेर को पिंजरे में ही पिघला डाला। देखते-देखते मोम पिघल कर बाहर निकल गया । अकबर अपने सलाहकार बीरबल की इस चतुराई से काफी प्रसन्न हुए और फारस के राजा ने फिर कभी अकबर को चुनौती नहीं दी।

सेहत

फिजियोथेरेपी बचा सकती है दिल के रोगों से

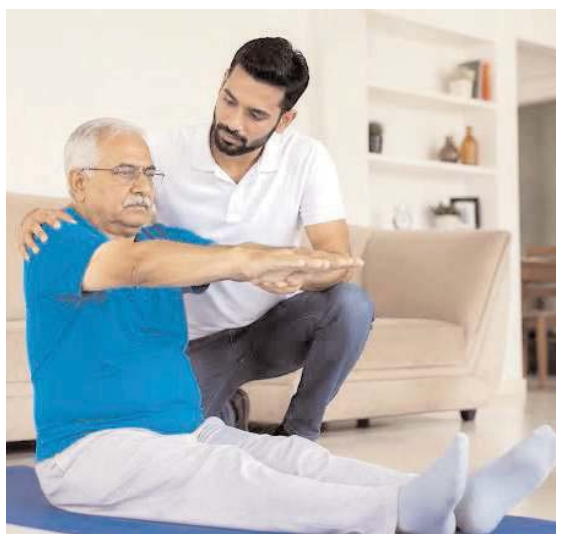

हर साल 8 सितंबर को दुनिया में विश्व फिजियोथेरेपी दिवस मनाया जाता है, इसका मकसद लोगों को फिजियोथेरेपी के फायदों के बारे में जागरूक करना रहता है, इस बार इस दिन की थीम हार्ट डिजीज और स्ट्रोक की रोकथाम, प्रबंधन और रिहैबिलिटेशन में फिजियोथेरेपी की भूमिका पर केंद्रित रही है। जानकारों का मानना है कि फिजियोथेरेपी केवल हड्डियों की बीमारियों के लिए नहीं बल्कि ये स्ट्रोक के बाद रिहैबिलिटेशन के लिए भी जरूरी प्रक्रिया है।फिजियोथेरेपी को लोग अक्सर केवल कमर, घुटने या कंधे के दर्द से जोड़कर देखते हैं, लेकिन इसका दायरा इससे कहीं बड़ा है, नियमित और सही तरीके से की गई फिजियोथेरेपी हार्ट डिजीज से भी बचा लेती है और अगर किसी व्यक्ति को स्ट्रोक आ जाता है तो रिहैबिलिटेशन के लिए भी फिजियोथेरेपी जरूरी रहती है, इसकी मदद से स्ट्रोक के बाद आने वाली परेशानी को काबू में किया जा सकता है। दरअसल, स्ट्रोक के बाद मरीज में हाथ-पैर की कमजोरी, चलने में परेशानी, संतुलन बिगड़ना और रोजमर्रा के काम करने में दिक्कत देखी जाती है।

चिकित्सकों के मुताबिक मरीज की स्थिति के अनुरूप फिजियोथेरेपी और रिहैबिलिटेशन से मूवमेंट, बैलेंस बेहतर करने में मदद मिल सकती है, स्ट्रोक के बाद रिहैबिलिटेशन को केवल अस्पताल तक सीमित नहीं रखना चाहिए, मरीज और परिवार को घर पर भी सुरक्षित तरीके से एक्सरसाइज करनी जरूरी होती है। हालांकि आज के दौर में फिजियोथेरेपी भी तेजी से टेक्नोलॉजी का जोर बढ रहा है। सेंसर-बेस्ड मॉनिटरिंग, मोशन एनालिसिस, वियरेबल डिवाइस, डिजिटल एक्सरसाइज प्रोग्राम और रोबोटिक रिहैबिलिटेशन जैसी तकनीकें आ रही हैं।

डाक्टरों का कहना है कि सबसे बड़ी समस्या 'कम मूवमेंट वाली लाइफस्टाइल' है। ऑफिस में घंटों बैठना, स्क्रीन टाइम बढ़ना और एक्सरसाइज की कमी शरीर को धीरे-धीरे कमजोर कर रही है लिहाजा हर उम्र के व्यक्ति के लिए एक्सरसाइज करना जरूरी हो चली है। इसका सबसे बड़ा फायदा ये है कि हार्ट डिजीज से लेकर कई बीमारियों से बचा सकती है।

हिन्दी : भाषा से बढ़कर एक सांस्कृतिक पहचान

महेन्द्र तिवारी

आधुनिक हिन्दी साहित्य ने भी समाज के बदलते स्वरूप को गहराई से अभिव्यक्त किया है। भारतेंदु हरिश्चंद्र ने हिन्दी को आधुनिक चेतना से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महावीर प्रसाद द्विवेदी ने भाषा को व्यवस्थित और परिष्कृत रूप देने में योगदान दिया। प्रेमचंद ने किसान, मजदूर, स्त्री, गरीब और शोषित वर्ग के जीवन को साहित्य के केंद्र में लाकर हिन्दी कथा साहित्य को नई दिशा दी। मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला और महादेवी वर्मा जैसे साहित्यकारों ने हिन्दी कविता को व्यापक ऊंचाई प्रदान की। आगे चलकर अनेक कहानीकारों, उपन्यासकारों, निबंधकारों और कवियों ने हिन्दी को समाज की बदलती संवेदनाओं का सशक्त माध्यम बनाया।

भारत विविधताओं का देश है। यहां अलग-अलग प्रदेश, बोलियां, वेशभूषाएं, खान-पान, लोक परंपराएं और भाषाएं हमारी सांस्कृतिक समृद्धि का परिचय देती हैं। इस विविधता के बीच हिन्दी ऐसी भाषा के रूप में सामने आती है, जिसने देश के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को आपस में जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हिन्दी केवल विचारों को व्यक्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह भारतीय समाज की संवेदना, संस्कृति, साहित्य और जीवन मूल्यों को अभिव्यक्त करने वाली सशक्त भाषा भी है। प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को मनाया जाने वाला हिन्दी दिवस इसी भाषा के महत्व, उसके विकास और उसके सम्मान के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दोहराने का अवसर प्रदान करता है।

14 सितंबर का दिन हिन्दी के इतिहास में विशेष महत्व रखता है। 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में हिन्दी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 में संघ की राजभाषा के संबंध में प्रावधान किया गया है। इसी ऐतिहासिक निर्णय की स्मृति में 14 सितंबर को हिन्दी दिवस मनाया जाता है। हिन्दी के राजभाषा संबंधी संवैधानिक स्वरूप और उसके प्रयोग से जुड़े प्रावधानों को भारत सरकार के राजभाषा विभाग तथा अन्य सरकारी संस्थाओं द्वारा निरंतर आगे बढ़ाया जाता रहा है।

यहां एक महत्वपूर्ण तथ्य को समझना आवश्यक है कि हिन्दी भारत की राष्ट्रभाषा नहीं, बल्कि संघ की राजभाषा है। भारतीय संविधान ने किसी एक भाषा को राष्ट्रभाषा का दर्जा नहीं दिया है। भारत की भाषाई विविधता को देखते हुए संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाओं को स्थान दिया गया है। इसलिए हिन्दी के सम्मान का अर्थ किसी दूसरी भारतीय भाषा को छोटा समझना नहीं हो सकता। हिन्दी का वास्तविक गौरव तभी बढ़ेगा, जब वह भारत की सभी भाषाओं और बोलियों के साथ सहयोग, सम्मान और समन्वय की भावना से आगे बढ़ेगी। हिन्दी का इतिहास बहुत पुराना और व्यापक है। संस्कृत, प्राकृत और अपभ्रंश की दीर्घ परंपरा से विकसित होती हुई हिन्दी ने विभिन्न कालखंडों में अनेक रूप ग्रहण किए। मध्यकाल में संतों और भक्त कवियों ने लोकभाषाओं के माध्यम से जनमानस तक अपनी बात पहुंचाई। कबीर, तुलसीदास, सूरदास और मीरा जैसे रचनाकारों ने भाषा को केवल साहित्य का माध्यम नहीं रहने दिया, बल्कि उसे जनजीवन की चेतना से जोड़ दिया। उनकी रचनाओं ने यह सिद्ध किया कि किसी भाषा की शक्ति केवल उसके शब्द भंडार में नहीं होती, बल्कि उस भाषा में छिपी मानवीय संवेदना और समाज को जोड़ने की क्षमता में भी होती है।

आधुनिक हिन्दी साहित्य ने भी समाज के बदलते स्वरूप को गहराई से अभिव्यक्त किया है। भारतेंदु हरिश्चंद्र ने हिन्दी को आधुनिक चेतना से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महावीर प्रसाद द्विवेदी ने भाषा को व्यवस्थित और परिष्कृत रूप देने में योगदान दिया। प्रेमचंद ने किसान, मजदूर, स्त्री, गरीब और शोषित वर्ग के जीवन को साहित्य के केंद्र में लाकर हिन्दी कथा साहित्य को नई दिशा दी। मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला और महादेवी वर्मा जैसे साहित्यकारों ने हिन्दी कविता को व्यापक ऊंचाई प्रदान की। आगे चलकर अनेक कहानीकारों, उपन्यासकारों, निबंधकारों और कवियों ने हिन्दी को समाज की बदलती संवेदनाओं का सशक्त माध्यम बनाया। हिन्दी की सबसे बड़ी विशेषताओं में उसकी ग्रहणशीलता भी शामिल है। समय के साथ हिन्दी ने अनेक भारतीय भाषाओं और बोलियों से शब्द ग्रहण किए तथा अपने शब्द भंडार को समृद्ध बनाया। यही कारण है कि हिन्दी एक जीवंत भाषा के रूप में निरंतर बदलती रही है। भाषा यदि समय के साथ नहीं बदलती तो वह धीरे-धीरे जीवन से दूर हो जाती है। हिन्दी की शक्ति इसी में है कि वह नई परिस्थितियों, नए विचारों और नई सामाजिक आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को ढालने की क्षमता रखती है।

आज हिन्दी का विस्तार भारत की सीमाओं तक सीमित नहीं है। विश्व के अनेक देशों में हिन्दी पढ़ी, लिखी और बोली जाती है। प्रवासी भारतीयों ने भी हिन्दी को अपनी सांस्कृतिक पहचान से जोड़े रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हिन्दी साहित्य, भारतीय संस्कृति, चलचित्र, संगीत और धार्मिक साहित्य के माध्यम से हिन्दी की पहुंच विश्व के अनेक हिस्सों तक हुई है। 10 जनवरी को मनाया जाने वाला विश्व हिन्दी दिवस भी हिन्दी के अंतरराष्ट्रीय प्रचार और प्रसार की भावना से जुड़ा हुआ है। इस प्रकार 14 सितंबर का हिन्दी दिवस जहां भारत में हिन्दी के संवैधानिक और सामाजिक महत्व को रेखांकित करता है, वहीं विश्व हिन्दी दिवस हिन्दी की वैश्विक उपस्थिति की ओर ध्यान आकर्षित करता है। हिन्दी दिवस के अवसर पर विद्यालयों, महाविद्यालयों, सरकारी कार्यालयों और साहित्यिक संस्थाओं में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। निबंध लेखन, कविता पाठ, भाषण, वाद विवाद, प्रश्नोत्तरी, कहानी लेखन और साहित्यिक गोष्ठियों के माध्यम से हिन्दी के प्रति रुचि पैदा करने का प्रयास किया जाता है। सरकारी कार्यालयों में राजभाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित होती हैं। भारत सरकार का राजभाषा विभाग संघ के सरकारी कामकाज में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने तथा राजभाषा संबंधी नीतियों के क्रियान्वयन से जुड़ा महत्वपूर्ण दायित्व निभाता है।

लेकिन हिन्दी दिवस की सार्थकता केवल एक दिन आयोजित होने वाले समारोहों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। यदि वर्ष भर सरकारी कामकाज, शिक्षा, व्यापार, विज्ञान, न्याय, तकनीक और सामान्य जीवन में हिन्दी का सहज और प्रभावी प्रयोग बढ़े, तभी हिन्दी दिवस का उद्देश्य वास्तविक रूप से पूरा होगा। केवल हिन्दी के सम्मान में भाषण देना पर्याप्त नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि हिन्दी में उच्च गुणवत्ता की पुस्तकें उपलब्ध हों, विद्यार्थियों को सरल और उपयोगी अध्ययन सामग्री मिले तथा विज्ञान और तकनीकी विषयों की जानकारी भी सहज हिन्दी में उपलब्ध कराई जाए। आज का युग तीव्र परिवर्तन का युग है। ज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में प्रतिदिन नई जानकारी सामने आ रही है। ऐसे समय में हिन्दी के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह आधुनिक ज्ञान की भाषा कैसे बने। चिकित्सा, विज्ञान, अंतरिक्ष, विधि, अर्थशास्त्र, प्रशासन और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में हिन्दी में गुणवत्तापूर्ण सामग्री का विस्तार आवश्यक है। यदि विद्यार्थी अपनी भाषा में जटिल विषयों को समझ सकें तो शिक्षा अधिक सहज और प्रभावी बन सकती है। इसके लिए केवल अनुवाद पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि मौलिक हिन्दी लेखन को भी प्रोत्साहित करना होगा। हिन्दी के विकास की जिम्मेदारी केवल सरकार या साहित्यकारों की नहीं है। प्रत्येक हिन्दी भाषी और हिन्दी प्रेमी व्यक्ति इसमें अपनी भूमिका निभा सकता है। घर में बच्चों से हिन्दी में बातचीत करना, अच्छी हिन्दी की पुस्तकें पढ़ना, शुद्ध और सहज भाषा में लिखना, हिन्दी साहित्य को पढ़ने की आदत विकसित करना और सार्वजनिक जीवन में हिन्दी के सम्मानजनक प्रयोग को बढ़ावा देना छोटे लेकिन महत्वपूर्ण कदम हैं। भाषा का भविष्य केवल सरकारी नीतियों से नहीं, बल्कि उसके बोलने और लिखने वालों के व्यवहार से तय होता है।

गणेशोत्सव : भक्ति से राष्ट्रचेतना और सामाजिक जिम्मेदारी तक

रमेश सर्राफ

भारत को पर्व-त्योहारों का देश कहा जाता है। यहां उत्सव केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं रहे, बल्कि उन्होंने समाज को जोड़ने, सांस्कृतिक चेतना जगाने और समय-समय पर सामाजिक बदलाव का रास्ता भी बनाया है। गणेश चतुर्थी ऐसा ही पर्व है, जिसने भक्ति के साथ सामाजिक और राष्ट्रीय चेतना को भी मजबूत किया। भगवान गणेश बुद्धि, विवेक, शुभारंभ और विघ्नहर्ता के रूप में पूजे जाते हैं। यही कारण है कि गणेशोत्सव का संदेश केवल पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन में सकारात्मकता, संयम और सामूहिक जिम्मेदारी से भी जुड़ा है।

2026 में गणेश चतुर्थी 14 सितंबर को मनाई जाएगी। देशभर में घरों और सार्वजनिक पंडालों में गणपति की स्थापना होगी। महाराष्ट्र से शुरू होकर व्यापक सार्वजनिक स्वरूप पाने वाला यह उत्सव आज देश के अनेक हिस्सों में बड़े उत्साह से मनाया जाता है।

घरों से सार्वजनिक उत्सव तक

गणेश पूजा की परंपरा प्राचीन है, लेकिन आधुनिक सार्वजनिक गणेशोत्सव का इतिहास महाराष्ट्र से जुड़ा है। 19वीं सदी के अंतिम दशक में पुणे में गणेशोत्सव को सार्वजनिक रूप मिलने लगा। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने इस उत्सव को व्यापक सामाजिक और राष्ट्रीय स्वरूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने गणेशोत्सव को ऐसा मंच बनाने का प्रयास किया, जहां समाज के विभिन्न वर्ग एक साथ आ सकें और सार्वजनिक विषयों पर संवाद कर सकें। उस दौर में अंग्रेजी शासन के खिलाफ जनचेतना पैदा करना आसान नहीं था। सार्वजनिक सभाओं और राजनीतिक गतिविधियों पर प्रतिबंधों के बीच धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन लोगों को एकत्र करने का माध्यम बने। गणेशोत्सव के पंडालों में धार्मिक कार्यक्रमों के साथ व्याख्यान, देशभक्ति गीत, नाटक और सामाजिक विषयों पर चर्चा होने लगी। इससे लोगों में राष्ट्रीय चेतना और सामूहिकता की भावना मजबूत हुई। तिलक की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि उन्होंने गणेशोत्सव को घर की चारदीवारी से निकालकर सार्वजनिक जीवन से जोड़ा। यह उत्सव धीरे-धीरे महाराष्ट्र के विभिन्न शहरों और फिर देश के

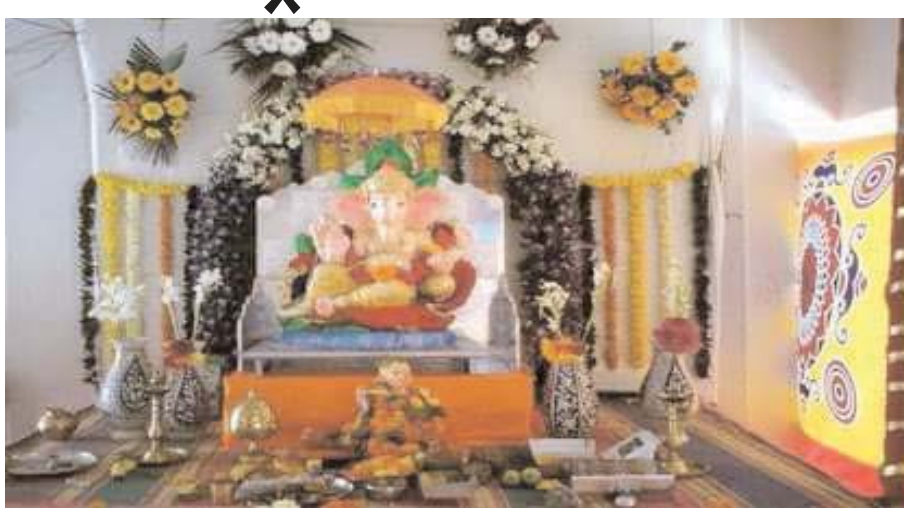

दूसरे हिस्सों तक पहुंचा। गणेशोत्सव ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान लोगों को एक मंच पर आने का अवसर दिया। उस समय समाज जाति और सामाजिक विभाजन से भी जूझ रहा था। सार्वजनिक गणेशोत्सव ने इन दूरियों को कम करने की कोशिश की। उत्सव के माध्यम से लोगों में यह भावना विकसित हुई कि सामूहिक शक्ति किसी भी बड़े परिवर्तन का आधार बन सकती है। आज देश स्वतंत्र है। इसलिए गणेशोत्सव की भूमिका का संदर्भ भी बदल गया है। अब इसे राष्ट्रीय चेतना के साथ सामाजिक जिम्मेदारी और जनकल्याण से जोड़ने की जरूरत है। आज हमारे सामने अशिक्षा, बेरोजगारी, नशा, पर्यावरण प्रदूषण, जल संकट, सामाजिक तनाव और डिजिटल दुनिया से जुड़ी नई चुनौतियां हैं। गणेशोत्सव इन मुद्दों पर जनजागरण का प्रभावी माध्यम बन सकता है।

2026 का गणेशोत्सव क्या संदेश दे?

आज गणेशोत्सव पहले से कहीं अधिक भव्य हो गया है। विशाल प्रतिमाएं, आकर्षक पंडाल, विद्युत सज्जा और सांस्कृतिक कार्यक्रम उत्सव का हिस्सा बन चुके हैं। इसमें कला और रचनात्मकता की अपनी जगह है, लेकिन उत्सव की सार्थकता केवल भव्यता से तय नहीं हो सकती।

जरूरत इस बात की है कि हर गणेश मंडल कम से कम एक सामाजिक संकल्प ले। कोई मंडल रक्तदान शिविर आयोजित करे, कोई पौधरोपण अभियान चलाए, कोई जरूरतमंद बच्चों को पुस्तकें उपलब्ध कराए, कोई स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए तो कोई नशामुक्ति और स्वच्छता का संदेश दे।

यदि हजारों गणेश मंडल इस दिशा में आगे बढ़ें तो गणेशोत्सव केवल धार्मिक आयोजन न रहकर बड़े सामाजिक अभियान का रूप ले सकता है।

पर्यावरण संरक्षण भी जिम्मेदारी

गणेशोत्सव के साथ पर्यावरण संरक्षण का विषय आज विशेष महत्व रखता है। प्रतिमा निर्माण में मिट्टी और प्राकृतिक रंगों का इस्तेमाल, प्लास्टर ऑफ पेरिस तथा हानिकारक रसायनों से बचाव और निर्धारित स्थानों पर विसर्जन जैसे कदम जलस्रोतों को प्रदूषण से बचाने में मदद कर सकते हैं।

2026 का गणेशोत्सव पर्यावरण-अनुकूल उत्सव का उदाहरण बन सकता है। छोटे और मिट्टी से बने गणपति, प्राकृतिक सजावट, प्लास्टिक से दूरी और विसर्जन के बाद स्वच्छता जैसे छोटे प्रयास सामूहिक रूप से बड़ा बदलाव ला सकते हैं। भगवान गणेश को बुद्धि और विवेक का देवता माना जाता है। इसलिए उनकी पूजा के साथ प्रकृति की रक्षा करना भी उसी विवेक का हिस्सा होना चाहिए।

डिजिटल युग में सामाजिक जुड़ाव

आज गणेशोत्सव सोशल मीडिया के दौर में पहुंच चुका है। आरती, पंडाल, सांस्कृतिक कार्यक्रम और विसर्जन के दृश्य कुछ ही क्षणों में हजारों लोगों तक पहुंच जाते हैं। डिजिटल माध्यम उत्सव की पहुंच बढ़ाने का प्रभावी साधन है, लेकिन वास्तविक सामाजिक जुड़ाव का स्थान नहीं ले सकता।

सोशल मीडिया पर शुभकामना संदेश देने के साथ किसी जरूरतमंद की मदद करना, बुजुर्गों का सम्मान करना, बच्चों को शिक्षा के लिए प्रेरित करना और पड़ोस में सौहार्द बनाए रखना अधिक महत्वपूर्ण है।

उत्सव में हो भाईचारे की भावना

सार्वजनिक उत्सवों की सबसे बड़ी ताकत उनकी सामूहिकता है। गणेशोत्सव समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने वाला अवसर बन सकता है। आयोजन ऐसे हों, जिनमें सेवा, स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सद्भाव जैसे विषयों पर सभी की भागीदारी हो। प्रतिस्पर्धा यदि स्वस्थ रचनात्मकता तक सीमित रहे तो अच्छी बात है, लेकिन जब दिखावा, अनावश्यक खर्च या शोर उत्सव के मूल उद्देश्य पर हावी होने लगे तो आत्ममंथन जरूरी हो जाता है। गणेशोत्सव की सफलता इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि किस पंडाल की सजावट सबसे भव्य थी, बल्कि इससे कि उस आयोजन से समाज को क्या मिला।

तिलक की विरासत को नई दिशा

लोकमान्य तिलक के समय सार्वजनिक गणेशोत्सव का उद्देश्य लोगों को एक मंच पर लाना और उनमें राष्ट्रीय चेतना पैदा करना था। आज उस विरासत को नए समय की जरूरतों से जोड़ने की आवश्यकता है। आज राष्ट्रभक्ति केवल नारे लगाने तक सीमित नहीं हो सकती। ईमानदारी से काम करना, कानून का सम्मान करना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना, पर्यावरण बचाना, जरूरतमंद की सहायता करना और समाज में सद्भाव बनाए रखना भी राष्ट्रनिर्माण का हिस्सा है। इसलिए 2026 का गणेशोत्सव एक नए संकल्प का पर्व बन सकता है– भक्ति के साथ सेवा, उत्सव के साथ जिम्मेदारी और आस्था के साथ सामाजिक एकता। गणेशोत्सव की वास्तविक शक्ति उसकी भव्यता में नहीं, बल्कि उस सामूहिक भावना में है जो लोगों को एक-दूसरे के करीब लाती है। यदि इस पर्व से किसी जरूरतमंद को सहायता मिले, किसी बच्चे को शिक्षा की राह मिले, किसी युवा को नशे से दूर रहने की प्रेरणा मिले, कोई पौधा लगाया जाए और समाज में भाईचारा बढ़े, तो यही गणेश पूजा की सबसे बड़ी सार्थकता होगी।

स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने 'सेवा पखवाड़ा' के दौरान मेगा रक्तदान शिविर की तैयारियों की समीक्षा की

दिल्ली सरकार माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन के मौके पर 17 सितंबर को त्यागराज स्टेडियम में स्वैच्छिक 'मेगा रक्तदान शिविर' आयोजित करेगी

नई दिल्ली। दिल्ली के माननीय स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने आज दिल्ली सरकार के अलग-अलग विभागों के विभागाध्यक्षों और दिल्ली सरकार के विभिन्न अस्पतालों के MD/MS के साथ एक अहम बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन के अवसर पर 'सेवा पखवाड़ा' के तहत आयोजित होने वाले मेगा रक्तदान शिविर की तैयारियों की समीक्षा की गई। इस मेगा कैंप का आयोजन दिल्ली सरकार के दिल्ली स्टेट हेल्थ मिशन (DSHM) के द्वारा किया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने कहा कि रक्तदान सेवा के सबसे महान कार्यों में से एक है। इस मेगा रक्तदान शिविर के माध्यम से हम दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों, अस्पतालों और नागरिकों की सामूहिक शक्ति को एक मानवीय उद्देश्य के लिए एकजुट करना चाहते हैं। इस बैठक में स्वैच्छिक रूप से रक्तदान करने वाले सभी नागरिकों के लिए जरूरी सुविधाएं सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। विभागों से कहा गया है कि वे नागरिकों को रक्तदान अभियान में शामिल होने के लिए स्वैच्छिक रूप से प्रेरित और जागरूक करें और उनकी भागीदारी को सुगम बनाएं।

इस कैंप में दिल्ली सरकार के 11 अस्पतालों के ब्लड बैंक अपना-अपना सहयोग देंगे, जिनमें लोक नायक अस्पताल, बीएसए अस्पताल, GTB अस्पताल, डीडीयू अस्पताल, DHAS (H), जीबी पंत अस्पताल, बीएम अस्पताल, एसजीएम अस्पताल, आरजीएसएस अस्पताल, ILBS अस्पताल और लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल शामिल हैं। ये सभी अस्पताल जरूरी मेडिकल टीमें, उपकरण, कोल्ड-चेन सुविधाएं और कैंप में एकत्रित किए गए ब्लड यूनिट्स की सुरक्षित आवाजाही की समुचित व्यवस्था को सुनिश्चित करेंगे।

इस बैठक में दिल्ली पुलिस, होम गार्ड्स और सिविल डिफेंस, एमसीडी, एनडीएमसी, डीटीसी, शिक्षा, उच्च शिक्षा, प्रशिक्षण और तकनीकी शिक्षा, दिल्ली फायर सर्विस, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, राजस्व विभाग, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी और अन्य संबंधित विभागों/एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ भाग लेने वाले सरकारी अस्पतालों के वरिष्ठ अधिकारी और प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

स्वास्थ्य मंत्री ने कैंप के लिए सुचारु और समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने सभी संबंधित विभागों और एजेंसियों को रजिस्ट्रेशन, स्क्रीनिंग, रक्त संग्रह, मेडिकल सहायता, सुरक्षा, एंबुलेंस सेवाएं, स्वच्छता, यातायात प्रबंधन और अन्य जरूरी सुविधाओं के संबंध में सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि सभी नागरिक सुविधाजनक और सुरक्षित तरीके से रक्तदान शिविर में भाग ले सकें।

स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने राजधानी दिल्ली के नागरिकों से अपील की कि वे आगे आकर स्वेच्छा से रक्तदान करें और 'सेवा पखवाड़ा' को सार्थक बनाएं और सेवा, एकजुटता और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को और ज्यादा मजबूत करें।

एसआईआर मतदाता सूची में गड़बड़ियों की आशंका के खिलाफ दिल्ली कांग्रेस पूरी तरह से तैयार है :देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) के नाम पर संभावित वोट कटौती और मतदाता सूची में गड़बड़ियों की आशंका के खिलाफ दिल्ली कांग्रेस ने व्यापक तैयारी शुरू कर दी है। इसी क्रम में दिल्ली के प्रभारी काजी निजामुद्दीन की मौजूदगी और दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव के नेतृत्व में बीएलए-1 साथियों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में किया गया। कार्यशाला बूथ मैनेजमेंट डिपार्टमेंट के चेयरमैन राजेश गर्ग द्वारा आयोजित की गई जिसमें दिल्ली की सभी विधानसभाओं से आए बीएलए-1 साथियों को एसआईआर प्रक्रिया के क्लेम्स एंड ऑब्जेक्शन फेज के दौरान दिल्ली की जनता की किस प्रकार सहायता करनी है, इसके विभिन्न पहलुओं पर बीएलए-1 को विस्तृत एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव पूर्व विधायक अनिल भारद्वाज, महासचिव गौरी शंकर शर्मा, लीगल एंड ह्यूमन राइट्स विभाग के चेयरमैन एडवोकेट सुनील कुमार ने भी हिस्सा लिया.इस अवसर पर दिल्ली के प्रभारी काजी निजामुद्दीन ने अपने संबोधन में कहा कि उन्होंने उत्तराखंड में एसआईआर के दौरान मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए लंबी लड़ाई लड़ी है।उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बीएलए-1 साथियों से कहा कि यदि संकल्प लिया जाए कि किसी भी वैध नागरिक का वोट नहीं कटने दिया जाएगा, तो कोई भी नियम किसी नागरिक को उसके मताधिकार से वंचित नहीं कर सकता। उन्होंने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची में नाम जुड़ने का मूल आधार भारतीय नागरिक होना है, किसी व्यक्ति के पास स्थायी पता हो या वह बेघर हो, यह उसके मताधिकार को प्रभावित नहीं करता। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में लोगों में चिंता है और लंबी कतारों में खड़े होकर वे अपने अधिकारों की रक्षा कर रहे हैं, ऐसे में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि वे जनता के साथ खड़े रहें। इस अवसर पर देवेन्द्र यादव ने बीएलए-1 साथियों को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी यह सुनिश्चित करेगी कि एसआईआर प्रक्रिया के नाम पर किसी भी दलित, अल्पसंख्यक, पुनर्वास कॉलोनियों में रहने वाले निम्न वर्ग के नागरिकों तथा सभी वैध मतदाताओं का वोट किसी भी हालत में न काटे जाएँ। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा के लिए हर स्तर पर सतर्क और प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी चांदनी चैक विधानसभा के कुछ बूथों पर बड़ी संख्या में नाम कटने के मुद्दे को जोर-शोर से उठाएगी। हाल के दिनों में जिन लोगों को बेघर किया गया है, उनके मुद्दों को भी प्राथमिकता से उठाया जाएगा।

आवश्यकता पड़ने पर कांग्रेस पार्टी न्यायालय का दरवाजा भी खटखटाएगी। इस दौरान कार्यकर्ता घर-घर जाकर यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में सुरक्षित रहें। साथ ही, दिल्ली कांग्रेस इस अभियान के दौरान झुग्गी-झोपड़ी क्लस्टरों, आरडब्ल्यूए कार्यालयों, गाँवों की चैपालों और प्रमुख बाजारों में मतदाता सहायता केंद्र स्थापित करेगी।

ग़ालिब की शायरी उन्हें हमेशा ज़िंदा रखेगी

ग़ालिब अकेडमी की मासिक काव्य गोष्ठी में डॉ. जी. आर. कंवल की अभिव्यक्ति

नई दिल्ली। ग़ालिब अकेडमी में मासिक काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए डॉ. जी. आर. कंवल ने कहा कि ग़ालिब 72 वर्ष की आयु में इस दुनिया से विदा हो गए थे, लेकिन वे उन चुनिंदा विश्व कवियों में शामिल हैं जो अपनी रचनाओं के कारण हमेशा जीवित रहेंगे। उन्होंने कहा कि हाफ़िज़, रूमी, शेक्सपीयर, मिल्टन और कीट्स जैसे साहित्यकार भी इसी श्रेणी में आते हैं। ग़ालिब ग़ज़ल के शायर थे। ग़ज़ल की शब्दावली सामान्यत: आशिक़-माशूक़, गुल-ओ-बुलबुल, अंदलीब, चमन, हिज्र और फ़िराक़ तक सीमित मानी जाती है, लेकिन ग़ालिब ने अपनी शायरी में दुनिया के हर मसले का समाधान प्रस्तुत कर दिया है। गोष्ठी में दिल्ली तथा दिल्ली के बाहर से आए हिंदी-उर्दू कवियों और शायरों ने अपना कलाम प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। चयनित शेर प्रस्तुत हैं—

मेरे जाने से इस दुनिया की रौनक कम नहीं होगी, मैं इसकी ताब पहले से ज्यादा छोड़ जाऊँगा। डॉ. जी. आर. कंवल

सफ़र तवील हो या मौसमों की दुश्वारियाँ, परिंदा घर की तरफ़ लौटने से वाक़िफ़ है। अफ़ज़ल मंगलौरी

दुश्मनों के दरमियाँ कुछ राब्ते काम आ गए, हुस्न-ए-अख़लाक़-ओ-अमल के सिलसिले काम आ गए। साक़िब हारूनी

गर जान भी जाती है चली जाए, नहीं ग़म, हम ऐसे किसी ख़ौफ़ की परवाह नहीं करते। फ़रजाना ग़ज़ल

करते हैं जंग राह में वो धूल के ख़िलाफ़, रास्ता बदल न पाए जो मामूल के ख़िलाफ़। शाहिद अनवर

शऊर-ओ-इल्म-ओ-मोदूद-ओ-आगही के चराग़, कहाँ गए वो मोहब्बत की रोशनी के चराग़। अंजुम जाफ़री

मैं अपनी मोहब्बत को क़ुर्बान कर दूँ, तुझे जानकर भी अनजान कर दूँ। वफ़ा आज़मी

जब वो आँखों को चार करता है, और भी बेक़रार करता है। हाशिम देहलवी

ज़ख़्म खाते हो, मुस्कराते हो, इतनी हिम्मत कहाँ से लाते हो। दर्द देहलवी

बुलंद जिससे हो परवाज़ उस हुनर के लिए, मैं ख़ुद को वार दूँ शाही के बाल-ओ-पर के लिए। मासूम राशिदी

अपनी कमी को सामने लाते तो बात थी, चादर अना की फेंक के आते तो बात थी। रचना निर्मल

बिछड़ रहे हो, बड़ी चुभन है मगर तुम अपना ख़याल रखना, मैं जानती हूँ तुम्हें भी ग़म है मगर तुम अपना ख़याल रखना। डॉ. अमृता अमृत

उम्र सारी गुज़र गई यूँ ही, मेरी हस्ती बिखर गई यूँ ही। तलअत सरोहा

अपने हालात से मजबूर है शायद चश्मा, गर्दिश-ए-वक़्त के हालात समझने वाला। चश्मा फ़ारूक़ी

कम मुनाफ़े से भी मिलती है मुसर्रत उसको, मुस्कराता है खिलौनों को बनाने वाला। अरुण शर्मा साहिबाबादी

इस अवसर पर डॉ. शहला अहमद, प्रवीण व्यास, पवन कुमार तोमर, सिद्धार्थ आग़ा, संजय शुक्ला 'तल्ख़', डॉ. सबीहा नाहिद, शाहरुख़ अबीर, शादाँन अहसन, अमसल फ़ख़्वाज़, श्रीपाल शर्मा, प्रेमवीर सिंह, इंजीनियर खंडेलवाल, गोल्डी ग़ज़ब, गुलबहार, आरिफ़ हुसैन अफ़सर, नागेश चंद्र, अली आसिफ़, सूरजपाल सिंह 'अदना', सुरेश चंद्र, जोगेंद्र सिंह, राजबीर सिंघानिया तथा सुमन नागर 'सरल' ने भी अपने अशआर प्रस्तुत किए। गोष्ठी में कमालुद्दीन, अबू नोमान, श्रीकांत कोहली तथा कर्नाटक से पधारे डॉ. हमीद कुप्पड़ ने विशेष रूप से भाग लिया। अंत में ग़ालिब अकेडमी के सचिव डॉ. अक़ील अहमद ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

बालाघाट में आदिवासी बच्चों की मौत, सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा में तत्काल सुधार की ज़रूरत : प्रो. सलीम इंजीनियर

नई दिल्ली। जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के उपाध्यक्ष प्रोफ़ेसर सलीम इंजीनियर ने मध्य प्रदेश के बालाघाट ज़िले में संक्रामक बीमारियों के कारण 30 से ज़्यादा आदिवासी बच्चों की मौत पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि यह त्रासदी दूर-दराज़ के आदिवासी समुदायों में स्वास्थ्य सेवा, टीकाकरण, पोषण और बीमारी की निगरानी में गंभीर कमियों को उजागर करती है और इसके लिए तत्काल, संवेदनशील और निरंतर कार्रवाई की ज़रूरत है। प्रोफ़ेसर सलीम इंजीनियर ने कहा, ' विक्षुब्ध करने वाली बात यह है कि कथित रूप से इनमें से कुछ गांवों में बच्चों की मौत के बाद ही सही मेडिकल सुविधा मिल पाई। आशा (ASHA) के रिक्त पदों, मेडिकल स्टाफ़ की कमी और समय पर इलाज न मिलने की वजह से घर पर बच्चों की मौत की ख़बरें हमारे पब्लिक हेल्थ सिस्टम की पहुँच पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। बालाघाट में ASHA की बताई गई 72 खाली जगहों में से 48 बिरसा ब्लॉक में हैं। इसके लिए एक पारदर्शी समीक्षा की ज़रूरत है - न सिर्फ़ ज़िम्मेदारी तय करने के लिए, बल्कि यह समझने के लिए कि सिस्टम कहाँ नाकाम रहा और ऐसी स्थिति को दोबारा होने से रोकने के लिए। ' उन्होंने पारंपरिक या आस्था-आधारित इलाज पर निर्भर रहने के लिए आदिवासी परिवारों पर दोष मढ़ने के खिलाफ भी आगाह किया। 'जब औपचारिक स्वास्थ्य सेवाएँ दूर हों, वहाँ स्टाफ़ की कमी हो या वे आसानी से उपलब्ध न हों, तो लोग स्वाभाविक रूप से उन तरीकों या व्यवस्थाओं का रुख करते हैं जिन्हें वे जानते हैं और जिन पर वे भरोसा करते हैं। इसका समाधान उन्हें दोष देना नहीं है, बल्कि ऐसी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली बनाना है जो उन तक पहुँचे, उनका सम्मान करे और उनका भरोसा जीते। ' प्रोफ़ेसर सलीम इंजीनियर ने सुझाव दिया कि मध्य प्रदेश सरकार स्वास्थ्य अधिकारियों, स्थानीय समुदायों और नागरिक समाज संगठनों को एक साथ लाकर एक विशेष 'आदिवासी बाल स्वास्थ्य मिशन' शुरू करे। ऐसे मिशन में घर-घर जाकर हेल्थ स्क्रीनिंग और टीकाकरण के साथ-साथ पोषण सहायता, संक्रामक बीमारियों का जल्द पता लगाना और गंभीर रूप से बीमार बच्चों को तुरंत रेफर करना शामिल हो सकता है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि प्रशिक्षित स्थानीय महिलाओं, कम्युनिटी वॉलंटियर्स और आशा (ASHA)/आंगनवाड़ी वर्करों को मिलाकर गाँव के स्तर पर एक 'अर्ली-वॉर्निंग नेटवर्क' बनाया जा सकता है। यह नेटवर्क बुखार, खसरा, दस्त या बच्चों की मौत के असामान्य मामलों की जानकारी हेल्थ अधिकारियों को दे सकता है, ताकि उन्हें बड़ी महामारी बनने से पहले ही रोका जा सके। मोबाइल मेडिकल टीमें एक तय शेड्यूल के अनुसार दूर-दराज़ के गांवों का दौरा कर सकती हैं, जबकि स्थानीय इमरजेंसी ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था यह सुनिश्चित कर सकती है कि गंभीर रूप से बीमार बच्चे बिना किसी देरी के स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुँच सकें।

प्रोफ़ेसर सलीम इंजीनियर ने कहा, 'सरकार अकेले सब कुछ नहीं कर सकती। सिविल सोसाइटी को केवल आलोचना करने के लिए खड़े नहीं रहना चाहिए। जहाँ भी सहयोग का स्वागत किया जाए वहाँ हम स्वास्थ्य जागरूकता, टीकाकरण के लिए लोगों को इकट्ठा करने, पोषण संबंधी सहायता और सामुदायिक स्तर पर निगरानी के कामों में प्रशासन और स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर काम करने को तैयार हैं।'

डूटा के पूर्व अध्यक्ष डॉ. आदित्य नारायण मिश्रा अनेक प्रमुख शिक्षाविदों के साथ कांग्रेस में शामिल

नई दिल्ली। दिल्ली यूनिवर्सिटी टीचर्स एसोसिएशन (डूटा) के तीन बार अध्यक्ष रहे और जाने-माने शिक्षक नेता डॉ. आदित्य नारायण मिश्रा सोमवार को अनेक प्रमुख शिक्षाविदों के साथ कांग्रेस में शामिल हो गए। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षकों के संगठन एकेडमिक्स फ़ॉर एक्शन एंड डेवलपमेंट (एएडी) के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में विलय की भी घोषणा की गई। कांग्रेस कार्यालय में दिल्ली कांग्रेस प्रभारी काजी निजामुद्दीन, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव, एआईसीसी के उत्तर प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, दिल्ली के प्रदेश संगठन महासचिव अनिल भारद्वाज और इंटक दिल्ली के चेयरमैन पंकज गर्ग ने डॉ. मिश्रा के साथ डूटा के वर्तमान सचिव विमलेंदु, तबरेज आलम, राजेश झा सहित दिल्ली विश्वविद्यालय, जामिया मिलिया इस्लामिया एवं जेएनयू के कई प्रोफेसरों को भी पार्टी में शामिल कराया।

डॉ. मिश्रा और उनके साथियों का स्वागत करते हुए कांग्रेस नेताओं ने कहा कि ऐसे समय में, जब उच्च शिक्षा महंगी होती जा रही है और छात्रों एवं शिक्षकों के सामने गंभीर चुनौतियां हैं, प्रमुख शिक्षाविदों का कांग्रेस से जुड़ना पार्टी को बौद्धिक रूप से मजबूत करेगा।

दिल्ली प्रभारी काजी निजामु?द्दीन ने कहा कि ऐसे समय में, जब शिक्षा प्रणाली को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं और छात्रों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं सामने आ रही हैं, वरिष्ठ शिक्षकों का कांग्रेस से जुड़ना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार छात्रों को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और डॉ. मिश्रा एवं उनके साथियों की बौद्धिक क्षमता कांग्रेस को और मजबूती प्रदान करेगी। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि डॉ. आदित्य नारायण मिश्रा तीन बार डूटा अध्यक्ष रहने के अलावा फेडरेशन ऑफ सेंट्रल यूनिवर्सिटीज टीचर्स एसोसिएशन के भी अध्यक्ष रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज देश के युवाओं और छात्रों को सही दिशा एवं बेहतर मार्गदर्शन की जरूरत है, यदि उन्हें सही नेतृत्व मिलेगा तो देश का भविष्य समृद्ध होगा। राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि आदित्य नारायण मिश्रा और उनके साथियों ने लोकतंत्र, संविधान और शिक्षा व्यवस्था की रक्षा के लिए यह कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि आदित्य नारायण मिश्रा हमेशा से प्रोफेसरों और छात्रों की आवाज उठाते आए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय में आए दिन भाजपा-आरएसएस के कार्यक्रमों में करोड़ों रुपये फूंके जाते हैं, इस राशि में तो कई हॉस्टल बन जाते और सत्य निकेतन जैसी घटनाएं नहीं होतीं। कांग्रेस में शामिल होने के बाद डॉ. मिश्रा ने कहा कि देश की शिक्षा व्यवस्था चरमरा रही है, सरकारी शिक्षण संस्थानों पर लगातार हमले हो रहे हैं और हजारों स्कूल बंद किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा, लोकतंत्र और संविधान की रक्षा करने तथा इस बड़े संकट से देश को उबारने के लिए वह राहुल गांधी के संघर्ष को मजबूत करने के लिए कांग्रेस में शामिल हुए हैं।

माननीय सभापति, लोक लेखा समिति, दिल्ली विधान सभा श्री अजय महावर का वक्तव्य

नई दिल्ली। लोक लेखा समिति विधानसभा की एक अत्यंत महत्वपूर्ण संसदीय समिति है और अपने निर्धारित संवैधानिक एवं संसदीय दायरे में कार्य करती है। पिछले कुछ समय से समिति लगातार विभिन्न विषयों पर कार्य कर रही है। यह उल्लेखनीय है कि वर्ष 2008-09 के बाद लगभग 17 वर्षों के अंतराल के पश्चात वर्ष 2025 में लोक लेखा समिति की रिपोर्ट विधानसभा सदन के पटल पर प्रस्तुत की गई। पिछले वर्षों में 40 से अधिक लंबित विषय आगे नहीं बढ़ पाए। जो लोग लगातार लोकपाल और लोकायुक्त व जवाबदेही की बात करते रहे, उनके शासनकाल में न तो सीएजी की रिपोर्टों पर अपेक्षित कार्रवाई हुई और न ही लोक लेखा समिति की रिपोर्टें नियमित रूप से सदन के समक्ष प्रस्तुत की गई। केवल घोषणाएँ करना पर्याप्त नहीं है। विधानसभा की समितियों का दायित्व तथ्यों के आधार पर जवाबदेही सुनिश्चित करना है। इसी क्रम में लगभग 60 करोड़ रुपये से संबंधित स्टाफ क्वार्टरों के निर्माण का विषय भी लोक लेखा समिति के समक्ष जांच के लिए आया। जब किसी विषय को विधानसभा द्वारा लोक लेखा समिति को जांच के लिए संदर्भित किया जाता है, तो समिति तथ्यों और निष्कर्षों के आधार पर कार्य करती है तथा उसकी जांच नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट में उठाए गए बिंदुओं की सीमा के भीतर रहती है। लोक लेखा समिति किसी राजनीतिक दल के लिए काम नहीं करती। वह विधानसभा और उसके संसदीय नियमों के प्रति जवाबदेह है। लोक लेखा समिति की कार्यवाही की अपनी गोपनीयता होती है। जब तक समिति अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं करती, तब तक उसकी कार्यवाही को सार्वजनिक नहीं किया जाता।

अभाविप ने परीक्षा सुधारों को लेकर हाई पावर्ड टास्क फोर्स को भेजे सुझाव

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने देश की परीक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार को लेकर हाई पावर्ड टास्क फोर्स के अध्यक्ष श्री नंदन नीलेकणि को अपने सुझाव भेजे हैं। अभाविप ने NEET सहित महत्वपूर्ण प्रतियोगी परीक्षाओं को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित, विश्वसनीय और विद्यार्थी हितैषी बनाने पर जोर दिया है। परीक्षा सुधारों को लेकर अभाविप ने पुणे, नागपुर, भोपाल, दिल्ली, चंडीगढ़ और दक्षिण बिहार में राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस आयोजित कर विद्यार्थियों एवं विषय विशेषज्ञों के साथ चर्चा की। इन चर्चाओं के आधार पर अभाविप ने परीक्षा व्यवस्था में तत्काल, मध्यम अवधि और दीर्घकालिक सुधारों को लेकर एक व्यापक सुझाव-पत्र तैयार किया है। अभाविप ने प्रमुख रूप से सुझाव दिया है कि महत्वपूर्ण प्रतियोगी परीक्षाओं को दो चरणों में आयोजित किया जाए पहले चरण में शॉर्टलिस्टिंग और दूसरे चरण में अंतिम चयन के लिए परीक्षा हो। इसके साथ ही एक ही परीक्षा पर अत्यधिक निर्भरता कम करने, NEET को वर्ष में दो बार आयोजित करने की व्यवहार्यता का अध्ययन कर बेहतर स्कोर को मान्यता देने, परीक्षा को कंप्यूटर आधारित बनाने, प्रश्नपत्र की सुरक्षा मजबूत करने, परीक्षा केंद्रों के लिए समान राष्ट्रीय मानक तय करने तथा अभ्यर्थी सत्यापन, डेटा सुरक्षा, उत्तर कुंजी, सामान्यीकरण, टाई-ब्रेकिंग और चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया है। तकनीकी या प्रशासनिक गड़बड़ी की स्थिति में स्पष्ट प्रोटोकॉल एवं आवश्यकता पड़ने पर पुनर्परीक्षा, स्वतंत्र सुरक्षा एवं प्रक्रिया ऑडिट, राष्ट्रीय प्रश्न बैंक, डिजिटल मूल्यांकन, एकीकृत परीक्षा प्रबंधन प्रणाली और केंद्रीय परीक्षा डैशबोर्ड की व्यवस्था पर भी जोर दिया गया है। दीर्घकालिक स्तर पर पाठ्यक्रम, शिक्षण, मूल्यांकन और प्रवेश परीक्षाओं के बीच बेहतर समन्वय, कोचिंग पर निर्भरता कम करने के लिए संस्थागत शिक्षण को मजबूत करने, करियर काउंसलिंग तथा योग्यता-आधारित मूल्यांकन को बढ़ावा देने और बड़े सुधारों को पायलट, परीक्षण, समीक्षा और स्वतंत्र ऑडिट के बाद चरणबद्ध रूप से लागू करने का सुझाव दिया गया है।

साक्षरता से सामाजिक सशक्तिकरण के लिए डायट दरियागंज में मनाया गया उल्लास पखवाडा

नई दिल्ली। साक्षरता को केवल पढ़ने-लिखने की क्षमता तक सीमित न रखते हुए उसे सामाजिक जागरूकता, आत्मविश्वास, जीवन कौशल, डिजिटल समझ और आजीवन सीखने से जोड़ने के उद्देश्य से जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), दरियागंज में अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस और उल्लास साक्षरता पखवाड़ा 2026 का व्यापक रूप से आयोजन किया गया। 1 से 14 सितंबर तक चले उल्लास साक्षरता पखवाड़े के दौरान संस्थान में जागरूकता कार्यक्रमों, रचनात्मक प्रतियोगिताओं, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, विशेषज्ञ संवादों और जनसहभागिता आधारित गतिविधियों की श्रृंखला आयोजित की गई। 8 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर इन गतिविधियों को विशेष रूप से रेखांकित करते हुए प्रशिक्षुओं को साक्षरता के व्यापक सामाजिक सरोकारों से जोड़ा गया। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के दिशा-निर्देशों तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप आयोजित इस कार्यक्रम का केंद्रबिंदु यह संदेश रहा कि साक्षरता व्यक्ति को केवल अक्षरों और संख्याओं का ज्ञान नहीं देती, बल्कि उसे अपने अधिकारों, जिम्मेदारियों, अवसरों और समाज के प्रति अपनी भूमिका को समझने में सक्षम बनाती है। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम Literacy for People, Planet and Prosperity रही, जिसमें साक्षरता को व्यक्ति, समाज, पर्यावरण और समृद्धि के व्यापक संदर्भ से जोड़ा गया है। डायट दरियागंज में आयोजित गतिविधियों ने इसी विचार को व्यावहारिक रूप में सामने रखा। डायट की प्राचार्य डॉ. अंजुल शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित पखवाड़े में प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

पोस्टर मेकिंग, स्लोगन राइटिंग, निबंध लेखन, डिजिटल रील निर्माण, वाद-विवाद प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम, जागरूकता रैली, नुक्कड़ नाटक और उल्लास मेले जैसी गतिविधियों ने पूरे आयोजन को रचनात्मक और सहभागितापूर्ण स्वरूप प्रदान किया। प्रशिक्षुओं ने विभिन्न माध्यमों के जरिए साक्षरता के महत्व, आजीवन सीखने की आवश्यकता और सामाजिक भागीदारी के संदेश को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। जागरूकता रैली और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से साक्षरता तथा उल्लास का संदेश संस्थान से बाहर आम लोगों तक पहुँचाने का प्रयास किया गया। पोस्टर, स्लोगन और निबंध लेखन जैसी गतिविधियों ने जहाँ प्रशिक्षुओं की रचनात्मक अभिव्यक्ति को मंच दिया, वहीं डिजिटल रील निर्माण ने उन्हें आधुनिक संचार माध्यमों के माध्यम से सामाजिक संदेश प्रस्तुत करने का अवसर दिया। वाद-विवाद और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने विषय को संवाद और अभिव्यक्ति के स्तर पर आगे बढ़ाया। इन गतिविधियों के माध्यम से प्रशिक्षुओं में सहयोग, संवाद, रचनात्मक सोच और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया गया। पखवाड़े का एक महत्वपूर्ण पक्ष विशेष कार्यशाला और संवादात्मक सत्र रहे। इन सत्रों में दिल्ली विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, शिक्षा निदेशालय तथा समावेशी शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों ने प्रशिक्षुओं के साथ संवाद किया।

एक नजर

गणपति बप्पा मोरया... अमरोहा में रस्तोगी परिवार के घर गूंजे भजन और आरती

अमरोहा। नगर के मोहल्ला काली पगड़ी में इन दिनों रस्तोगी परिवार के घर भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। परिवार ने विधि-विधान और श्रद्धा के साथ अपने घर में भगवान गणपति की प्रतिमा स्थापित की है। गणपति बप्पा की स्थापना के बाद से ही सुबह-शाम भजन, आरती और जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिरस में डूबा हुआ है। रस्तोगी परिवार द्वारा गणपति बप्पा को बड़े धूमधाम और श्रद्धा के साथ घर लाया गया। सात दिनों तक गणपति बप्पा परिवार के घर विराजमान रहेंगे। इस दौरान प्रतिदिन पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और आरती का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें परिवार के छोटे बच्चों से लेकर बड़े-बुजुर्ग तक उत्साहपूर्वक शामिल हो रहे हैं। परिवार के सदस्यों का कहना है कि गणपति बप्पा की स्थापना से घर में सकारात्मक ऊर्जा, सुख-समृद्धि और आपसी प्रेम का वातावरण बना है। सभी सदस्य श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ बप्पा की सेवा में जुटे हुए हैं। सातवें दिन गणपति बप्पा की भावपूर्ण विदाई की जाएगी। इसके बाद विधि-विधान के साथ गणपति प्रतिमा का गंगा जी में विसर्जन किया जाएगा। विसर्जन के दौरान परिवार के सदस्यों और श्रद्धालुओं द्वारा गणपति बप्पा के जयकारों के साथ उन्हें विदाई दी जाएगी। 'गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ...' के जयघोष के साथ रस्तोगी परिवार की यह गणपति आराधना श्रद्धा, आस्था और भक्ति का सुंदर संदेश दे रही है।

एसडीएम नौगांवा सादात के खिलाफ धरने पर बैठे अधिवक्ता

नौगांवा सादात। उप जिलाधिकारी मनीष चौधरी के खिलाफ तहसील बार एसोसिएशन नौगांव सादात के पदाधिकारी अधिवक्ता लामबंद होकर 14 सितंबर को तहसील प्रांगण एसडीएम कार्यालय के सामने दरी बिछाकर धरने पर बैठ गए और एसडीएम हाय हाय के नारे लगाने लगे। अधिवक्ताओं का हाई वोल्टेज ड्रामा शुरू हो गया। बताया जा रहा है कि नौगांवा सादात तहसील में प्रेक्टिस करने वाले अधिवक्ता अवधेश चौहान निवासी मुनव्वर पुर अपने ही गांव के व्यक्तियों से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। जमीन जोतने को लेकर मारपीट हुई थी। अवधेश चौहान ने नौगांवा सादात कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई कराई थी इसमें पुलिस ने मुलजिमों को एसडीएम कोर्ट भेज दिया था। एसडीएम ने शुक्रवार को बेल की 14 सितंबर 2026तारीख दी थी। लेकिन उनकी जमानत विपक्षी पक्ष को बिना सुने ही12 सितंबर 2026 को ही एसडीएम कोर्ट से हो गई। जमानत के लिए तहसील भेज दिया। अपने साथी के साथ हुए व्यवहार और इस बात से नाराज होकर तहसील बार एसोसिएशन ने एसडीएम और तहसील कर्मचारियों पर रिश्वत लेने का आरोप लगाते हुए धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। अधिवक्ताओं का कहना है अवकाश के दिन बेल देने का कोई नियम नहीं है इससे साफ होता है उप जिलाधिकारी ने रिश्वत लेकर नियम विरुद्ध कार्रवाई की है जब तक यूपी जिला अधिकारी नौगांव सादात को नहीं हटाया जाएगा तब तक हमारा धरना जारी रहेगा। इस अवसर पर बार अध्यक्ष सर्वेंद्र यादव महासचिव संजीव कुमार कपिल कुमार यादव कुलदीप सिंह अतुल चिकारा धर्मेंद्र यादव सैयद हुसैन हैदर मसरूर सिद्दीकी मेहराजुद्दीन दिनेश कुमार चौहान मनीष अंसारी मेराजुल जफर जयप्रकाश सिंह प्रजापति तंजीम खान वीरेंद्र कुमार चौहान समस्त अधिवक्ता मौजूद रहे।

कांग्रेस का जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

मेरठ। जनगणना 2027 के कुछ बिंदुओं में बदलाव की मांग को लेकर कांग्रेस ने सोमवार को जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। कांग्रेस ओबीसी विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष पीताम्बर सिंह और योगी जाटव के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन के बाद प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन भी सौंपा गया। मीडिया प्रभारी सैय्यद आमिर रज़ा ने बताया कि ज़िला कांग्रेस कमेटी (ओबीसी विभाग) जातीय जनगणना-2027 में ओबीसी के लिए स्पष्ट जाति सूची एवं ड्रॉप डाउन व्यवस्था की मांग कर रही है। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए सैय्यद आमिर रज़ा ने कहा कि केंद्र सरकार ने जनगणना-2027 में जातिगत गणना को शामिल करने का निर्णय लिया है। सरकार के अनुसार जाति संबंधी जानकारी जनगणना के दूसरे चरण में ली जाएगी। ओबीसी देश की बड़ी आबादी है। यदि जातिगत आंकड़े व्यवस्थित, पारदर्शी और प्रमाणित तरीके से दर्ज नहीं किए गए तो भविष्य में ओबीसी वर्ग की सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक और राजनीतिक स्थिति का सही आकलन करना कठिन होगा। उस्मान तोमर ने कहा कि ओबीसी के आंकड़ों में किसी तरह की अस्पष्टता स्वीकार नहीं की जाएगी क्योंकि जनगणना देश की नीतियों का आधार होती है। प्रदर्शन करने वालों में राकेश कुशवाहा, रमेश हल्देनिया, डॉ इरशाद, आरती जाटव, महताब, नासिर त्यागी, ज्ञानेन्द्र भड़ाना, उवैस अंसारी, गजे सिंह जाटव, सोनू गौतम, डॉ अरशद, साजिद, इमरान, रूपक, राजेंद्र भारती, लुकमान, अफजल, उबैद, तालिब और साहिल मुख्य रूप से मौजूद रहे।

अवैध असलहा समेत 4 तस्कर गिरफ्तार

मेरठाथाना परतापुर पुलिस व स्वाट टीम नगर मेरठ की संयुक्त कार्यवाही में अंतरराज्यीय व अंतर्जनपदीय अवैध असलहा तस्करी गिरोह का पर्दाफाश, पुलिस मुठभेड़ में 01 घायल अभियुक्त सहित कुल 04 अभियुक्त गिरफ्तार, 07 अवैध पिस्टल .32 बोर, 20 जिंदा कारतूस, 01 खोखा कारतूस, चोरी की मोटरसाइकिल एवं घटना में प्रयुक्त स्कूटी बरामद।2013सितंबर की रात्रि में थाना परतापुर पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि मेरठ निवासी 03 व्यक्ति एक दिल्ली निवासी व्यक्ति को अवैध पिस्टल बेचने के उद्देश्य से अच्छरौंडा-बहादुरपुर मार्ग स्थित दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे अंडरपास के पास मिलने वाले हैं। सूचना पर थाना परतापुर पुलिस व स्वाट टीम नगर मेरठ द्वारा संयुक्त रूप से मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गयी तथा संदिग्ध व्यक्तियों को आत्मसमर्पण करने हेतु कहा गया। इस पर अभियुक्तगण द्वारा पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग करते हुए भागने का प्रयास किया गया। पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ की गयी जवाबी कार्यवाही में अभियुक्त आमिर पुत्र हाजी फरियाद निवासी वेलकम कॉलोनी नई दिल्ली के बायें पैर में गोली लगी।

देहरादून में 14 से 30 सितंबर तक चलेगा व्यापक नशामुक्ति शपथ अभियान

देहरादून, जनपद
को नशा मुक्त बनाने और नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से सोमवार से 'नशा मुक्त भारत अभियान' (एनएमबीए) का आगाज हो गया। 14 से 30 सितंबर तक चलने वाले इस विशेष अभियान के तहत पूरे जिले में बड़े पैमाने पर ऑनलाइन और ऑफलाइन शपथ दिलाई जाएगी। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी (वि.रा.) के.के. मिश्रा ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाकर इस अभियान का शुभारंभ किया। शैक्षणिक संस्थान व कोचिंग सेंटरों में मुख्य शिक्षा अधिकारी एवं उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशन में जिले के सभी सरकारी व निजी स्कूलों (कक्षा 1 से 12), कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों और हॉस्टलों में छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करते हुए शपथ दिलाई जाएगी।

सरकारी एवं कॉर्पोरेट दफ्तरों में सभी शासकीय, अर्द्धशासकीय, निगम कार्यालयों, औद्योगिक इकाइयों और फैक्ट्रियों में कार्यरत अधिकारियों, कर्मचारियों और श्रमिकों के लिए सामूहिक शपथ ग्रहण अनिवार्य किया गया है। स्थानीय निकाय व ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायतों, नगर निगम, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में स्थानीय नागरिकों और महिला स्वयं सहायता समूहों को अभियान से जोड़कर जागरूक किया जाएगा।

खेल व पर्यटन क्षेत्र में जिला क्रीड़ा अधिकारी के माध्यम से महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज सहित विभिन्न खेल प्रशिक्षण केंद्रों में खिलाड़ियों को शपथ दिलाई जाएगी। वहीं, पर्यटन विभाग द्वारा हॉस्टलों, होम-स्टे और होटलों में अभियान संचालित किया जाएगा।

प्रमाणपत्र डाउनलोड करना अनिवार्य, यहां भेजें रिपोर्ट

अभियान के तहत ऑनलाइन शपथ लेकर प्रमाणपत्र डाउनलोड करना अनिवार्य किया गया है। जिला प्रशासन ने सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे शपथ कार्यक्रमों के फोटोग्राफ्स और निर्धारित प्रारूप में संकलित सूचना जिला समाज कल्याण अधिकारी के ई-मेल अथवा व्हाट्सएप नंबर 8126692409 पर तुरंत प्रेषित करें। जिला प्रशासन ने आमजन और समस्त संस्थानों से अपील की है कि नशामुक्त व स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए इस अभियान में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं।

नशामुक्त भारत अभियान के शुभारंभ के अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी दीपांकर घिल्डियाल, जिला शिक्षा अधिकारी प्रेम लाल भारती, मुख्य कृषि अधिकारी देवेंद्र राणा, नगर कर अधिकारी विजय चौहान सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मीडिया से बातचीत के दौरान कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास अब कोई वास्तविक मुद्दा नहीं बचा है। यही वजह है कि राहुल गांधी 'छात्रों की गूंज' जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से झूठ और भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा किए गए कई दावे फैक्ट चेक में गलत साबित हुए हैं।

शुद्धिकरण प्रकरण को जाति से जोड़ने के कांग्रेस के प्रयास पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने जानबूझकर इस विषय पर भ्रम फैलाने और समाज को बांटने की कोशिश की। उन्होंने स्पष्ट किया कि शुद्धिकरण और हवन जिहादी नारों के विरोध में किया गया था और इसका जातिवाद से कोई संबंध नहीं था। उन्होंने कहा कि इस आयोजन को करने वाले भाई स्वयं अनुसूचित समाज से थे। इससे कांग्रेस द्वारा गढ़े गए पूरे नैरेटिव की सच्चाई जनता के सामने आ गई है।मख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने प्रदेश में लगभग 13 हजार एकड़ अतिक्रमित सरकारी भूमि को मुक्त कराया है। उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई से भी कांग्रेस परेशान है। वहीं, बनभूलपुरा में अतिक्रमण के मुद्दे पर कांग्रेस की चुप्पी उसके दोहरे चरित्र को उजागर करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि की जमीन और प्रदेश के मूल स्वरूप की रक्षा सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा देवभूमि की जमीन कोई हरी घास नहीं है कि कोई भी आए, चरकर चला जाए। उत्तराखण्ड की एक-एक इंच जमीन और देवभूमि के मूल स्वरूप की रक्षा के लिए हमारी सरकार पूरी दृढ़ता के साथ काम करती रहेगी।

नशे के खिलाफ धर्मपुर में चलेगा व्यापक जनअभियान, दिल्ली में शैलजा कुमारी से मिले एडवोकेट संदीप चमोली

देहरादून/नई दिल्ली
प्रदेश कांग्रेस कमेटी उत्तराखंड के प्रदेश सचिव एडवोकेट संदीप चमोली ने आज नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय, 24 अकबर रोड पर उत्तराखंड प्रभारी एवं राष्ट्रीय महासचिव कांग्रेस शैलजा कुमारी से शिष्टाचार भेंट कर विभिन्न संगठनात्मक एवं जनसरोकारों से जुड़े विषयों पर चर्चा की। इस दौरान एडवोकेट संदीप चमोली ने उत्तराखंड प्रभारी शैलजा कुमारी को धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे व्यापक जनजागरूकता अभियान की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें नशे से दूर रहकर शिक्षा, रोजगार, खेल और सकारात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करना है। चमोली ने बताया कि अभियान में मातृशक्ति की सक्रिय भागीदारी को विशेष रूप से सुनिश्चित किया जा रहा है। धर्मपुर विधानसभा के विभिन्न नगर निगम वार्डों में लगातार जनसंवाद एवं बैठकें आयोजित कर महिलाओं, युवाओं और स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित किया जा रहा है। इन बैठकों के माध्यम से नशे की बढ़ती प्रवृत्ति से परिवार और समाज पर पड़ रहे दुष्प्रभावों पर चर्चा करने के साथ ही लोगों को नशे के खिलाफ सामूहिक रूप से आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल किसी एक व्यक्ति या संगठन की लड़ाई नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। युवाओं को नशे से बचाने के लिए परिवार, समाज, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और प्रशासन को मिलकर प्रभावी प्रयास करने होंगे। इसी उद्देश्य से धर्मपुर विधानसभा के प्रत्येक वार्ड तक अभियान को पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। एडवोकेट चमोली ने यह भी बताया कि क्षेत्र में नशे के अवैध कारोबार को लेकर स्थानीय पुलिस एवं संबंधित अधिकारियों को लगातार अवगत कराया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि नशे की बिक्री और अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों के विरुद्ध कठोर एवं प्रभावी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि नशे के नेटवर्क पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके और क्षेत्र के युवाओं का भविष्य सुरक्षित किया जा सके।

राष्ट्रीय लोकदल के नगर अध्यक्ष ने आयोजित किया पत्रकार सम्मान समारोह

नजीबाबाद।14सितंबर(डॉ0आफ ताब नोमानी)राष्ट्रीय लोकदल के नगर अध्यक्ष एडवोकेट इकबाल चौधरी के नेतृत्व में पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आईरा (इंटरनेशनल रिपोर्टर्स एसोसिएशन) के जिलाध्यक्ष अफजाल अंसारी समेत नगर क्षेत्र के विभिन्न पत्रकारों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पत्रकारिता की भूमिका, समाज के प्रति पत्रकारों की जिम्मेदारी और निष्पक्ष पत्रकारिता के महत्व पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय लोकदल के जिलाध्यक्ष ओमपाल कश्यप ने की, जबकि संचालन सुरेश राणा ने किया। समारोह में राष्ट्रीय लोकदल की टीम के पदाधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे। समारोह में आईरा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. तारिक ज़की के नेतृत्व में पत्रकारों द्वारा किए जा रहे कार्यों की चर्चा की गई।

आईरा के बिजनौर जिलाध्यक्ष अफजाल अंसारी के साथ इस अवसर पर अफ़ज़ाल अंसारी, डॉ आफताब नोमानी, नरेंद्र सिंह, नौशाद मुल्तानी, शहजाद नोमानी, शहजाद मलिक, महमूद रजा, सूरज कुमार, गुलजार अहमद एडवोकेट, मुशर्रफ अली, खिजर अहमद, जीशान नजीबाबादी, शाकिर अली, नईम सिद्दीकी, नवेद अनवर फरीदी, कुलदीप राजपूत, आकिफ हुसैन उर्फ अक्की, सरफराज अहमद, बहार आलम, शाहनवाज अहमद, डॉ. इकराम, अनुज शर्मा, सोनू आदित्य, टी एस मलिक, संजीव ठाकुर, हिमांशु तायल, शादाब रज़ा, साकिब ज़ैदी, पी आर ओ वसीम अहमद, डिस्ट्रिक्ट लीगल एडवाइजर शमशुल इस्लाम एडवोकेट आदि को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय लोकदल के जिलाध्यक्ष ओमपाल कश्यप, संयोजक संजीव राठी, क्षेत्रीय अध्यक्ष सरदार बुद्ध सिंह, सरदार बलबीर सिंह, चौधरी हरेंद्र सिंह, सरदार सर्वजीत सिंह, जिला महासचिव एवं नजीबाबाद विधानसभा प्रत्याशी अकरम शेख, पूर्व ब्लॉक प्रमुख पंकज चौधरी, जिला प्रवक्ता संजीव चौधरी, नगर अध्यक्ष एडवोकेट इकबाल चौधरी, राजवीर सिंह खाईखेड़ी, सुरेश राणा, चरण सिंह, त्यागी समेत नौ बाहर सिंह, सुधीर सिंह, एडवोकेट इसरार अहमद, इब्बादुर्रहमान, सरफराज अहमद, कादिर कुरैशी, आजम एडवोकेट, इस्लाम अहमद, शाकिर अंसारी, वकार चौधरी, इकराम अहमद, शमशाद चौधरी, यूनुस कुरैशी नेता, सरदार मनमोहन सिंह, महिपाल सिंह, पंकज चेयरमैन, दुष्यंत बिश्नोई, शेखर सिंह इत्यादि गणमान्य लोग मौजूद रहें।

शिक्षा जगत का एक और सूरज डूब गया योग्य शिक्षिका के निधन पर शिक्षा जगत समेत विभिन्न सियासी समाजी,धार्मिक लोगों ने गहरा दुख व्यक्त किया है

महमूदाबाद (सीतापुर)। योग्य शिक्षिका नाहीद जहीर सिद्दीकी का बीमारी के चलते निधन हो गया उनके निधन से शिक्षा जगत में दुख की लहर दौड़ गई नाहीद जहीर सिद्दीकी पत्नी जावेद निवासी संगत किला महमूदाबाद नगरपालिका परिषद महमूदाबाद क्षेत्र के नूरपुर स्थित पी एम श्री कंपोजिट स्कूल में सहायक अध्यापिका के पद पर कार्यरत थीं कुछ दिनों से वह अस्वस्थ थीं जिनका इलाज लखनऊ के मैक्स हास्पिटल में चल रहा था जहां दौराने इलाज 11 सितंबर 2026 शुक्रवार की शाम उनका निधन हो गया निधन का समाचार मिलते ही शिक्षा जगत में शोक की लहर दौड़ गई उनके निधन पर पूर्व कार्यवाहक मुख्यमंत्री डॉ.अम्मार रिजवी,खंड शिक्षा अधिकारी,उदयमणि पटेल,सीता ग्रुप आफ एजुकेशन के चेयरमैन रमेश,वाजपेई,मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमिनिटीज साइंस एंड टेक्नोलॉजी,के कार्यालय अधीक्षक राजेश सिंह,राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के अध्यक्ष संदीप वर्मा,मुहम्मद अनवर ए आर पी,पहला ब्लाक, यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट योनियन महमूदाबाद के अध्यक्ष अनुज जैन,मुहम्मद इमरान मंसूरी,मुहम्मद रिजवान मंसूरी,शबाना खान,महेश,मास्टर मुहम्मद अनवर नेहा सिंह, शबिस्ता मंसूरी,साइमा खातून,सागर रशीद सिद्दीकी,समीउल्ला, सगीर अ ह म द ? ि ज या उ ल कामरान,सनी,आशु, आमिर सोनी ने गहरा दुख जाहिर करते हुए शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं और परिवार वालों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है इरफान मंसूरी ने नाहीद जहीर सिद्दीकी के निधन पर बहुत अफसोस का इजहार करते हुए उन्हें एक योग्य शिक्षिका,व्योहार कुशल,मानवता और राष्ट्रीय एकता की प्रबल पक्षधर गरीब परव इंसानियत नवाज अजीम महिला करार दिया इरफान मंसूरी ने कहा कि उनके निधन से शैक्षिक जगत में जो कमी आई है उसका भविष्य में पूर्ण होना असम्भव महसूस होता है नाहीद जहीर सिद्दीकी अपने पीछे पति के अलावा दो बेटे छोड़ गई हैं उन्हें शनिवार 12 सितंबर 2026 को लखनऊ स्थित अलनूर कब्रिस्तान आदिल नगर निकट बिलाल मस्जिद में सिपुर्द खाक कर दिया गया उनके निधन पर इरफान मंसूरी ने शेर पढ़ा

कि
लाई हयात आए
कजा ले चली चले
अपनी खुशी से आए
न अपनी खुशी चले।

नवनियुक्त जिलाध्यक्ष इंतज़ार अली का कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

मेरठ।13 सितंबर को जिला कांग्रेस कार्यालय, बुढ़ाना गेट, मेरठ पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के नवनियुक्त मेरठ जिलाध्यक्ष इंतजार अली के स्वागत में प्रेस कॉन्फ्रेंस एवं स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाएं पहनाकर तथा बुके भेंट कर नवनियुक्त जिलाध्यक्ष का गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।कांग्रेस नेताओं ने कहा कि इंतज़ार अली को अल्पसंख्यक विभाग का जिलाध्यक्ष बनाए जाने से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और अल्पसंख्यक समाज के साथ-साथ समाज के सभी वर्गों को कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ने में मजबूती मिलेगी। कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि इंतज़ार अली संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने तथा कांग्रेस की नीतियों और संविधान की रक्षा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। इसके उपरांत जिला कांग्रेस कार्यालय से गांधी-अंबेडकर संवाद यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने भाग लिया। यात्रा में कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव शाहनवाज आलम, अल्पसंख्यक विभाग के जिलाध्यक्ष इंतज़ार अली, कांग्रेस नेता हेमंत प्रधान, डॉ. यूसुफ कुरैशी, शहजाद यूसुफ कुरैशी, सरदार मनजीत सिंह सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रसिद्ध उर्दू पत्रकार एवं समाजसेवी लियाकतुल्ला खान शेरवानी को पेश की गई श्रद्धांजलि

मेरठ। प्रसिद्ध उर्दू पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता और उर्दू भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए जीवनभर कार्य करने वाले स्वर्गीय लियाकतुल्ला खान शेरवानी की 8वीं पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर उनकी पत्रकारिता, शिक्षा, धार्मिक जागरूकता, राष्ट्रीयता और सामाजिक सेवाओं को विशेष रूप से याद किया गया लियाकतुल्ला खान शेरवानी ने मिल्लत चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से गरीब, जरूरतमंद और कमजोर वर्गों की सहायता के लिए अनेक सामाजिक एवं जनकल्याणकारी कार्य किए। उन्होंने ने जरूरतमंद लोगों की मदद, गरीब क्षेत्रों में मेडिकल कैंप तथा अन्य जनसेवा के कार्य आयोजित किए गए। उनका उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाना और इंसानियत की सेवा करना था। उन्होंने बागपत में लड़कियों की शिक्षा के लिए 'जामिया-तुल-मोमिनात' के नाम से स्कूल स्थापित कर बच्चियों को शिक्षा से जोड़ने की महत्वपूर्ण पहल की। उनका मानना था कि किसी भी समाज की तरक्की के लिए बेटियों की शिक्षा बेहद जरूरी है। कुरआन की शिक्षा को आम करने के लिए उन्होंने 'दावतुल कुरआन मिशन' नाम से संस्था की स्थापना की।

भुसावल में हुआ हादसा ! सामने अचानक वाहन आने से ट्रक मोड़ा ; NHAI के खोदे गड्ढे में जा गिरा ट्रक, स्ट्रीट लाइट पोल भी सड़क पर आ गिरा

भुसावलः भुसावल मे खड़का चौक के आगे राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 53 पर एम. आई तेली पेट्रोल पंप के सामने क्रॉसिंग के पास सोमवार (14 सितंबर) दोपहर करीब 2 से 3 बजे के बीच बड़ा हादसा हो गया। जलगांव की ओर जा रहे एक बड़े ट्रक के सामने अचानक एक वाहन आ गया। प्रसंगावधान रखते हुए ट्रक चालक ने ट्रक को सड़क किनारे सर्विस रोड की ओर मोड़ दिया। इसी दौरान सर्विस रोड के किनारे नाली के काम के लिए NHAI द्वारा खोदे गए बड़े गड्ढे में ट्रक का पहिया चला गया और ट्रक सीधे गड्ढे में जा गिरा। हादसा इतना जोरदार था कि ट्रक की चपेट में आने से सड़क किनारे लगा स्ट्रीट लाइट का पोल टूटकर पूरी तरह सड़क पर आड़ा गिर गया। इसके चलते कुछ समय के लिए यातायात भी बाधित हो गया। हादसे की तीव्रता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यदि स्ट्रीट लाइट के पोल की जगह वहां कोई व्यक्ति मौजूद होता, तो उसकी मौके पर ही जान जा सकती थी। हालांकि, सौभाग्य से इस हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। ट्रक को काफी नुकसान पहुंचा है। सर्विस रोड के किनारे नाली के काम के लिए बड़े-बड़े गड्ढे खोदे गए हैं। इन गड्ढों के कारण वाहन चालकों के लिए लगातार खतरा बना हुआ है। अचानक सामने आए वाहन को बचाने के प्रयास में चालक ने ट्रक को सर्विस रोड की ओर मोड़ा, लेकिन सड़क किनारे मौजूद गड्ढे के कारण ट्रक हादसे का शिकार हो गया। नागरिकों और ट्रक चालक का कहना है कि यदि सड़क किनारे इस तरह के गहरे गड्ढे नहीं होते, तो ट्रक सुरक्षित रूप से सर्विस रोड पर चला जाता और यह हादसा टल सकता था। यह क्षेत्र बायपास और क्रॉसिंग का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जहां दिनभर भारी संख्या में वाहनों की आवाजाही रहती है। आसपास दुकानें और लोगों की आवाजाही होने के कारण यहां दुर्घटना का खतरा बना रहता है। वाहन चालकों की गति नियंत्रित करने के लिए इस स्थान पर ब्रेकर लगाने की मांग नागरिकों ने की है।

अखिल भारतीय मुशायरा–नात व मनकबत का आयोजन

महमूदाबाद (सीतापुर)।महमूदाबाद से निकट नगर पंचायत पैंतेपुर की नई बाजार में एक अखिल भारतीय मुशायरा––नात व मनकबत का आयोजन नमाज-ए-ईशा के बाद किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ कारी अब्दुल्ला ने तिलावते कलाम-ए-पाक से किया।इस अवसर पर संबोधित करते हुए ईदगाह पैंतेपुर के इमाम मौलाना रफीउद्दीन नदवी ने कहा कि शायरी के माध्यम से नबी से इश्क का जो दावा पेश किया जाता है, उसका असल मकसद यह है कि हमारी जिंदगी के हर दिन-रात में आका की सुन्नत और उनका तरीका नजर आए।आज समाज में फैली बुराइयां चीख-चीखकर उम्मते मुस्लिमा को आवाज दे रही हैं कि लौट आओ, अभी दरवाजा खुला हुआ है।सुन्नते रसूल को अपना लो, कामयाबी तुम्हारा मुकद्दर होगी।मौलाना मुहम्मद सलमान अतहर कासमी की अध्यक्षता में आयोजित यह मुशायरा बड़ी संख्या में मौजूद लोगों के बीच फज्र की अजान तक चलता रहा। प्रसिद्ध मुशायरा संचालक मौलाना मुहम्मद कासिम उस्मानी की निजामत में मुशायरे का आगाज यूनुस पैंतेपुरी ने हम्दिया कलाम से किया।

मुशायरे में पेश किए गए और पसंद किए गए कुछ अशआर पाठकों की नजर हैं—
जो रौजे के करीब आने नहीं देता मुनाफिक को,
मुहम्मद के उसी दरबान को फारूक कहते हैं।
— मुजम्मिल हयात सीतामढ़ी, बिहार
नबी का कलमा पढ़ा है जब से गजब का तेवर दिखा रहे हैं,
उड़ा के गर्दन मुनाफिकों की नबी का नारा लगा रहे हैं।
— आफताब रहबर, कलकत्ता
कहीं चांद और सूरज, कहीं तारे जौ-फिशां हैं,
मुझे लग रहा है जैसे कभी अर्श था मदीना।
— मौलाना सलमान अतहर
असहाब-ए-मुस्तफा पर सियासत नहीं अच्छी,
हजरत उमर से सुन ले, बगावत नहीं अच्छी।
— शमशीर जहांना गंजवी
कोई माने या न माने, मगर अपना है अकीदा,
जिसे मुस्तफा बनाएं, वो इमाम सबसे अच्छा।
— डॉ. शमीम रामपूरी
सूरज भी पलट आया और चांद हुआ टुकड़े,
सरकार की उंगली का क्या खूब निशाना है।
— सरताज आलम सुल्तानपुरी
महशर में बख्शिश के लिए बस एक सहारा काफी है,
सरवर-ए-आलम की उम्मत में नाम हमारा काफी है।
— जीशान जहांगीर आबादी
मीना से न सागर से, न साकी की नजर से,
जमजम से बुझेगी जो मुझे प्यास लगी है।
— कुरैश नदवी
इनके अलावा शराफत बिसवानी, उमर अब्दुल्ला बाराबंकवी, आकिब फतेहपुरी और कारी परवेज यजदानी ने भी अपने कलाम से श्रोताओं को नवाजा।
इस अवसर पर आयोजन समिति के सरदार आलम, सदस्य नगर पंचायत पैंतेपुर, आदिल उरूज, प्रतिनिधि चेयरपर्सन,नगर पंचायत पैंतेपुर मुहम्मद शारिक उमर, हाफिज अकील अख्तर, कारी जीशान, मास्टर अबूजर और मुहम्मद जावेद ने सभी शायरों का स्वागत किया।
मुशायरे में बड़ी संख्या में उलेमा-ए-किराम, हाफिज-ए-किराम तथा आम व खास लोग मौजूद रहे।इनमें मौलाना मुनीर अहमद मजाहिरी, मौलाना मुहम्मद वसीम नदवी, मुफ्ती नियाज आलम, मौलाना अबू तल्हा नदवी, मौलाना दोस्त मुहम्मद, मुहम्मद असलम अंसारी, हाफिज नियाज आलम, हाफिज फजलुल बारी, मौलाना मुहम्मद इमरान, मौलाना मुहम्मद शफी मजाहिरी, मुहम्मद अनस, यासीन सलमान खान, चौधरी वकार अहमद, डॉ. मुहम्मद फहीम, मौलाना मुहम्मद सिराज और राशिद अंसारी आदि के नाम प्रमुख हैं।

संक्षिप्त समाचार

पड़ोसी राज्यों के दिग्गजों की एंट्री से पंजाब में चढ़ा सियासी पारा

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब में चुनावी सरगर्मियां तेज होने के साथ अब पड़ोसी राज्यों के दिग्गज नेताओं ने भी सियासी मोर्चा संभाल लिया है। भाजपा की ओर से हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी सक्रिय हैं तो कांग्रेस ने राजस्थान के सचिन पायलट को जिम्मेदारी सौंपी है। वहीं, आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेता भी चुनावी रणनीति को धार देने में जुटे हैं। आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल और अनुराग ढांडा भी सक्रिय हो गए हैं। राजस्थान से भाजपा प्रभारी सतीश पूनिया ने भी बैठकों का दौर शुरू कर दिया है। पड़ोसी राज्यों के नेताओं की बढ़ती सक्रियता से पंजाब की सियासत में हलचल और तेज हो गई है। हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी लगातार पंजाब के विभिन्न हलकों का दौरा कर रहे हैं और नेताओं और कार्यकर्ताओं से मिल रहे हैं ।वह पिछले कुछ समय से पंजाब भाजपा में दर्जनों नेताओं को शामिल करवा चुके हैं। सैनी के जरिये भाजपा की हरियाणा बॉर्डर से लगती सीटों पर नजर है जहां भाजपा बड़े उलटफेर करने की उम्मीद लगाए बैठी है। हरियाणा के साथ पंजाब के फतेहगढ़ साहिब, रूपनगर, पटियाला, संगरूर और लुधियाना जिले के विधानसभा के हलके लगते हैं। इन जिलों में हरियाणा के साथ 38 से अधिक विधानसभा सीटें लगती हैं। इसी तरह हिंदू बहुल व शहरी क्षेत्रों में भी भाजपा अपनी अच्छी पकड़ मानती है। यही कारण है कि ऐसी सभी सीटों पर भाजपा का विशेष फोकस है। इसी तरह सैनी तख्त श्री केसगढ़ साहिब में भी नतमस्तक हो चुके हैं। इस दौरान उन्होंने श्री अकाल तख्त साहिब के कार्यकारी जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह से उनके निवास पर जाकर मुलाकात की थी। वह पंजाब के सरपंचों से भी मिल चुके हैं और साथ ही डेराबस्सी और पटियाला समेत अन्य हलकों में आयोजित होने वाले अनेक समारोहों में भाग ले चुके हैं। पंजाब भाजपा के नए प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया ने भी बैठकों का दौर शुरू कर दिया है। राजस्थान से संबंध रखने वाले पूनिया लगातार बैठकें कर रहे हैं और नशे के खिलाफ भाजपा की यात्रा की तैयारियों में भी जुट गए हैं ।इसी तरह कांग्रेस हाईकमान किसी भी हालत में विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी में गुटबाजी खत्म करना चाहती है। यही कारण है कि अब पार्टी ने सचिन पायलट को इसकी जिम्मेदारी सौंपी है जिन्हें पंजाब कांग्रेस का प्रभारी बनाया गया है। वह 15 सितंबर को पंजाब दौरे पर आ रहे हैं। इस दौरान वह चंडीगढ़ में कांग्रेस के एक प्रदर्शन का भी नेतृत्व करेंगे।

उत्तराखंड के सीएम धामी बोले- राहुल गांधी की राजनीति बनी 'झूठ की गूंज'

देहरादून, ऐजेंसी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मीडिया से बातचीत के दौरान कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास अब कोई वास्तविक मुद्दा नहीं बचा है। यही वजह है कि राहुल गांधी 'छात्रों की गूंज' जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से झूठ और भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा किए गए कई दावे फैक्ट चेक में गलत साबित हुए हैं। शुद्धिकरण प्रकरण को जाति से जोड़ने के कांग्रेस के प्रयास पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने जानबूझकर इस विषय पर भ्रम फैलाने और समाज को बांटने की कोशिश की। उन्होंने स्पष्ट किया कि शुद्धिकरण और हवन जिहादी नारों के विरोध में किया गया था और इसका जातिवाद से कोई संबंध नहीं था। उन्होंने कहा कि इस आयोजन को करने वाले भाई स्वयं अनुसूचित समाज से थे। इससे कांग्रेस द्वारा गढ़े गए पूरे नैरेटिव की सच्चाई जनता के सामने आ गई है ।यूआईआईडीबी से जुड़े सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संस्था प्रदेश में निवेश बढ़ाने, आर्थिक गतिविधियों को गति देने और रोजगार के नए अवसर सृजित करने के उद्देश्य से काम कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तराखंड में आ रहा निवेश और युवाओं के लिए पैदा हो रहे रोजगार के अवसर भी कांग्रेस को रास नहीं आ रहे हैं ।मख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने प्रदेश में लगभग 13 हजार एकड़ अतिक्रमित सरकारी भूमि को मुक्त कराया है। उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई से भी कांग्रेस परेशान है। वहीं, बनभूलपुरा में अतिक्रमण के मुद्दे पर कांग्रेस की चुप्पी उसके दोहरे चरित्र को उजागर करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि की जमीन और प्रदेश के मूल स्वरूप की रक्षा सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा देवभूमि की जमीन कोई हरी घास नहीं है कि कोई भी आए, चरकर चला जाए। उत्तराखण्ड की एक-एक इंच जमीन और देवभूमि के मूल स्वरूप की रक्षा के लिए हमारी सरकार पूरी दृढ़ता के साथ काम करती रहेगी।

प. बंगाल उपचुनाव... नंदीग्राम से ममता बनर्जी खुद नहीं लड़ रहीं, संचिता प्रधान डे को उतारा

कोलकाता, एजेंसी। नंदीग्राम उपचुनाव के लिए तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार संचिता प्रधान डे होंगी। इस ऐलान ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बात साफ कर दी है कि 15 सालों में पहली बार ममता बनर्जी विधानसभा से बाहर होंगी।

अटकलें थीं कि वह उपचुनाव लड़ सकती हैं। खास बात है कि ऋताब्रत बनर्जी गुट ने तो चुनौती दी थी कि अगर बनर्जी खुद चुनाव लड़ती हैं, तो उनकी तरफ से उम्मीदवार नहीं उतारा जाएगा। अब कयास लगाए जा रहे हैं कि सोमवार को बागी गुट भी नामों का ऐलान कर सकता है ।पार्टी ने इस हाई प्रोफाइल सीट के लिए संचिता प्रधान डे पर भरोसा जताया है। हालांकि, उनके बारे में ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वह साल 2023 में पंचायत चुनाव लड़ चुकी हैं और नंदीग्राम 2 से पंचायत समिति का चुनाव भी हार चुकी हैं। वहीं, रेजीनगर सीट से पार्टी ने रबीउल आलम चौधरी को टिकट दिया है ।अटकलें ये भी हैं कि इससे पहले टीएमसी ने वरिष्ठ नेता अखिल गिरी से संपर्क साधा था। टाइम्स नाउ की एक रिपोर्ट में टीएमसी के एक नेता के हवाले से बताया गया है कि ममता बनर्जी ने फोन पर गिरी से बात की थी और शनिवार को कालीघाट आवास पर मिलने के लिए भी बुलाया था। तब से अटकलों का दौर शुरू हो गया था कि गिरी पार्टी के उम्मीदवार हो सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, गिरी ने कहा कि बनर्जी ने सीट पर उपचुनाव को लेकर उनकी राय मांगी थी। खास बात है कि उन्होंने यह भी कहा कि जानकारी व्हाट्सएप पर भेज दी थी। उन्होंने कहा था, 'मैं पार्टी का एक सच्चा सिपाही हूं। अगर पार्टी मुझे कोई भी जिम्मेदारी देती है, तो मैं उसे पूरा करूंगा।' उन्होंने यह भी बताया है कि अंतिम फैसला बनर्जी के हाथ में है।

रायबरेली में कुंडा विधायक राजा भैया बोले- सीजेपी के आंदोलन में आतंकियों की जय-जयकार हुई

रायबरेली, एजेंसी। यूपी के प्रतापगढ़ के कुंडा से विधायक और जनसत्ता दल के अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह 'राजा भैया' ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के आंदोलन को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन पर्चा लीक के मुद्दे पर हो रहा था, लेकिन आंदोलन के दौरान जिस तरह की भाषा और व्यवहार का इस्तेमाल किया गया, उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। राजा भैया ने रायबरेली के ऊंचाहार में यह बयान दिया। उन्होंने मंच से दिल्ली के प्रदर्शन और मौजूदा सामाजिक परिस्थितियों को लेकर अपनी बात रखी ।राजा भैया ने कहा कि उन्हें प्रदर्शन के मुद्दे पर कोई आपत्ति नहीं है। पर्चा लीक के खिलाफ आवाज उठाना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन प्रदर्शनकारियों की भाषा और व्यवहार पर सवाल है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान भारत माता के विरोध में नारे लगाए गए और 'भारत मुर्दाबाद' के नारे भी लगाए गए। साथ ही आतंकियों की जय-जयकार किए जाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियों को कतई स्वीकार नहीं किया जा सकता ।राजा भैया ने प्रदर्शन के संदर्भ में 'जेन-जी' शब्द का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जेन-जी न तो हमारी सभ्यता से मेल खाता है और न ही हमारी संस्कृति और आदर्शों से। उन्होंने आंदोलन के दौरान अभद्र भाषा और व्यवहार किए जाने का भी आरोप लगाया ।राजा भैया ने प्रदर्शनकारियों की फंडिंग को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए।

बंगाल में खेला होबे... टीएमसी के बागी सांसद जगदीश चंद्र बसुनिया का दावा

दुर्गापूजा से पहले एनसीपीआई के 17 सांसद भाजपा में होंगे शामिल

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल की राजनीति में दुर्गापूजा से पहले एक और बड़े राजनीतिक बदलाव की चर्चा तेज हो गई है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बागी नेता और कूचबिहार से सांसद जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया ने दावा किया है कि नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) के 20 में से 17 सांसद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने की तैयारी में हैं।

उनके मुताबिक यह बदलाव दुर्गापूजा से पहले या उसके बाद अक्तूबर में हो सकता है। बसुनिया ने सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि 17 सांसदों ने एक साथ भाजपा में जाने की योजना को अंतिम रूप दे दिया है। उन्होंने दावा किया कि दो-तिहाई से अधिक सांसदों के एक साथ दल बदलने की वजह से उन पर दल-बदल कानून लागू नहीं होगा। उन्होंने कहा कि हम 17 सांसद एक साथ भाजपा में जाने वाले हैं। 20 में से दो-तिहाई से ज्यादा सदस्य साथ जा रहे हैं, इसलिए दल-बदल कानून हम पर लागू नहीं होगा।

जून में किया था एनसीपीआई में विलय

गौरतलब है कि 14 जून को टीएमसी के 20 बागी सांसदों ने कम चर्चित नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में विलय का ऐलान किया था। इन सांसदों ने केंद्र में सत्तारूढ़ एनडीए को अपना समर्थन भी दिया था। दल-बदल कानून के तहत अयोग्यता से बचने के लिए 20 में से कम से कम 14 सांसदों का साथ जाना जरूरी है। ऐसे में 17 सांसदों के भाजपा में जाने का दावा इसी दो-तिहाई प्रावधान से जुड़ा है।

तीन सांसद बीजेपी में नहीं होंगे शामिल

हालांकि, बसुनिया ने कहा कि एनसीपीआई के 20 सांसदों में शामिल अल्पसंख्यक समुदाय के तीन सांसद औपचारिक रूप से भाजपा की सदस्यता नहीं लेंगे। उन्होंने इसके पीछे अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों की राजनीतिक और प्रशासनिक परिस्थितियों को वजह बताया। बसुनिया के मुताबिक अबू ताहेर खान, खलीलुर रहमान और यूसुफ पठान भाजपा में शामिल होने के बजाय बाहर से ह्वप्ट को समर्थन देंगे। उन्होंने दावा किया कि इन नेताओं को आगे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां या विभाग भी मिल सकते हैं।

20 में से 14 आए साथ तो दल-बदल नहीं होगा लागू

बता दें कि पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव हारने के बाद ममता बनर्जी की अगुवाई वाली टीएमसी में बड़े पैमाने पर बगावत हो गई थी और 14 जून को तृणमूल के 20 असंतुष्ट सांसदों ने नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में विलय की घोषणा की थी और सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को समर्थन देने का ऐलान किया था। इन 20 बागी सांसदों में से कम से कम 14 सांसदों का दो-तिहाई का आंकड़ा पूरा करने के लिए साथ जाना जरूरी है, ताकि उन्हें अयोग्यता का सामना ना करना पड़े।

घर लौटने पर हुआ था बसुनिया का विरोध

बसुनिया का यह बयान ऐसे समय आया है जब कुछ दिन पहले वह और उनकी पत्नी व टीएमसी विधायक संगीता रॉय कूचबिहार के सिताई स्थित अपने पैतृक घर पहुंचे थे। यहां स्थानीय लोगों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके खिलाफ प्रदर्शन किया था। बसुनिया के राजनीतिक रुख में बदलाव को लेकर इलाके में विरोध देखने को मिला। इस दौरान उनके आवास के पास स्थित एक टीएमसी कार्यालय में कथित तौर पर आग लगाए जाने की घटना भी सामने आई थी। बसुनिया पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि वह अब टीएमसी के साथ नहीं हैं और एनडीए के साथ राजनीतिक रूप से जुड़ चुके हैं। हालांकि, एनसीपीआई के 17 सांसदों के भाजपा में शामिल होने का दावा फिलहाल बसुनिया के बयान पर आधारित है।

टीएमसी पर नियंत्रण को लेकर कोई अंतरिम आदेश नहीं

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के संगठन पर नियंत्रण को लेकर चल रहे विवाद में चुनाव आयोग ने अभी कोई अंतरिम आदेश नहीं दिया है। पार्टी सांसद कल्याण बनर्जी ने रविवार को यह जानकारी दी। आयोग ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट को 16 सितंबर तक अतिरिक्त दस्तावेज जमा करने का समय दिया है। यदि आवश्यक हुआ तो 17 सितंबर को सुनवाई होगी। तृणमूल कांग्रेस के दो प्रतिद्वंद्वी गुटों ने शनिवार को चुनाव आयोग के अधिकारियों से अलग-अलग मुलाकात की थी। एक गुट की अगुवाई ममता बनर्जी कर रही हैं, जबकि दूसरे की विद्रोही नेता ऋतब्रत बनर्जी। कल्याण बनर्जी ने 'एक्स' पर लिखा, चुनाव आयोग ने कोई अंतरिम आदेश पारित नहीं किया है। उन्होंने बताया कि आयोग ने उन्हें 16 और 17 सितंबर को पेश होने का निर्देश दिया है। इसलिए, उपचुनाव में उनके पार्टी उम्मीदवार पार्टी चिह्न 'घास के साथ दो फूल' पर चुनाव लड़ेंगे। ममता बनर्जी खेमे के सूत्रों ने बताया कि आयोग ने शनिवार की सुनवाई के बाद पार्टी को पत्र लिखा है। इसमें 16 सितंबर को दोपहर 3 बजे तक अतिरिक्त विवरण और दस्तावेज जमा करने की सूचना दी गई है। आयोग ने कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो 17 सितंबर को शाम 4 बजे सुनवाई होगी। यह नया पत्र पश्चिम बंगाल में नंदीग्राम और रेजीनगर विधानसभा उपचुनावों के लिए नामांकन दाखिल करने की 16 सितंबर की समय सीमा से पहले आया है। ये उपचुनाव 6 अक्तूबर को होने हैं।

तमिलनाडु में विधानसभा उपचुनाव

वामपंथी पार्टियां अकेले लड़ेंगी चुनाव छोड़ा थलपति विजय का साथ

चेन्नई, एजेंसी

तमिलनाडु में थलपति विजय की कुर्सी पर खतरा मंडरा रहा है। दरअसल मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली सरकार को सहयोगी पार्टियों ने ही झटका दे दिया है।

राज्य में 6 अक्टूबर को होने वाले विधानसभा उपचुनावों से पहले सीपीआई और सीपीएम ने अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। उपचुनाव में वामपंथियों का साथ छूटने के बाद अब विधानसभा में भी टीवीके की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक आगामी उपचुनावों में सीपीआई धारापुरम सीट से और सीपीएम मदुरंतकम सीट से अपने उम्मीदवार उतारेगी। दोनों दलों ने साफ कर दिया है कि वे टीवीके के नेतृत्व वाले किसी चुनावी गठबंधन का हिस्सा नहीं हैं। यही नहीं सीपीएम के बड़े नेता पी षणमुगम के बयान ने भी विजय की नींदें उड़ा दी हैं। षणमुगम ने एक इंटरव्यू में कहा है कि विजय की सरकार को पूरे 5 साल समर्थन मिलेगा या नहीं, यह विजय सरकार की नीतियों, उनके फैसलों और लोगों के प्रति उनके रवैये पर निर्भर करेगा।

तो गिर जाएगी सरकार?

फिलहाल वामपंथी दलों ने सरकार से समर्थन वापस नहीं लिया है। हालांकि उन्होंने अपनी राहें जरूर अलग कर ली हैं। अब धारापुरम और मदुरंतकम में होने वाले उपचुनाव के नतीजों पर निगाहें हैं। नतीजे तय कर देंगे कि थलपति विजय का जादू वाकई कायम है या फिर तमिलनाडु में उनकी कुर्सी पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

बैठकों से बनाई दूरी

इससे पहले मुख्यमत्री विजय ने गठबंधन को मजबूत करने के उद्देश्य से 9 सितंबर को एक अहम बुलाई थी। हालांकि वामपंथियों ने इस बैठक का बहिष्कार कर दिया। सीपीएम के शनमुगम ने कहा कि बैठक में टीवीके नया गठबंधन बनाना चाहती थी इसीलिए उनकी पार्टी यहां नहीं पहुंची। वहीं सीपीआई ने कहा कि वह बाहर से भले ही विजय की सरकार को समर्थन दे रही हो, लेकिन फिलहाल किसी चुनावी गठबंधन में शामिल नहीं होगी।

विजय से इसलिए नाराज हैं लेफ्ट पार्टियां

रिपोर्ट्स के मुताबिक विजय को भावी प्रधानमंत्री के रूप में प्रोजेक्ट किए जाने से सहयोगी दल सहज नहीं हैं। इसके अलावा यूनिवर्सिटीज में राजनीतिक गतिविधियों और छात्र विरोध प्रदर्शनों पर आए विजय सरकार के आदेश से वामपंथी बेहद नाराज हैं। बता दें कि टीवीके ने बीते दिनों एक आदेश जारी कर छात्रों के कॉकरोच जनता पार्टी जैसे किसी प्रोटेस्ट में हिस्सा लेने पर पाबंदी जताई थी। हालांकि विवाद बढ़ने के बाद इस सर्कुलर को वापस ले लिया गया। इस बीच गुजिलीअम्पराई में एक तहसीलदार द्वारा कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्यों का डेटा जुटाने की खबरों ने आग में घी डालने का काम किया है। विजय के फिल्मी अंदाज को लेकर भी वामपंथी खफा हैं। रोज-रोज विधानसभा में नाटकीय बहसबाजी के बाद लेफ्ट का आरोप है कि विजय के नेतृत्व में विधानसभा अखाड़ा बनती जा रही है और लोगों के असल मद्दे दरकिनार हो रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने किया स्पष्ट

रामदास आठवले ने गरबा में मुस्लिमों की एंट्री रोकने की मांग की खारिज

मुरादाबाद, एजेंसी

केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने नवरात्र के दौरान गरबा कार्यक्रमों में मुस्लिमों की भागीदारी रोकने की मांग को खारिज किया है।

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में पत्रकारों से बात करते हुए आठवले ने कहा कि गरबा सभी के लिए है। इसे हिंदू और मुस्लिम के बीच का मामला नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे के उस बयान से भी असहमति जताई, जिसमें गरबा में मुस्लिमों के प्रवेश पर रोक लगाने की मांग का समर्थन किया गया था ।रामदास आठवले ने कहा कि नवरात्रि हिंदुओं का त्योहार है, लेकिन गरबा में शामिल होने की इच्छा रखने वाले मुस्लिम युवक-युवतियों को पहले कभी नहीं रोका गया। उन्होंने कहा कि देश का संविधान लोगों में आपसी प्यार, अच्छे रिश्ते और भाईचारा बढ़ाने की बात करता है। आठवले का यह बयान नितेश राणे के हालिया बयान के जवाब में आया है। राणे ने हिंदू संगठनों की इस मांग का समर्थन किया था।

भाईचारा ही देश के लिए बेहतर

रामदास आठवले ने ऐसी बातों का समर्थन नहीं किया। उन्होंने कहा कि जैसे अजमेर दरगाह पर कई बार मुस्लिमों से ज्यादा हिंदू जाते हैं, वैसे ही किसी को गरबा में जाने से रोकने की कोई वजह नहीं है। उनका कहना था कि अलग-अलग समुदायों के लोगों के बीच मेलजोल और भाईचारा ही देश के लिए बेहतर है। आठवले ने नई दिल्ली में हुए 2026 के ब्रिक्स सम्मेलन को भी सफल बताया। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में रखे गए प्रस्तावों को सभी सदस्य देशों का समर्थन मिला। इनमें सीमा पार से होने वाले आतंकवाद की निंदा वाला प्रस्ताव भी शामिल था। आठवले ने कहा कि पाकिस्तान की ओर से पर्यटकों पर हुए हमले की निंदा करने वाले प्रस्ताव का चीन, रूस, संयुक्त अरब अमीरात, युगांडा और दूसरे देशों ने भी समर्थन किया। उन्होंने राहुल गांधी की ब्रिक्स के मेनु की बात को बेवजह बताया।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन पूरी तरह सफल

केंद्र की मोदी सरकार के समर्थन में पहली बार उतरे यशवंत सिन्हा

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों के कट्टर विरोधी पूर्व विदेश मंत्री यशवंत सिन्हा पहली बार उनकी सरकार के समर्थन में कूद पड़े हैं। उन्होंने भारत की अध्यक्षता में संपन्न हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को पूरी तरह से सफल बताया है और वो चीजें गिनाई हैं, जिसकी वजह से भारत का दुनिया भर में प्रभाव बढ़ा है। पूर्व विदेश मंत्री यशवंत सिन्हा पिछले करीब एक दशक से पीएम मोदी और उनकी सरकार की नीतियों के सबसे बड़े आलोचकों में शामिल रहे हैं। लेकिन, रविवार को झारखंड के हजारीबाग में उनसे न्यूज एजेंसी एएनआई ने जब भारत की अध्यक्षता में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन पर प्रतिक्रिया मांगी, तो वह इसकी सफलताएं गिनाने लग गए। हालांकि, चीन को लेकर उनका कहना है कि उसपर पूरी तरह से भरोसा नहीं किया जा सकता ।यशवंत सिन्हा ने कहा है कि 'इसे सफल (ब्रिक्स समिट) माना चाना चाहिए, क्योंकि इसमें जितने भी राष्ट्राध्यक्षों को निमंत्रण दिया गया था, वे सभी आए...बैठक पूरी तरह सफल रही।

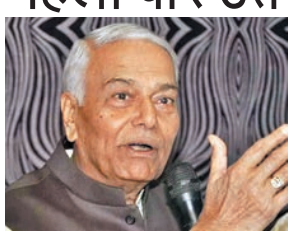

सभी बैठकों में भारत की भूमिका की सराहना

पूर्व विदेश और वित्तमंत्री का कहना है कि 'जब पिछले मई में दिल्ली में विदेश मंत्री मिले थे, तब आपसी मतभेदों की वजह से कोई ज्वाइंट डिक्लेरेशन नहीं जारी हो पाया था। लेकिन, इस बार लगता है कि अधिकारी ने बहुत ही कड़ी मेहनत की है और आखिकार सर्वसम्मति से एक साझा घोषणापत्र जारी किया गया.....।' उन्होंने सभी तरह की द्विपक्षीय बैठकों में भी भारत की भूमिका की जमकर सराहना की और चीन और पश्चिम एशिया में इसके रोल का जिक्र किया ।उन्होंने कहा कि जब ईरान पर इजरायल और अमेरिका ने हमला किया था, तो कहीं न कहीं भारत अलग-थलग नजर आया था।

तमिलनाडु में गहमागहमी

मंत्री निर्मल कुमार पर टिप्पणी को लेकर घिरे ए. राजा, डीएमके हुई नाराज

चेन्नई, एजेंसी

डीएमके के उप महासचिव ए. राजा की कानून मंत्री आर. निर्मल कुमार पर की गई तीखी व्यक्तिगत टिप्पणी को लेकर रविवार को पार्टी नेताओं ने कड़ी आपत्ति जताई।

विवाद बढ़ने के बाद राजा ने भी अपनी टिप्पणी पर खेद जताया और कहा कि उन्हें अपने शब्द वापस लेने में कोई हिचक नहीं है। विवाद की शुरुआत सात सितंबर को हुई, जब कुमार ने कहा था कि ऐसा कोई आधिकारिक रिकॉर्ड नहीं है, जिससे यह पता चले कि डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन को आपातकाल के दौरान कड़े मीसा कानून के तहत जेल भेजा गया था। इस बयान पर डीएमके ने विरोध जताया और राज्यव्यापी प्रदर्शन किया। डीएमके का प्रदर्शन मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय द्वारा करुणानिधि और स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके सरकारों के दौरान भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़े बयानों के विरोध में भी था। इसके अलावा, स्टालिन को 1976 में आंतरिक सुरक्षा कानून (मीसा) के तहत जेल भेजे जाने को लेकर मंत्री के बयान के खिलाफ भी प्रदर्शन किया गया।12 सितंबर को कुमार ने इस मुद्दे पर फिर बयान दिया। उन्होंने स्टालिन से आधिकारिक हिरासत आदेश की प्रति पेश करने की चुनौती दी और इस दावे पर सवाल उठाया कि आपातकाल के दौरान 1975 से 1977 के बीच उन्हें मीसा के तहत जेल भेजा गया था। कुमार ने कुछ दिन पहले कहा था कि तत्कालीन केंद्र की कांग्रेस सरकार की ओर से आपातकाल लगाए जाने के बाद इंदिरा गांधी के बारे में की गई टिप्पणियों के बाद स्टालिन को गिरफ्तार किया गया था।

नई सरकार नई कवायद

प. बंगाल में मार्क्स, लेनिन और हो ची मिन्ह नाम की सड़कों के नाम बदलेंगे

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल में कई सड़कों, पुलों और सार्वजनिक स्थानों के नाम बदलने की कवायद शुरू हो गई है।

राज्य सरकार की ओर से गठित 10 सदस्यीय कमेटी इन नामों को बदलने के प्रस्तावों की समीक्षा कर रही है। इसमें कोलकाता की तीन प्रमुख सड़कें लेनिन सरणी, कार्ल मार्क्स सरणी और हो ची मिन्ह सरणी भी शामिल हैं। भारत सेवाश्रम संघ के स्वामी प्रदीप्तानंद, जिन्हें कार्तिक महाराज के नाम से भी जाना जाता है, इस कमेटी की अध्यक्षता कर रहे हैं। कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के एक अधिकारी के मुताबिक, कमेटी की पहली बैठक दुर्गा पूजा के बाद होने की संभावना है। इसी बैठक में कोलकाता की सड़कों के नाम बदलने से जुड़े प्रस्तावों पर चर्चा हो सकती है। अधिकारी ने स्पष्ट किया कि फिलहाल किसी भी सड़क का नाम आधिकारिक तौर पर नहीं बदला गया है। नाम बदलने का फैसला कमेटी की सिफारिशों के आधार पर ही लिया जाएगा। कमेटी अलग-अलग प्रस्तावों की समीक्षा कर रही है। कार्तिक महाराज ने कहा कि समिति उन व्यक्तित्वों की प्रासंगिकता पर विचार करेगी, जिनके नाम पर सड़कें और सार्वजनिक स्थान हैं। इसमें भारतीय और बंगाली विरासत, संस्कृति और इतिहास को भी ध्यान में रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि हो ची मिन्ह सरणी, लेनिन सरणी और कार्ल मार्क्स सरणी के नाम बदलने के प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है। इसके अलावा कई अन्य सड़कों के नाम बदलने के प्रस्ताव भी समिति के सामने आए हैं।

लेनिन की प्रतिमा हटाने का भी प्रस्ताव

तथागत रॉय ने जवाहरलाल नेहरू रोड और सिद्धो-कान्हू डाहर के चौराहे पर लगी लेनिन की प्रतिमा हटाने का सुझाव भी दिया है। इसके साथ ही उन्होंने शहर की किसी महत्वपूर्ण सड़क का नाम सरदार वल्लभभाई पटेल के नाम पर रखने की बात कही है। लेनिन सरणी का पुराना नाम धर्मतला स्ट्रीट था। वर्ष 1970 में लेनिन की जन्म शताब्दी के अवसर पर इसका नाम बदला गया था। इसी तरह सर्कुलर गार्डन रीच रोड का नाम अगले साल यानी 1971 में कार्ल मार्क्स सरणी किया गया था।

मुस्लिम हस्तियों के नामों पर भी प्रस्ताव

रॉय ने कुछ ऐसे स्थानों के नाम बदलने का भी सुझाव दिया है, जो मुस्लिम हस्तियों के नाम पर हैं। उन्होंने इनके लिए उन मुस्लिम व्यक्तित्वों के नाम सुझाए, जिन्हें उन्होंने 'राष्ट्रवादी मुस्लिम' बताया। इनमें लेखक काजी अब्दुल वदूद, शिक्षाविद बेगम रुकैया और लेखक एस वाजेद अली के नाम शामिल हैं। उन्होंने कोलकाता के पास बारासात में तितुमीर के नाम वाले बस स्टैंड के लिए इन नामों में से किसी एक को विकल्प के तौर पर रखने का सुझाव दिया है।

नेशनल लोक अदालत में 2904 प्रकरणों का निराकरण, 8.66 करोड़ का अवार्ड पारित, 46 बिछड़े परिवार फिर मिले

जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री काशीनाथ सिंह ने किया शुभारंभ, जिले भर में 22 खंडपीठों का किया गया गठन

शहडोल। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शहडोल श्री काशीनाथ सिंह के कुशल मार्गदर्शन एवं अध्यक्षता तथा नोडल अधिकारी विशेष न्यायाधीश (एसटी/एससी एक्ट) श्रीमती दीपाली शर्मा की उपस्थिति में दिनांक 12 सितंबर 2026 को वर्ष की तृतीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय शहडोल एवं सिविल न्यायालय ब्यौहारी, बुढ़ार तथा जयसिंहनगर में किया गया।

जिला शहडोल में प्रकरणों के निराकरण हेतु कुल 22 न्यायिक खंडपीठों का गठन किया गया, जिसमें जिला न्यायालय शहडोल में 11 खंडपीठ, तहसील न्यायालय ब्यौहारी में 4 खंडपीठ, तहसील न्यायालय बुढ़ार में 4 खंडपीठ एवं तहसील न्यायालय जयसिंहनगर में 3 खंडपीठ गठित की गई।

नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री काशीनाथ सिंह द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर किया गया। इस दौरान उन्होंने नेशनल लोक अदालत से होने वाले लाभ के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि लोक अदालत में राजीनामा के माध्यम से प्रकरण समाप्त कराये जाने पर दोनों पक्षों की जीत होती है एवं उनका मुकदमा पूर्ण रूप से समाप्त हो जाता है, जिसकी अपील भी नहीं होती। इसके अलावा पक्षकारों द्वारा जमा किया गया वाद शुल्क भी वापस हो जाता है। पारिवारिक मामलों

में सुलह होने से कई परिवार टूटने से बच जाते हैं।

उन्होंने उपस्थित समस्त अधिवक्ताओं एवं आमजनों से आह्वान किया कि वे इस लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों का राजीनामा के माध्यम से निराकरण कराकर कार्यक्रम को सफल बनावें।

इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय श्री शशिभूषण शर्मा, जिला न्यायाधीश श्री विवेक शर्मा, श्री कमलेश कुमार कोल, श्री कृष्णपाल सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री राजेन्द्र सिंह सिंगार, न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री सीता शरण यादव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती श्वेता परते तिवारी, श्रीमती प्रीति सिंह बघेल, श्रीमती अदिति कुमार शर्मा, श्रीमती नूतन रावते, श्री अरविन्द मीणा, श्रीमती अभिसारिका माहूने, सुश्री मीमांक्षा दुबे, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री देवेन्द्र सिंह परस्ते, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष श्री राकेश सिंह बघेल, उपाध्यक्ष श्री सतीश पाठक, सचिव श्री अनिल तिवारी, अभियोजन अधिकारी श्रीमती कविता कैथवास, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री कुंजबिहारी द्विवेदी, समस्त लीगल एड डिफेंस काउंसिल्स, पैरालीगल वालेंटियर्स, न्यायालय एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जिला न्यायालय परिसर में विद्युत विभाग, नगरपालिका, राष्ट्रीयकृत बैंक, बी.एस.एन.एल. आदि विभागों के स्टॉल भी लगाये गये, जहाँ संबंधित विभागों के प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का मौके पर निराकरण किया गया।

46 बिछड़े परिवार फिर एक हुए-इस नेशनल लोक अदालत की सबसे बड़ी उपलब्धि रही कि उक्त लोक अदालत में राजीनामा के माध्यम से 46 पृथक-पृथक परिवार एक साथ अपना जीवन पुन: स्थापित करने हेतु सहमत हुए एवं उनके प्रकरणों का निराकरण किया गया। कुटुंब न्यायालय में बिछड़े पति-पत्नी को माला पहनाकर एक-दूसरे के साथ विदा किया गया, जिसका दृश्य देखकर सभी भावुक हो गए।

कुल 2904 प्रकरण निपटे

इस नेशनल लोक अदालत में कुल 752 लंबित प्रकरण एवं 2152 प्री-लिटिगेशन प्रकरण इस प्रकार कुल 2904 प्रकरणों का निराकरण हुआ, जिसमें कुल 8,66,30,442/- रुपये राशि का अवार्ड पारित हुआ। जिसमें से मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों के कुल 142 प्रकरण, चेक अनादरण के 85 प्रकरण, आपराधिक राजीनामा योग्य 268 प्रकरण, वैवाहिक विवाद के 46 प्रकरण, विद्युत विभाग के 106 लंबित एवं अन्य 2152 प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया गया।

30 सेवानिवृत्त शिक्षक -शिक्षिकाओं का हुआ सम्मान

रायसेन (नि.प्र.) नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा विभाग में लगातार अपनी सेवाएं देकर सेवानिवृत्त होने वाले 30 शिक्षक -शिक्षिकाओं का आज मप्र राज्य कर्मचारी संघ द्वारा सांदीपनि विद्यालय सभागार में समारोहपूर्वक सम्मानित किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तहसीलदार प्रमोद उइके, विशेष अतिथि नायब तहसीलदार विक्रम सिंह रहे जबकि अध्यक्षता प्राचार्य बीईओ राजेंदर श्रीवास्तव ने की. शिक्षक- शिक्षिकाओं में कोमल प्रसाद नायक, अनिल रावत, अमर सिंह राजपूत, श्रीमती मीना मिश्रा, सुनीता जैन, बहादुर सिंह ठाकुर, ओपी शर्मा, कमल जैन, मानसिंह लोधी, माया शाक्य, देवी सिंह जाट, लाल जी शर्मा, विजय प्रजापति, हरिशंकर गुप्ता, पुष्पा सोनी, छाया सोनी, एमएल बघेल, अरुण रैकवार, अंजुम आरा, बलराम हजारी, गुलाब राजपूत, रफिया बेगम, मोहनलाल कुशवाहा, राजेश कुमार पांडे, लाल साहब ठाकुर, रुक्मिणी देवी सोनी, मलखान, इंदर सिंह यादव, राजेश भोई इत्यादि का प्रशस्ति पत्र, शॉल, श्रीफल एवं पुष्प मालाओं से सम्मानित किया गया.
वहीं कार्यक्रम के अतिथियों तहसीलदार प्रमोद उइके, नायब तहसीलदार विक्रम सिंह, बीईओ राजेंद्र श्रीवास्तव, सुल्तानगंज प्राचार्य राकेश सोनी, अशोक शर्मा एवं मीडियाकर्मियों में सईद नादां एडवोकेट, हरि साहू, राजीव दुबे, राहुल अहिरवार, विशाल शिल्पकार का भी मप्र राज्य कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों के द्वारा शॉल श्रीफल, पुष्प मालाओं से सम्मानित किया गया.
कार्यक्रम को सेवानिवृत्त शिक्षक राजेंद्र पांडे ने संबोधन के साथ एक गीत प्रस्तुत किया एवं मानसिंह लोधी, अशोक शर्मा, राकेश सोनी, राजेंद्र श्रीवास्तव, विक्रम सिंह, प्रमोद उइके इत्यादि ने सभी पूर्व एवं वर्तमान शिक्षकों का शाब्दिक सम्मान करते हुए शिक्षकों की महिमा का बखान करते हुए नमन किया.

आपसी सहमति से अलग हुए सांसद हिमाद्री सिंह और नरेंद्र मरावी, न्यायालय ने विवाह विच्छेद की डिक्री को दी मंजूरी

शहडोल/अनूपपुर। शहडोल संसदीय क्षेत्र से भाजपा सांसद हिमाद्री सिंह और पूर्व भाजपा प्रत्याशी नरेंद्र सिंह मरावी के वैवाहिक जीवन से जुड़ा मामला अब न्यायालयीन प्रक्रिया के माध्यम से सौहार्दपूर्ण रूप से संपन्न हो गया है। अनूपपुर जिले के राजेंद्रग्राम स्थित जिला न्यायालय ने दोनों की पारस्परिक सहमति (Mutual Consent) के आधार पर हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 13-बी के तहत विवाह विच्छेद की डिक्री पारित कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों का विवाह 23 नवंबर 2017 को राजेंद्रग्राम में हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार सम्पन्न हुआ था। वैवाहिक जीवन में आपसी मतभेद उभरने के बाद दोनों 5 मई 2021 से अलग-अलग रह रहे थे। लंबे समय तक अलग रहने और आपसी बातचीत के बाद दोनों ने आपसी

सहमति से अलग होने का निर्णय लिया और न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया।

न्यायालय ने निभाई पूरी प्रक्रिया-नियमानुसार न्यायालय ने दोनों को अपने निर्णय पर पुनर्विचार करने के लिए 6 महीने का कूलिंग-ऑफ पीरियड दिया था। इस दौरान काउंसलिंग और सुलह के सभी प्रयास किए गए। 6 महीने की अवधि पूरी होने के बाद भी जब दोनों पक्षों ने साथ रहने में असमर्थता व्यक्त की, तो न्यायालय ने 3 सितंबर 2026 को अंतिम डिक्री को मंजूरी प्रदान कर दी।

सभी मुद्दों पर बनी सहमति

न्यायालय के समक्ष दोनों पक्षों ने स्पष्ट किया कि जेवरात, उपहारों और अन्य लेन-देन को लेकर उनके बीच कोई विवाद नहीं है। दोनों ने इस मामले को बेहद गरिमा और परिपक्वता के साथ सुलझाया है।

बेटी के भविष्य को लेकर भी दोनों में पूरी सहमति रही। जानकारी के अनुसार उनकी 5 वर्षीय बेटी गिरिशा सिंह (जन्म 20 जून 2019) की पूरी कस्टडी सांसद हिमाद्री सिंह के पास रहेगी। सांसद ने न्यायालय को अवगत कराया कि वे अपनी बेटी के पालन-पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य से जुड़े सभी खर्चों की जिम्मेदारी स्वयं उठाएंगी और उन्होंने अपने या बेटी के लिए किसी भी प्रकार का गुजारा भत्ता (Alimony) लेने से इनकार किया है।

यह पूरा मामला आपसी सम्मान और समझदारी का उदाहरण माना जा रहा है। अक्सर वैवाहिक विवादों में लंबी कानूनी लड़ाई देखने को मिलती है, लेकिन इस मामले में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करते हुए शांतिपूर्ण तरीके से अलग होने का फैसला किया।

पर्यावरण संरक्षण की मिसाल बना नेमुहा, माटी के गणेश में दिखा हुनर

माटी गणेश-सिद्ध गणेश अभियान के तहत प्रतियोगिता आयोजित, हीना-आराधना रही प्रथम, विजेताओं को जिला समन्वयक ने किया सम्मानित

बुढार विकास खंड के ग्राम पंचायत चन्नोंडी के अदिवासी बाहुल्य ग्राम नेमुहा मे एक विशेष प्रशिक्षण एवं प्रतीयोगिता का आयोजन किया गया गणेश उत्सव के दौरान बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण को रोकने और लोगों को इको-फ्रेंडली उत्सव मनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा पूरे प्रदेश में माटी गणेश-सिद्ध गणेश अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत विकासखंड बुढार के ग्राम पंचायत चन्नौड़ी के आदिवासी बाहुल्य ग्राम नेमुहा में एक विशेष प्रशिक्षण एवं प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं प्रशिक्षक के रूप में जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पांडे विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं और युवतियों को प्राकृतिक चिकनी माटी से गणेश प्रतिमा बनाने की बारीकियां सिखाईं।

श्री पांडे ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज बाजार में बिक रही अधिकांश गणेश प्रतिमाएं प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) और केमिकल युक्त जहरीले रंगों से बनाई जाती हैं। जब इन मूर्तियों का नदी, तालाब और बांधों में विसर्जन किया जाता है तो पीओपी पानी में घुलता नहीं है, बल्कि महीनों तक पानी में पड़ा रहता है। इससे जल प्रदूषण फैलता है, पानी जहरीला हो जाता है और मछलियों सहित अन्य जलीय जीवों की मौत हो जाती है। इसके साथ ही केमिकल रंग पानी को दूषित कर देते हैं।

इसके विपरीत माटी से बनी गणेश प्रतिमा पूरी तरह से इको-फ्रेंडली होती है। यह विसर्जन के कुछ ही मिनटों में पानी में पूरी तरह घुल जाती है और मिट्टी बन जाती है। इससे न तो जल प्रदूषित होता है और न ही पर्यावरण को कोई नुकसान पहुंचता है। माटी के गणेश पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ हमारी संस्कृति और परंपरा से भी जुड़े हुए हैं।

उन्होंने सभी ग्रामीणों से अपील की कि इस वर्ष गणेश चतुर्थी पर वे बाजार से पीओपी की मूर्ति लाने की बजाय अपने घर में ही माटी के गणेश बनाएं और स्थापित करें। इस दौरान सभी ने माटी के गणेश-सिद्ध गणेश, हर घर गणेश का जय घोष करते हुए संकल्प भी लिया

प्रशिक्षण के बाद मौके पर ही माटी गणेश निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में गांव की महिलाओं, युवतियों और स्कूली छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सभी ने अपने हाथों से एक से बढ़कर एक सुंदर और आकर्षक गणेश प्रतिमाएं तैयार कीं। निर्णायक मंडल ने बारीकी से प्रतिमाओं का अवलोकन किया।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पांडे द्वारा पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहा - प्रथम पुरस्कार संयुक्त रूप से हीना बैगा और आराधना बैगा को प्राप्त हुआ। उनकी बनाई गई गणेश प्रतिमा में कलात्मकता और सुंदरता का अद्भुत संगम देखने को मिला। द्वितीय पुरस्कार रूही बेगम और मीनू जैन को दिया गया। तृतीय पुरस्कार सविता प्रधान और शिवानी डीमर ने प्राप्त किया, जबकि चतुर्थ पुरस्कार दुर्गा यादव को प्रदान किया गया।

पुरस्कार मिलते ही विजेताओं के चेहरे खुशी से खिल उठे और पूरे गांव में हर्ष का माहौल छा गया।

इस अवसर पर नवांकुर संस्था श्री बजरंग ग्राम विकास समिति के अध्यक्ष मोहम्मद हनीफ, सचिव सुरेश मिश्रा, श्रीमती मीनू जैन, प्रस्फुटन समिति से अभिलाष चतुर्वेदी, दीपेश शर्मा, अखिलेश सिंह, बाबूलाल यादव, सुधीर मिश्रा, सागर तिवारी, श्रीमती रूही बेगम, राहुल नामदेव, बंटू मिश्रा, राजेश तिवारी, गोलू चतुर्वेदी सहित बड़ी संख्या में नवांकुर सखी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल को बांधा रक्षा सूत्र

- हाथीडोल गांव में रक्षाबंधन महोत्सव
- बच्चों ने मंत्री के साथ खिंचवाई तस्वीरें

रायसेन (नि.प्र.) रक्षाबंधन महोत्सव के अवसर पर उदयपुरा विधानसभा क्षेत्र के हाथीडोल गांव में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम में सैकड़ों आदिवासी बहनों ने प्रदेश के लोक

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल को रक्षा सूत्र बांधकर रक्षाबंधन का पर्व मनाया. बहनों ने मंत्री को राखी बांधकर उनके स्वस्थ और सुखी जीवन की कामना की. रक्षा सूत्र बंधवाने के बाद मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने बहनों को उपहार स्वरूप साड़ियां भेंट कीं. उन्होंने कहा कि बहनों का स्नेह और आशीर्वाद उनके लिए महत्वपूर्ण है. उन्होंने कहा कि भाई के रूप में वे हमेशा बहनों की सेवा और सहयोग के लिए उपलब्ध रहेंगे. आदिवासी समाज के बालक-बालिकाओं में भी खासा उत्साह नजर आया. बच्चों ने मंत्री के साथ तस्वीरें खिंचवाईं. मंत्री के साथ फोटो खिंचवाने को लेकर बच्चे काफी उत्साहित और प्रसन्न नजर आए.

दो दिन से किसान गायब

बेगमगंज, 13 सितंबर .नगर की स्टेट बैंक कॉलोनी में निवासरत एक किसान पिछले दो दिन से लापता हैं. जिनकी गुमशुदगी परिजनों द्वारा दर्ज कराए जाने के बाद से पुलिस सरगर्मी से उनकी तलाश में जुट गई है. ? पुलिस सूत्रों के अनुसार ग्राम सांवली निवासी 50 वर्षीय प्रमोद राय अपने परिवार के साथ स्टेट बैंक कॉलोनी में मकान बनाकर निवासरत हैं. कल शनिवार को बेगमगंज वाले घर से अपना मोबाइल छोड़कर अचानक कहीं चले गए.

जीवन को बनाएं मंगलमूर्ति, दंगल से रहें दूर - वेद प्रचार सप्ताह में गूंजा वैदिक संदेश

मंगल ग्रह पर जीवन खोजने से पहले अपने जीवन में मंगल खोजें - आचार्य डॉ. अजय आर्य

दुर्ग। आर्य समाज सेक्टर-6 भिलाई द्वारा आयोजित वेद प्रचार सप्ताह के अंतर्गत हवन-यज्ञ एवं सत्संग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वैदिक मंत्रों के साथ जीवन को प्रेम, आनंद, सत्य, श्रद्धा और विश्वास से जोड़ने का संदेश दिया गया। आचार्य डॉ. अजय आर्य ने जीवन को बनाएं मंगलमूर्ति विषय पर प्रवचन देते हुए कहा कि आज मनुष्य मंगल ग्रह पर जीवन खोज रहा है, जबकि आवश्यकता इस बात की है कि पहले अपने जीवन को मंगलमय बनाया जाए।

उन्होंने कहा कि मंगल ग्रह पर जीवन खोजने से पहले अपने जीवन में मंगल खोजिए।% दुनिया के वैज्ञानिक मंगल पर पानी और जीवन के संकेत खोज रहे हैं, लेकिन मनुष्य को अपने भीतर प्रेम, करुणा, शांति और सद्भाव खोजने की आवश्यकता है। दुर्भाग्य यह है कि मंगल ग्रह पर जीवन की संभावना तलाशने वाला मनुष्य पृथ्वी पर रहते हुए शत्रुता की विरासत एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को सौंप रहा है।

आचार्य डॉ. अजय आर्य ने व्यंग्य करते हुए कहा कि आज आदमी पड़ोसी से इसलिए नाराज है कि उसकी गाड़ी मेरी गाड़ी से बड़ी क्यों है, रिश्तेदार से इसलिए परेशान है कि उसकी सफलता मुझसे ज्यादा क्यों है और कभी-कभी तो परिवार में दंगल का कारण इतना छोटा होता है कि बाद में खुद समझ नहीं आता कि लड़ाई शुरू किस बात पर हुई थी। उन्होंने कहा कि जिस घर में हर छोटी बात पर दंगल हो, वहां मंगल की कल्पना कैसे की जा सकती है?

उन्होंने कहा कि जीवन आनंद का नाम है, प्रेम का नाम है, श्रद्धा का नाम है, विश्वास का नाम है, सत्य का नाम है और प्रकाश का नाम है। यदि मनुष्य के भीतर द्वेष और अहंकार बढ़ता जाए तो सुख-सुविधाओं से भरा जीवन भी अशांत हो जाता है। इसलिए वेद का प्रकाश हमें अपने जीवन और व्यवहार में उतारने की आवश्यकता है।

परिवार के संबंधों को समझाते हुए उन्होंने एक रोचक ज्वाइंट अकाउंट का प्रसंग सुनाया। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति बैंक में गया और बोला - मुझे ज्वाइंट अकाउंट खुलवाना है। मैनेजर ने पूछा - किसके साथ वह बोला - जिसके अकाउंट में सबसे ज्यादा पैसा हो, उसी के साथ खोल दीजिए। यह सुनकर मैनेजर को गुस्सा आया, लेकिन श्रोताओं को हंसी।

आचार्य डॉ. अजय आर्य ने कहा कि जीवन का असली ज्वाइंट अकाउंट पैसे से नहीं, मन से खुलता है। जिसके साथ हमारे मन, बुद्धि, विचार और उद्देश्य जुड़ते हैं, उसके साथ जीवन का वास्तविक संबंध बनता है। उन्होंने कहा कि यदि परमात्मा के साथ अपना ज्वाइंट अकाउंट खोलना है तो अपने विचार और कर्म भी उसके अनुरूप करने होंगे। केवल मंदिर, पूजा या प्रार्थना तक संबंध सीमित रखने से काम नहीं चलेगा; सत्य, सेवा, सदाचार और परोपकार को जीवन का हिस्सा बनाना होगा।

उन्होंने कहा कि आनंद का अकाउंट भी अजीब होता है। इसमें पैसा जमा करने से नहीं, बल्कि आनंदित और सकारात्मक लोगों के साथ रहने से ब्याज बढ़ता है। इसके विपरीत यदि व्यक्ति हर समय शिकायत, क्रोध और नकारात्मकता के साथ रहने वालों की संगति करता है तो जीवन का मानसिक बैलेंस लगातार कम होता जाता है।

आचार्य डॉ. अजय आर्य ने मनुस्मृति के संदर्भ में स्त्री सम्मान पर भी विचार रखते हुए कहा कि आजकल कई लोग मनुस्मृति पढ़े बिना ही मनुस्मृति पर बोलने लगते हैं। उन्होंने कहा कि %मनुस्मृति नहीं पढ़ने वाले लोग ही आजकल मनुस्मृति पर ज्यादा बोल रहे हैं। उन्होंने मनुस्मृति के उस प्रसिद्ध संदेश का उल्लेख किया जिसमें कहा गया है कि जिन परिवारों में स्त्रियों का सम्मान होता है, वहां देवताओं का निवास माना जाता है।

उन्होंने कहा कि स्त्री सम्मान केवल शब्दों का विषय नहीं, बल्कि घर के संस्कारों की वास्तविक परीक्षा है। जिस परिवार में माता, पत्नी, बहन और पुत्री को सम्मान, सुरक्षा और गरिमा मिलती है, वही परिवार वास्तव में संस्कारित परिवार है। उन्होंने कहा कि जिस घर में सम्मान के स्थान पर अपमान और प्रेम के स्थान पर विवाद हो, वहां वैभव होने के बाद भी मंगल नहीं हो सकता।

वैदिक पारिवारिक जीवन की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि वेद ऐसी पारिवारिक व्यवस्था की कल्पना करता है, जहां पिता-पुत्र के विचारों में सद्भाव हो, संतान माता-पिता के प्रति सम्मान रखे और पति-पत्नी एक-दूसरे के लिए शांति, सहयोग और मधुर वचनों का आधार बनें। उन्होंने कहा कि ऐसा परिवार ही धरती पर स्वर्ग का निर्माण करता है।

उन्होंने एक छोटी-सी कहानी के माध्यम से समझाया कि एक परिवार में दो भाई हमेशा छोटी-छोटी बातों पर झगड़ते थे। एक दिन घर के बुजुर्ग ने दोनों को एक-एक लकड़ी देकर तोड़ने को कहा। दोनों ने आसानी से तोड़ दी। फिर लकड़ियों का गट्ठर बनाकर कहा कि इसे तोड़ो। दोनों बहुत प्रयास के बाद भी नहीं तोड़ सके। बुजुर्ग ने कहा - अलग-अलग रहोगे तो छोटी-सी ताकत भी तुम्हें तोड़ देगी, साथ रहोगे तो बड़ी ताकत भी तुम्हें आसानी से नहीं तोड़ पाएगी।% आचार्य ने कहा कि परिवार और समाज की शक्ति भी इसी एकता, प्रेम और परस्पर विश्वास में है।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से पधारे अमरेश आर्य ने ईश्वर भक्ति एवं वैदिक चिंतन से जुड़े भजनों की प्रस्तुति दी। उनके भजनों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। सुभाष आर्य ने भी सत्संग-संगत को भजनों के माध्यम से आध्यात्मिक संदेश दिया। आचार्य अंकित शर्मा शास्त्री ने विधिवत हवन-यज्ञ संपन्न कराया।

हवन-यज्ञ में आलोक श्रीवास्तव, सुंदर श्रीवास्तव एवं संध्या श्रीवास्तव यजमान रहे। कार्यक्रम में रवि आर्य, अवनी भूषण पुरंग, वसंत आर्य, प्रीति भट्ट, श्रीमती कमलेश आर्य, श्रीमती दया ग्रोवर, रुचि गुलाटी, यतींद्र एवं सोनिया पुरंग, राकेश एवं श्वेता शर्मा, सुषमा झाम, शुच्ची लीखा, परमवीर भल्ला, रीता भल्ला, संजीव भल्ला, श्री एवं श्रीमती सरपाल, नीतू देवांगन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।

कार्यक्रम में यह संदेश प्रमुखता से उभरा कि वेद प्रचार का अर्थ केवल वेद पढ़ना नहीं, बल्कि वेद के प्रकाश में जीवन को बदलना है। यदि घर में प्रेम है तो घर मंदिर बन सकता है, यदि व्यवहार में सत्य है तो समाज मजबूत हो सकता है और यदि मन में परोपकार है तो जीवन स्वयं मंगलमूर्ति बन सकता है।

आचार्य डॉ. अजय आर्य ने कहा कि मनुष्य को जीवन में हर समय दंगल नहीं, मंगल की तलाश करनी चाहिए। मंगलमूर्ति बनने के लिए चेहरे पर मुस्कान, मन में श्रद्धा, विचारों में सत्य, व्यवहार में प्रेम और कर्मों में परोपकार होना चाहिए। यही वैदिक जीवन का सार है और यही वेद प्रचार का वास्तविक उद्देश्य भी है।

कड़े मुकाबले में बेन शेल्टन को दी मात

जर्मन खिलाड़ी अलेंक्जेंडर ज्वेरेव ने यूएस ओपन खिताब किया अपने नाम

न्यूयॉर्क, एजेंसी

यूएस ओपन 2026 का खिताब अलेंक्जेंडर ज्वेरेव ने अपने नाम कर लिया है। फाइनल मुकाबले में 29 साल के चैंपियन जर्मन खिलाड़ी ने अमेरिकी प्रतिद्वंद्वी बेन शेल्टन के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया।

कड़े मुकाबले में ज्वेरेव ने 23 साल के अमेरिकी युवा को चार सेट तक चले मुकाबले में 6-3, 7-6 (7-2), 5-7, 6-2 से मात दी। पहला सेट हारने के बाद शेल्टन ने वापसी का पूरा प्रयास किया और दोनों के बीच दूसरा सेट टाइब्रेकर तक खिंचा। तीसरे सेट में शेल्टन ने ज्वेरेव को चौंकाया और उन्होंने अपने घरेलू स्टेडियम (न्यूयॉर्क) पर करियर का पहला ग्रैंड स्लैम फाइनल जीतने की उम्मीदें बरकरार रखीं। हालांकि, चौथे और अंतिम सेट में ज्वेरेव ने शेल्टन को चारों खाने चित्त करते हुए करियर का दूसरा ग्रैंड स्लैम अपने नाम किया। न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले के बाद 23 वर्षीय शेल्टन ने बड़ी संख्या में आकर समर्थन करने वाले प्रशंसकों का आभार भी प्रकट किया। फाइनल मुकाबले में जीत हासिल करने से महरूम रहे ज्वेरेव भावुक भी दिखे। उन्होंने समर्थकों का जिक्र करते हुए अपने माता-पिता से पहले ड्राइवर का जिक्र किया।

चैंपियन बनने वाले खिलाड़ी ज्वेरेव के माता-पिता इरिना ज्वेरेवा और अलेक्जेंडर ज्वेरेव सीनियर भी टेनिस खिलाड़ी रहे, दोनों ने सोवियत संघ का प्रतिनिधित्व किया था। बड़े भाई मिशा भी पेशेवर टेनिस खिलाड़ी थे। एक सत्र में 23 मुकाबले जीतकर हमवतन बोरिस बेकर का रिकॉर्ड 36 साल बाद तोड़ने वाले ज्वेरेव ने सेमीफाइनल में रूस के खिलाड़ी कैरेन अबगारोविच को हराया था।

शेल्टन ने दिया बेहतरीन खेल भावना का परिचय

बेहतरीन खेल भावना का परिचय देते हुए ज्वेरेव ने अमेरिकी युवा शेल्टन से कहा, 'अगर मुझे इस बात पर अपना सारा पैसा दांव पर लगाना हो, तो मैं शर्त लगाऊंगा कि आप एक दिन यह ट्रॉफी जरूर जीतेंगे।' इसी साल जून में फ्लेवियो कोबोली को हराकर पहला ग्रैंड स्लैम खिताब- फ्रेंच ओपन जीतने वाले ज्वेरेव जुलाई में विंबलडन का फाइनल मुकाबला यानिक सिनर से हार गए थे। अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की उम्मीद के साथ अमेरिकी टेनिस कोर्ट पर उतरे बेन शेल्टन ने यूएस ओपन के सेमीफाइनल में फ्रांसिस टियाफो को पहला सेट हारने के बावजूद 6-4, 3-6, 3-6, 5-7 से हराया था।

बचपन की बीमारी के साथ हर चुनौती को हराया

दूसरी बार ग्रैंड स्लैम चैंपियन बनने वाले जर्मन खिलाड़ी ज्वेरेव ने भी समर्थकों का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने चार साल की आयु में पता लगी बीमारी का जिक्र करते हुए कहा, डॉक्टरों ने एक ऐसी बीमारी से पीड़ित बताया था, जिसके कारण टेनिस खेलना लगभग असंभव था, लेकिन उनके माता-पिता ने इस कठिन समय में पूरी हिम्मत के साथ उनका साथ दिया। बकौल ज्वेरेव, 'कभी हार न मानने का जज्बा रखने वाली उनकी मां सबसे मजबूत महिला है, जिसे वे जानते हैं।' उन्होंने अपने बेटे के भविष्य को लेकर कहा कि 'बेटा जो भी करियर चुनना चाहे, वो अपनी पसंद का खेल चुनने का फैसला भी कर सकता है।'

ट्रॉफी के साथ दिलों को भी जीता

अमेरिकी प्रतिद्वंद्वी बेन शेल्टन के चमकदार भविष्य का जिक्र करते हुए ज्वेरेव ने कहा, आज यानी 2026 में भले ही ग्रैंड स्लैम चैंपियन बनने पर यूएस ओपन की ट्रॉफी मेरे पास है, लेकिन वे इस बात पर पूरी पुरस्कार राशि की बाजी लगाने और गारंटी देने को तैयार हैं, कि आने वाले समय में एक दिन आप भी यूएस ओपन चैंपियन बनेंगे।

8वीं बार एशियन चैंपियन बनी भारतीय महिला टीम पर हुई नोटों की बारिश

नई दिल्ली, एजेंसी

दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए महिला एशिया कप 2026 के ग्रैंड फाइनल मुकाबले में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एकतरफा प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को 72 रनों के भारी अंतर से हरा दिया।

इस शानदार जीत के साथ ही भारत ने रिकॉर्ड 8वीं बार महिला एशिया कप का खिताब अपने नाम कर अपनी बादशाहत साबित कर दी है। पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए खिताबी जीत दर्ज करने वाली भारतीय टीम को इस खिताबी जीत के लिए मोटी इनामी राशि भी मिलने जा रही है।हालांकि एशियन क्रिकेट काउंसिल ने इस बार नई इनामी राशि का आधिकारिक ऐलान अलग से नहीं किया है, लेकिन पिछले सीजन के तय ढांचे के अनुसार ही पुरस्कार राशि दिए जाने की पूरी संभावना है। 8वीं बार चैंपियन बनने के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम को लगभग 25,000 अमरीकी डॉलर यानी कि 21 लाख रुपये की इनामी राशि मिलेगी। वहीं फाइनल मुकाबला गंवाने वाली श्रीलंका महिला टीम को रनर-अप के रूप में लगभग 15,000 अमरीकी डॉलर यानी कि 12.5 लाख रुपये मिलेंगे।

हरमनप्रीत कौर ने तोड़ा मिताली राज का रिकॉर्ड

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस खिताबी जीत के साथ ही एक नया इतिहास रच दिया है। बतौर कप्तान हरमनप्रीत कौर का यह चौथा एशिया कप खिताब है। उन्होंने भारत की पूर्व महान कप्तान मिताली राज को पीछे छोड़ दिया है, जिन्होंने अपनी कप्तानी में भारत को 3 बार (2005, 2006, 2008) एशिया कप चैंपियन बनाया था। भारतीय टीम इससे पहले 2004, 2005, 2006, 2008, 2012, 2016 और 2022 में चैंपियन बन चुकी है। वहीं, 2018 में बांग्लादेश और 2024 में श्रीलंका ने यह खिताब जीता था। अब 2026 में भारत ने एक बार फिर ट्रॉफी पर अपना अधिकार जमा लिया है।

श्रीलंका से हिसाब चुकता किया

भारतीय महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को हराकर आठवीं बार एशिया कप का खिताब अपने नाम कर लिया। भारत ने दुबई में खेले गए इस मुकाबले में श्रीलंका को 72 रनों से हराया। भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही और ग्रुप चरण से लेकर फाइनल तक टीम ने दमदार प्रदर्शन किया। भारत ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 183 रन बनाए। भारत के लिए शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने शानदार बल्लेबाजी की और अर्धशतक जड़े। जवाब में श्रीलंका की टीम 20 ओवर में 111 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत ने इस तरह श्रीलंका से पुराना हिसाब भी चुकता कर लिया है।

आईसीसी का एक्शन

अनुशासन तोड़ने पर तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ पर लगा जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए महिला एशिया कप के खिताबी मुकाबले और सेमीफाइनल मैच के दौरान अनुशासनात्मक नियमों का उल्लंघन करने पर अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कड़ा रुख अपनाया है। आईसीसी ने भारतीय महिला टीम की तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ पर वित्तीय जुर्माना लगाया है वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान की पूरी टीम पर भी धीमी ओवर गति के कारण जुर्माना ठोका गया है। श्रीलंका के खिलाफ फाइनल मैच में 23 साल की भारतीय गेंदबाज क्रांति गौड़ को आईसीसी की आचार संहिता का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया। क्रांति को खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के लिए बनाए गए आईसीसी के लेवल-1 के अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना और 1 अनुशासनात्मक डिमेरिट पॉइंट की सजा दी गई है। यह नियम आउट होकर लौट रहे बल्लेबाज के प्रति ऐसी आक्रामक प्रतिक्रिया या इशारे को रोकता है, जिससे सामने वाला खिलाड़ी भड़क सकता है। यह विवादित घटना श्रीलंका की पारी के पहले ही ओवर में घटी। जब क्रांति ने श्रीलंकाई ओपनिंग बल्लेबाज इमेशा दुलानी को आउट करने के बाद उन्हें पवेलियन की तरफ जाने का इशारा किया।

पाकिस्तान की टीम पर भी जुर्माना...

दूसरी ओर, टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मुकाबले में श्रीलंका के हाथों हारकर बाहर हुई पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम पर भी आईसीसी ने गाज गिराई है। कप्तान फातिमा सना की अगुवाई वाली पाकिस्तानी टीम को निर्धारित समय सीमा के भीतर एक ओवर कम फेंकने का दोषी पाया गया। इसके चलते आईसीसी के अनुच्छेद 2.22 के तहत पूरी पाकिस्तानी टीम के खिलाड़ियों पर उनकी मैच फीस का 5 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में महामुकाबला

2023 की करारी हार के बाद फिर भारत आएगी पाकिस्तानी हॉकी टीम

मोहाली, एजेंसी

भारत की मेजबानी में अगले महीने हॉकी एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन होगा। 27 अक्टूबर से इसकी शुरुआत होगी और 5 नवंबर तक खेला जाएगा।

पंजाब के जलंधर और मोहाली के पास टूर्नामेंट की मेजबानी है। इस टूर्नामेंट में 6 टीमें हिस्सा ले रही हैं और इसमें एक टीम पाकिस्तान की भी है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने यह जानकारी दी। भगवंत मान ने केंद्र सरकार की उस नीति का हवाला दिया जिसके तहत मल्टी नेशनल टूर्नामेंट में इन दोनों देशों को भारतीय धरती पर खेलने की अनुमति दी जाती है। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत, पाकिस्तान, चीन, जापान, मलेशिया और कोरिया भाग लेंगे। अगर कोई टीम टूर्नामेंट से हटती है तो उसकी जगह ओमान या बांग्लादेश को दी जाएगी।

पाकिस्तान ने पिछले साल तमिलनाडु में खेले गए जूनियर हॉकी विश्व कप से अपना नाम वापस ले लिया था। उसने इसका कारण ऑपरेशन सिंदूर के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ना बताया था। 2023 में भारत की मेजबानी में ही एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन किया गया था। तब भारत ने पाकिस्तान को फाइनल में 4-0 हराकर खिताब जीता था। भारत के खिलाफ पाकिस्तान को हॉकी में जीत हासिल किए 10 साल से ज्यादा का समय हो गया है।

भारत के पास टूर्नामेंट की 5 ट्रॉफी

भारत दो बार का डिफेंडिंग चैंपियन होने के बाद से एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का सबसे सफल देश भी है। 2011 में इसकी शुरुआत हुई थी और भारत के पास कुल 5 ट्रॉफी हैं। वहीं पाकिस्तान ने तीन बार खिताब अपने नाम किया है। 2018 में भारत और पाकिस्तान की टीम ज्वाइंट विनर थी।

व्यापार

त्योहारी मांग के बावजूद सुधार

सरकारी उपायों से चीनी की कीमतें काबू में, 60 रुपए से नीचे भाव

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकारी उपायों की एक शृंखला के बाद सोमवार को लगातार चौथे दिन अखिल भारतीय चीनी का औसत खुदरा मूल्य 60 रुपये प्रति किलोग्राम से नीचे रहा। यह स्थिति तब बनी है जब त्योहारी मांग के कारण कुछ क्षेत्रों में चीनी की कीमतों पर दबाव देखा जा रहा है।

उपभोक्ता मामले मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, चीनी की कीमतें शुक्रवार को 60 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर से नीचे गिर गई थीं। इसके बाद पिछले तीन दिनों में इनमें और कमी आई है, जिससे उपभोक्ताओं को राहत मिली है। सोमवार को औसत खुदरा चीनी मूल्य 59.57 रुपये प्रति किलोग्राम दर्ज किया गया। यह पिछले दिन के 58.99 रुपये प्रति किलोग्राम से मामूली अधिक था। हालांकि, यह 21 अगस्त को दर्ज 58.23 रुपये प्रति किलोग्राम से अभी भी अधिक है। उस दिन केंद्र सरकार ने पहली बार चीनी आयात की अनुमति दी थी। सरकार ने चीनी की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए कई अन्य महत्वपूर्ण कदम भी उठाए थे।

मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, सोमवार को अधिकतम खुदरा मूल्य 85 रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर रहा। वहीं, न्यूनतम मूल्य 40 रुपये प्रति किलोग्राम दर्ज किया गया। इन आंकड़ों से पता चलता है कि सरकार के हस्तक्षेप से कीमतों में स्थिरता बनी हुई है। सरकार ने थोक उपयोगकर्ताओं और डीलरों के लिए स्टॉक होल्डिंग नियमों को भी सख्त किया था। इन कदमों का उद्देश्य बाजार में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना था।

चीनी की मौजूदा कीमतें

सोमवार को अखिल भारतीय औसत खुदरा चीनी मूल्य 59.57 रुपये प्रति किलोग्राम रहा। यह पिछले दिन के 58.99 रुपये प्रति किलोग्राम से थोड़ा बढ़ा है। चीनी की कीमतें शुक्रवार को 60 रुपये प्रति किलोग्राम से नीचे आ गई थीं। इसके बाद पिछले तीन दिनों में इनमें और कमी आई है। उपभोक्ता मामले मंत्रालय के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। 21 अगस्त को जब केंद्र ने चीनी आयात की अनुमति दी थी, तब औसत खुदरा मूल्य 58.23 रुपये प्रति किलोग्राम था। मौजूदा मूल्य उस स्तर से अधिक है। अधिकतम खुदरा मूल्य 85 रुपये प्रति किलोग्राम पर बना हुआ है। वहीं, न्यूनतम खुदरा मूल्य 40 रुपये प्रति किलोग्राम दर्ज किया गया। यह दर्शाता है कि कीमतों में एक निश्चित सीमा बनी हुई है।

राज्यों में कीमतों का यह हाल

दक्षिणी राज्यों में खुदरा कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया। आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में कीमतें बढ़ीं। वहीं, तमिलनाडु और केरल में मामूली गिरावट दर्ज की गई। आंध्र प्रदेश में सोमवार को औसत खुदरा मूल्य बढ़कर 55.56 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया। यह 21 अगस्त को 49.58 रुपये प्रति किलोग्राम था। केरल में भी इसी अवधि में मूल्य 56.75 रुपये से बढ़कर 57.8 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया।

चीनी उत्पादक राज्यों में कीमतें कम

प्रमुख चीनी उत्पादक राज्यों में कीमतें कम हुईं। महाराष्ट्र में औसत खुदरा मूल्य 59 रुपये से घटकर 58.22 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया। उत्तर प्रदेश में यह 21 अगस्त को 59.64 रुपये से घटकर 57.88 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया। अन्य राज्यों में मध्य प्रदेश में तेज गिरावट देखी गई। वहां कीमतें 62.36 रुपये से घटकर 56.57 रुपये प्रति किलोग्राम हो गईं। पश्चिम बंगाल में मामूली गिरावट के साथ मूल्य 60.95 रुपये से 60.43 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया।

निर्यातकों और आयातकों को मिलेगी राहत

वाणिज्य मंत्रालय ला रहा 'फेसलेस' व्यापार सुविधा प्रणाली

नई दिल्ली, एजेंसी

निर्यातकों और आयातकों के लिए कारोबार को आसान बनाने की दिशा में वाणिज्य मंत्रालय ने एक बड़ा कदम उठाया है। महानिदेशालय विदेश व्यापार (डीजीएफटी) में एक केंद्रीय प्रसंस्करण विभाग (सीपीडी) स्थापित करने का निर्णय लिया गया है।

यह विभाग 'फेसलेस' व्यापार सुविधा प्रणाली को लागू करेगा। इस पहल से व्यापार से संबंधित आवेदनों का निपटान तेजी से होगा। डीजीएफटी के एक कार्यालय ज्ञापन के अनुसार, केंद्रीय प्रसंस्करण विभाग व्यापार से जुड़े आवेदनों के प्रसंस्करण के लिए एक केंद्रीय इकाई के रूप में कार्य करेगा। यह विभाग दिल्ली के केंद्रीय लाइसेंसिंग क्षेत्र में स्थित होगा। सरकार की योजना है कि इस प्रणाली को अक्तूबर 2026 के दूसरे पखवाड़े में राष्ट्र को समर्पित किया जाए। 'फेसलेस' व्यापार सुविधा सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य व्यापार से संबंधित आवेदनों का फेसलेस, पेपरलेस और अधिकार क्षेत्र-मुक्त प्रसंस्करण सुनिश्चित करना है। इससे प्रसंस्करण समय में कमी आएगी। साथ ही, पारदर्शिता में वृद्धि होगी। यह निर्यातकों और आयातकों के लिए कारोबार करने में आसानी को बेहतर बनाएगा।

यह है 'फेसलेस' व्यापार सुविधा प्रणाली

यह प्रणाली व्यापार से संबंधित आवेदनों को बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के संसाधित करने की सुविधा देगी। इसका मतलब है कि आवेदकों को किसी अधिकारी से व्यक्तिगत रूप से मिलने की आवश्यकता नहीं होगी। सभी प्रक्रियाएं डिजिटल माध्यम से पूरी की जाएंगी। यह प्रणाली कागजी कार्रवाई को पूरी तरह से समाप्त कर देगी। इससे आवेदनों का निपटान अधिक कुशलता से हो पाएगा। यह सुनिश्चित करेगा कि व्यापारिक गतिविधियां बिना किसी बाधा के चलें।

व्यापारियों को यह लाभ मिलेगा

इस नई प्रणाली से निर्यातकों और आयातकों को कई महत्वपूर्ण लाभ मिलेंगे। सबसे पहले, आवेदनों के प्रसंस्करण में लगने वाला समय काफी कम हो जाएगा। इससे व्यापारिक लेनदेन में तेजी आएगी। दूसरा, पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी, जिससे भ्रष्टाचार की संभावना कम होगी। तीसरा, यह कारोबार करने में आसानी (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) को बढ़ावा देगा। व्यापारियों को अब विभिन्न कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। यह पहल भारत को वैश्विक व्यापार में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाएगी।

नए विभाग में अधिकारी तैनात होंगे

इस नए केंद्रीय प्रसंस्करण विभाग के लिए अधिकारियों की तैनाती भी की गई है। दिल्ली और क्षेत्रीय केंद्रों से कुल 53 डीजीएफटी अधिकारियों को इस विभाग में स्थानांतरित या तैनात किया गया है। इनमें पांच संयुक्त डीजीएफटी अधिकारी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, 10 उप डीजीएफटी और सात सहायक डीजीएफटी अधिकारी भी इस विभाग का हिस्सा होंगे। यह सुनिश्चित करेगा कि विभाग के पास पर्याप्त मानव संसाधन हो।

उज्बेकिस्तान से बढ़ रहा सहयोग

2047 तक देश की परमाणु ऊर्जा क्षमता को 100 गीगावाट तक पहुंचाने का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत परमाणु ऊर्जा क्षमता को तेजी से बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। सरकार ने साल 2047 तक देश की परमाणु ऊर्जा क्षमता को 100 गीगावाट (जीडब्ल्यू) तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इस महत्वाकांक्षी योजना के बीच भारत के सामने एक बड़ी चुनौती परमाणु रिएक्टरों के लिए जरूरी ईंधन यानी यूरेनियम की पर्याप्त और लगातार उपलब्धता सुनिश्चित करना है। इसी वजह से भारत अब दुनिया के प्रमुख यूरेनियम उत्पादक देशों के साथ दीर्घकालिक सप्लाई समझौते करने के साथ-साथ विदेशों में यूरेनियम खदानों में सीधे निवेश के विकल्प भी तलाश रहा है। उज्बेकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, कजाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका भारत की इस रणनीति में अहम भूमिका निभा

सकते हैं। भारत में इस समय 24 परमाणु रिएक्टर संचालित हो रहे हैं, जिनकी कुल क्षमता करीब 8.78 जीडब्ल्यू है। सरकार ने 2025-26 के बजट में न्यूक्लियर एनर्जी मिशन की घोषणा करते हुए साल 2047 तक परमाणु ऊर्जा क्षमता को 100 जीडब्ल्यू करने का लक्ष्य रखा है। उद्योग के मुताबिक 100 जीडब्ल्यू क्षमता वाले परमाणु बेड़े को हर साल करीब 18000-20000 टन प्राकृतिक यूरेनियम की जरूरत हो सकती है। यह मौजूदा वैश्विक यूरेनियम खनन उत्पादन का करीब एक-तिहाई हिस्सा हो सकता है।

मुक्त व्यापार समझौता

यूरोप के बाजार में भारतीय कारों को मिलेगा कम शुल्क का फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और यूरोपीय संघ के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते यानी एफटीए में भारतीय कारों के लिए यूरोपीय बाजार का रास्ता आसान करने का प्रावधान किया गया है।

समझौते के मसौदे के अनुसार, पहले साल भारत में बनी 2.5 लाख यात्री कारों को यूरोपीय संघ के बाजार में 8 प्रतिशत रियायती शुल्क पर प्रवेश मिलेगा। यह संख्या धीरे-धीरे बढ़कर समझौते के 10वें साल से 4 लाख वाहन सालाना हो जाएगी। खास बात यह है कि इन कारों पर लगने वाला शुल्क भी चरणबद्ध तरीके से घटाया जाएगा और पांचवें साल से शून्य हो जाएगा। पहले साल 2.5 लाख भारतीय कारों को रियायती शुल्क पर यूरोपीय बाजार में प्रवेश मिलेगा। यह व्यवस्था भारतीय मूल की आंतरिक दहन इंजन यानी आईसीई कारों और हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहनों यानी एचईवी के लिए है। हालांकि, इसके लिए कार की सीआईएफ कीमत 50 हजार यूरो तक होनी चाहिए। सीआईएफ कीमत में वाहन की वास्तविक खरीद कीमत के साथ उसे यूरोपीय संघ के बंदरगाह तक पहुंचाने का माल ढुलाई खर्च और बीमा शामिल होता है। इस तय कोटे के भीतर आने वाली कारों पर पहले साल 8 प्रतिशत शुल्क लगेगा।

शुल्क 8 प्रतिशत से शून्य तक ऐसे पहुंचेगा

भारतीय कारों के लिए शुल्क में एक साथ कटौती नहीं होगी। इसे धीरे-धीरे कम किया जाएगा। समझौता लागू होने के पहले साल शुल्क 8 प्रतिशत रहेगा। दूसरे साल यह घटकर 6 प्रतिशत हो जाएगा। तीसरे साल 4 प्रतिशत और चौथे साल 2 प्रतिशत रह जाएगा। पांचवें साल से यह शुल्क पूरी तरह शून्य हो जाएगा। यानी तय कोटे के भीतर आने वाली पात्र भारतीय कारों को पांचवें साल से यूरोपीय बाजार में बिना आयात शुल्क के प्रवेश मिलेगा।

10 साल में 4 लाख कारें यूरोप भेजी जा सकेंगी

रियायती शुल्क के साथ कारों की संख्या भी धीरे-धीरे बढ़ाई जाएगी। पहले साल 2.5 लाख वाहनों से शुरुआत होगी। इसके बाद हर साल कोटा बढ़ता जाएगा और 10वें साल से यह 4 लाख वाहन सालाना हो जाएगा। इसका मतलब है कि समझौते के शुरुआती वर्षों की तुलना में भारतीय कारों के लिए यूरोपीय बाजार तक पहुंच काफी बढ़ सकती है। हालांकि, तय कोटे से ज्यादा वाहनों पर सामान्य एमएफएन यानी सबसे पसंदीदा देश वाला शुल्क लागू होगा।

तत्काल पासपोर्ट योजना, अब 1 से 3 दिन में मिलेगा पासपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

अचानक से किसी जरूरी काम से आपको विदेश जाना है और पासपोर्ट नहीं है तो अब घबराने की जरूरत नहीं है। सरकार एक नई योजना लाई है, जिसका नाम है तत्काल पासपोर्ट योजना है। इसके जरिए आपको 3 दिन के अंदर ही पासपोर्ट मिल जाएगा। तो आइए जानते हैं कि आप कैसे इस योजना का लाभ उठा सकते हैं और कितने दिनों में आप पासपोर्ट मिल सकता है। तत्काल पासपोर्ट योजना के जरिए अब आपको महज 1 से 3 दिन में पासपोर्ट मिल सकता है। आप इस योजना का लाभ तब ले सकते हैं, जब आपको अचानक किसी इमरजेंसी की वजह से विदेश जाना पड़े। देखा जाए तो सामान्य पासपोर्ट बनवाने में टाइम ज्यादा और फीस कम लगती है, लेकिन अगर आप तत्काल पासपोर्ट बनवाते हैं, तो ?2000 तक का अंतर फीस में देखने को मिल सकता है। इमरजेंसी पासपोर्ट बनवाने के लिए आपके पास सही दस्तावेज होना बहुत जरूरी है, वरना लास्ट मोमेंट पर आपकी एप्लीकेशन रिजेक्ट भी हो सकती है। इसके लिए आप नीचे दिए गए सारे दस्तावेज अपने पास तैयार रखें: आधार कार्ड या वोटर आईडी कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और पैन कार्ड, बैंक पासबुक, जन्म प्रमाण पत्र, बिजली का बिल और पासपोर्ट साइज फोटो।

डीजीपी-आयुक्त से शिकायत के बाद टीटी नगर पुलिस ने दर्ज किया जालसाजी का केस

भोपाल (नगर संवाददाता)

पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना और पुलिस आयुक्त संजय कुमार से शिकायत के बाद टीटी नगर पुलिस ने अजाक्स से जुड़े जालसाजी और गबन के मामले में आखिरकार प्रकरण दर्ज कर लिया। आरोप है कि निजी संस्था को सरकारी बताकर अजाक्स की सदस्यता ली गई और संस्था की करीब 18 लाख रुपए की राशि का हिसाब नहीं दिया पुलिस ने मुरैना निवासी मुकेश मौर्य को आरोपी बनाया है। आरोप है कि वे ग्वालियर स्थित निजी संस्था माधव इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस का संचालन करते हैं। उन्होंने संस्था को शासकीय बताकर अजाक्स की सदस्यता ली और स्वयं को मशीन अटेंडेंट बताया था। मामला जेएन कंसोटिया के प्रदेश अध्यक्ष रहते सामने आया था। जांच में 17.95 लाख रुपए की वसूली राशि का हिसाब नहीं देने की बात सामने आई। इसमें अजाक्स कर्मचारियों से विभिन्न आयोजनों के लिए वसूले गए 12.94 लाख रुपए से अधिक शामिल हैं। कई नोटिस और बैठक के बाद जुलाई 2023 में उन्हें संस्था से निष्कासित कर दिया गया था। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी विजय कुमार पाठक की अदालत ने पुलिस को कार्रवाई कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश दिए थे।

ऑनलाइन रेल टिकट बुकिंग में बना नया रिकॉर्ड

एक दिन में 20 लाख से अधिक टिकट की बुकिंग

भोपाल (नगर संवाददाता)

भारतीय रेल की ऑनलाइन टिकट बुकिंग व्यवस्था को अधिक सक्षम, सुरक्षित एवं यात्री-अनुकूल बनाने के लिए आईआरसीटीसी के तकनीकी उन्नयन के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। पश्चिम मध्य रेल के सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि नए तकनीकी सिस्टम से रेल्वे ने 7 सितंबर को एक दिन में भोपाल समेत पूरे देश में 20,06,353 टिकटों की ऐतिहासिक रिकॉर्ड बुकिंग दर्ज की। यह अब तक की सबसे अधिक एकदिवसीय टिकट बुकिंग है। यह उपलब्धि मुख्य रूप से त्योहारी सीजन में अग्रिम आरक्षण पीरियड के अंतर्गत बढ़ी मांग के कारण दर्ज हुई है। इसके अगले दिन 08 सितंबर को भी भी बेहतर नेट सिस्टम ने 19,50,699 टिकटों की बुकिंग सफलतापूर्वक संभाली।

बता दे पिछले वर्ष त्योहारी सीजन में 19 अगस्त 2025 को एक दिन में सर्वाधिक 18,40,203 टिकट बुक किए गए थे। इस प्रकार वर्तमान रिकॉर्ड पिछले वर्ष के रिकॉर्ड से भी उल्लेखनीय रूप से अधिक है।

नई तकनीक से सुरक्षित एवं बेहतर बुकिंग अनुभव–बता दे कि आईआरसीटीसी ने नई तकनीक लागू की गई है। इस तकनीक के माध्यम से हाल के महीनों में संदिग्ध ट्रैफिक में 55 से 65 प्रतिशत तक कमी लाई गई है। वहीं सीडीएन के उपयोग से नेट सिस्टम पर लोड कम हुआ है।

तकनीकी उन्नयन से बढ़ी सिस्टम क्षमता

उन्होंने बताया कि रेल टिकट बुकिंग प्रणाली की क्षमता बढ़ाने के लिए नेट सिस्टम में सर्वर क्षमता का व्यापक विस्तार किया है। पुराने सर्वरों के स्थान पर नए सर्वर लगाए जाने से पूरे सिस्टम की क्षमता लगभग दोगुनी हुई है। इसके साथ ही सॉफ्टवेयर ऑप्टिमाइजेशन एवं आर्किटेक्चर में सुधार के माध्यम से भी सिस्टम की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। कटारिया ने बताया कि आईआरसीटीसी ने 15 जुलाई से नई यूजर इंटरफेस शुरू किया था। नए इंटरफेस में यात्रियों के लिए टिकट बुकिंग प्रक्रिया को अधिक सरल एवं सुविधाजनक बनाया गया है। विभिन्न श्रेणियों जैसे स्लीपर, एसी 3 एवं ऐसी 2 की उपलब्धता को एक ही स्क्रीन पर देखने की सुविधा दी गई है, जिससे यात्री आसानी से विकल्पों की तुलना कर सकें और शीघ्र निर्णय ले सकें।

सख्तीः फर्जी आईडी से होटल में ठहरना अब नहीं होगा आसान

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी के होटलों में फर्जी पहचान-पत्र के जरिए ठहरने वाले अपराधियों और संदिग्धों पर अब पुलिस तकनीक के जरिए नजर रखेगी। भोपाल पुलिस होटल मेहमानों की आईडी का रियल टाइम ऑनलाइन सत्यापन करने की व्यवस्था लागू करने जा रही है। जाली या छेड़छाड़ वाले दस्तावेज मिलते ही एआई आधारित प्रणाली पुलिस को तत्काल अलर्ट देगी। पुलिस आयुक्त संजय कुमार के अनुसार निजी सॉफ्टवेयर कंपनी के सहयोग से कॉमन डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार किया जा रहा है। इसका पायलट प्रोजेक्ट एमपी नगर थाना क्षेत्र से शुरू होगा। होटल संचालक चेक-इन के समय अतिथि का पहचान-पत्र पोर्टल पर अपलोड करेंगे। मेहमानों के आने-जाने की जानकारी पुलिस को ऑनलाइन उपलब्ध रहेगी। एआई और सत्यापन उपकरण दस्तावेजों की जांच कर संदिग्ध आईडी को चिन्हित करेंगे। इसके बाद संबंधित थाना और पुलिस कंट्रोल रूम को स्वतः सूचना मिलेगी। पुलिस के अनुसार फर्जी दस्तावेजों के जरिए होटल में ठहरने के मामलों को देखते हुए यह व्यवस्था जरूरी हुई है।

फर्जी आईएएस तृप्ति पर तीसरा केस नौकरी के नाम पर लिए थे तीन लाख

भोपाल (नगर संवाददाता)

फर्जी आईएएस तृप्ति सिंह राजपूत पर अब बागसेवनिया थाने में तीसरा मामला दर्ज हुआ है। एमपीपीएससी की तैयारी कर रही युवती ने शिकायत की है कि तृप्ति ने उसे मानव संसाधन विकास मंत्रालय में स्थायी प्रतिनिधि पद पर नौकरी लगवाने का भरोसा दिया था। इसके लिए उससे 3 लाख रुपए लिए गए। नौकरी नहीं लगी तो रकम वापस मांगने पर तृप्ति ने टालमटोल की और बाद में पूरी रकम लौटा दी। पुलिस ने तृप्ति और उसके एक साथी मोबाइल नंबर धारक के खिलाफ धोखाधड़ी, प्रतिरूपण और फर्जी दस्तावेज से जुड़ी धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, जहांगीराबाद निवासी ख्याति धौलपुरे ने बताया कि उसकी तृप्ति से जून 2024 में मुलाकात हुई थी। तृप्ति ने खुद को नरोन्हा एकेडमी में एचओडी बताया और सरकारी नौकरी लगवाने का भरोसा दिया।

ख्याति ने जुलाई 2024 में अलग-अलग तारीखों पर ऑनलाइन करीब 1.50 लाख रुपए दिए और इतनी ही रकम नकद देने का आरोप है। शिकायत के मुताबिक रकम लेने के बाद तृप्ति ने ख्याति को नौकरी की ट्रेनिंग का हिस्सा बताकर भोपाल के ट्राइबल म्यूजियम ले गई। वहां पौधरोपण कराया, भाषण दिलवाया और वीडियो बनवाए। दस्तावेज सत्यापन के नाम पर तृप्ति ने उसे एक मोबाइल नंबर दिया। मार्च 2026 में इसी नंबर से फोन आया और कॉल करने वाले ने खुद को एसपी ऑफिस भोपाल से बताया। कुछ समय बाद तृप्ति ने उसे एमपीएक्स में इंटर्नशिप करने की सलाह दी और पीएम बनवाकर सैलरी मिलने का भरोसा भी दिया। समय बीतने के बाद जब ख्याति ने नौकरी को लेकर सवाल किए तो तृप्ति ने उसके नाम का जॉइनिंग लेटर दिखाया, जिस पर एलबीएसएनएए की सील लगी थी। जनवरी 2026 में मसूरी से ट्रेनिंग संबंधी एक और ई-मेल भेजा गया और ट्रेनिंग की तारीख बताई गई। निर्धारित तारीख निकलने के बाद ख्याति ने रकम वापस मांगी।

प्रसूता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, जांच शुरू

भोपाल। गुनगा थाना क्षेत्र स्थित गांव रोडिया में रहने वाली 24 साल की महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। प्रसव पीड़ा होने के कारण उसे हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां उसने एक बच्ची को जन्म दिया। बच्ची की कुछ समय बात ही मौत हो गई। पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। अंशु यादव पति वीरेंद्र यादव (24) गांव रोडिया, गुनगा में रहती थी। गत 9 सितंबर को उसे प्रसव पीड़ा होने के बाद परिजन हमीदिया लेकर पहुंचे थे। हमीदिया अस्पताल में उसने एक बच्ची को जन्म दिया। बच्ची कमजोर थी और बच्ची की कुछ समय बात ही मौत हो गई। प्रसव के बाद अंशु यादव की स्थिति भी ठीक नहीं थी। लिहाजा उसका इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान रविवार सुबह अंशु की भी मौत हो गई।

बीयू कुलगुरु के लिए एक दर्जन से अधिक नाम छांटे

इंटरेक्शन के बाद बनेगा चार से पांच नामों का पैनल

भोपाल (नगर संवाददाता)

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय को अक्टूबर के पहले सप्ताह में नया कुलगुरु मिलने की संभावना है। सर्च कम स्क्रूटनी कमेटी ने करीब 62 आवेदकों के दस्तावेजों की जांच के बाद 13 से 14 नाम शॉर्टलिस्ट किए हैं। सूत्रों के मुताबिक चयनित उम्मीदवारों को सितंबर के अंतिम सप्ताह में कमेटी के समक्ष इंटरेक्शन और प्रेजेंटेशन के लिए बुलाया जाएगा। इसके बाद चार से पांच नामों का पैनल कुलाधिपति एवं राज्यपाल मंगुभाई पटेल को सौंपा जाएगा। हाल के दिनों में कुलगुरुओं की नियुक्ति के पैटर्न को देखते हुए राज्यपाल से इंटरेक्शन के बाद नए कुलगुरु के नाम की घोषणा जल्द होने की संभावना है।

लोकभवन की ओर से गठित तीन सदस्यीय सर्च कमेटी में पूर्व कुलगुरु प्रो. टीआर थापक, पूर्व कुलपति डॉ. प्रकाश सी. बरतुनिया और हैदराबाद की एक यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति प्रो. ई. सुरेश शामिल हैं। कमेटी ने निर्धारित योग्यता के साथ आवेदकों के शैक्षणिक और प्रशासनिक अनुभव के आधार पर नाम शॉर्टलिस्ट किए हैं। चयनित उम्मीदवार इंटरेक्शन राउंड में विश्वविद्यालय के विकास को लेकर अपना विजन, कार्ययोजना और प्रस्तावित नवाचार बताएंगे। वे कमेटी के सामने इसका प्रेजेंटेशन भी देंगे।

बीयू के कुलसचिव सहित तीन की दावेदारी, पूर्व कुलगुरु दौड़ से बाहर

कुलगुरु पद के लिए बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव प्रो. एसबी सिंह, विधि विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. मोना पुरोहित और कॉमर्स विभाग के प्रो. सुरेश खटीक ने आवेदन कर अपनी दावेदारी पेश की है। बीयू के पूर्व कुलगुरु प्रो. एसके जैन ने भी आवेदन किया था, लेकिन सूत्रों के अनुसार वे इस दौड़ से बाहर हो गए हैं। इसके अलावा प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों में कुलगुरु रह चुके सीनियर प्रोफेसरों और प्रदेश के बाहर के शिक्षाविदों ने भी आवेदन किए हैं।

अब ऑनलाइन होगा कर्मचारियों का सेवा रिकॉर्ड, 30 की डेडलाइन

30 सितंबर तक सभी विभागों को ई-एचआरएमएस और डीई पोर्टल अपनाने के निर्देश

भोपाल (नगर संवाददाता)

प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों के मानव संसाधन प्रबंधन और विभागीय जांच प्रकरणों के ऑनलाइन प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाने के लिए राज्य शासन ने ई-एचआरएमएस और डीई पोर्टल को सभी विभागों में लागू करने का निर्णय लिया है। इन पोर्टलों के माध्यम से संबंधित प्रक्रियाओं के एंड-टू-एंड ऑनलाइन वर्कफ्लो की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। दोनों पोर्टल आईएफएमआईएस, स्पैरो सहित अन्य कर्मचारी-संबंधी पोर्टलों के साथ एकीकृत हैं। सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभागों को इन पोर्टलों को अपनाने के निर्देश दिए हैं।

प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभागवार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने और पोर्टलों की प्रगति की नियमित निगरानी करने के लिए भी कहा गया है। विभागों के साथ-साथ उनके अधीनस्थ क्षेत्रीय कार्यालयों में भी इनका उपयोग सुनिश्चित करने की अपेक्षा की गई है। संबंधित विभागों को 30 सितंबर तक आवश्यक कार्रवाई पूरी करनी होगी। ई-एचआरएमएस के लागू होने से कर्मचारियों के नियुक्ति से लेकर सेवानिवृत्ति तक के संपूर्ण सेवा-जीवन चक्र का एकीकृत और सुव्यवस्थित डिजिटल प्रबंधन संभव होगा। अवकाश, भ्रमण, विभिन्न सूचनाओं और सेवा-संबंधी अनुमतियों के निराकरण में समय और कार्यभार कम होगा। इससे निर्णय प्रक्रिया अधिक तेज और पारदर्शी होने की उम्मीद है। इसके अलावा पदोन्नति, परिवीक्षाधीन अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सेवा की पुष्टि तथा अन्य स्थापना संबंधी मामलों के समयबद्ध निराकरण में भी सुविधा मिलेगी।

स्थानांतरण, पदस्थापना और विभिन्न संवर्गों के प्रबंधन से जुड़े कार्यों को भी अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित तरीके से संचालित किया जा सकेगा।

विभागीय जांच की ऑनलाइन ट्रैकिंग

डीई पोर्टल के जरिए विभागीय जांच प्रकरणों के पंजीयन से लेकर अंतिम निर्णय तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन की जाएगी। इससे जांच प्रकरणों की स्थिति की निगरानी और ट्रैकिंग प्रभावी ढंग से हो सकेगी। शासन का उद्देश्य विभागीय जांच की प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ाने के साथ ही प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण को सुनिश्चित करना है।

कर्मचारियों को मिलेगा समेकित डिजिटल प्रोफाइल

प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी को अपनी सेवा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी एक ही डिजिटल प्रोफाइल में उपलब्ध होगी। इसमें सेवा-वृत्त, जीपीएफ की शेष राशि, वेतन पर्ची, अवकाश विवरण सहित अन्य आवश्यक सेवा संबंधी जानकारियां शामिल होंगी। इससे कर्मचारियों को अपनी सेवा संबंधी जानकारी आसानी से उपलब्ध हो सकेगी और विभागीय कार्यों में भी पारदर्शिता बढ़ेगी। ई-एचआरएमएस के माध्यम से वार्षिक गोपनीय प्रतिवेदन (एसीआर/एपीएआर) के प्रबंधन और अनुश्रवण की प्रक्रिया को भी अधिक सुव्यवस्थित किया जाएगा। इससे संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रतिवेदन की प्रक्रिया की ऑनलाइन निगरानी संभव होगी।

मऊगंज, मैहर पांढुर्णा व निवाड़ी में आसानी से बनेंगे जाति प्रमाण पत्र

■ चार नए जिलों में आरक्षण की उलझन सुलझी

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश के नवगठित चार जिलों मऊगंज, मैहर, पांढुर्णा और निवाड़ी में जाति प्रमाण पत्र बनवाने को लेकर आ रही अड़चन दूर हो गई है। सरकार ने इन जिलों में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) की श्रेणी में शामिल जातियों को स्पष्ट कर दिया है। इससे संबंधित लोगों को प्रमाण पत्र बनवाने के साथ ही आरक्षण और सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने का रास्ता आसान होगा।

मऊगंज-मैहर में कुम्हार और पनिका को मान्यता–रीवा, सतना, छतरपुर, पन्ना, शहडोल, सीधी, टीकमगढ़ और दतिया समेत कई जिलों में कुम्हार, कुम्हार (प्रजापति) और कुंभार जाति एससी वर्ग में अधिसूचित है। अब मऊगंज और मैहर में भी इन्हें एससी श्रेणी में शामिल किया गया है। इसी तरह पनिका जाति को मऊगंज, मैहर और निवाड़ी में एसटी वर्ग में मान्यता दी गई है।

पांढुर्णा में पारधी सहित नौ जनजातियां एसटी में–पांढुर्णा जिले में पारधी, बहेलिया, बहेल्लिया, चिता पारधी, लंगोली पारधी, फांस पारधी, शिकारी, टाकनकार और टाकिया को एसटी श्रेणी में रखा गया है। ये सभी जातियां पहले से छिंदवाड़ा जिले में एसटी वर्ग में शामिल थीं। जिले के विभाजन के बाद प्रमाण पत्र बनाने में आ रही दिक्कत दूर हो गई है।

भोपाल में 45 की मंजूरी अटकी, कटनी में सबसे ज्यादा 275 मामले लंबित

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में मध्यप्रदेश के 723 भूमिहीन परिवार, जमीन के बिना कैसे बनें घर

भोपाल (नगर संवाददाता)

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) में भूमिहीन परिवारों को जमीन देने के बाद भी सभी को पक्के घर की मंजूरी नहीं मिल पाई है। भूमिहीनों की सूची में शामिल प्रदेश के करीब 723 परिवारों को न तो जमीन मिली है और ना ही आवास। जबकि 46,378 भूमिहीन लाभार्थियों में 45,655 के आवास स्वीकृत हो चुके हैं।

यदि राजधानी भोपाल की बात की जाय तो कुल भूमिहीन लाभार्थियों में करीब 47 फीसदी के आवास अभी स्वीकृत नहीं हुए हैं। यहां 96 भूमिहीन लाभार्थियों में 45 की मंजूरी बाकी है। जिससे जमीन की व्यवस्था के बाद भी आवास योजना का अगला चरण आगे नहीं बढ़ पाया है। इसके साथ ही कटनी 275, नर्मदापुरम 110, खंडवा 86 और जबलपुर 54 प्रकरण लंबित मिलें हैं। जबकि योजना का उद्देश्य ऐसे परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराना है,

भूमिहीनों की संख्या वाले प्रमुख जिले व मंजूरी ज्यादा

जिला	कुल भूमिहीन	मंजूर	मंजूरी बाकी
कटनी	656	381	275
नर्मदापुरम	327	217	110
खंडवा	399	313	86
नरसिंहपुर	436	361	75
जबलपुर	24,667	24,613	54
भोपाल	96	51	45
सागर	924	912	12
हरदा	149	138	11
खरगोन	219	208	11

एक नजर में

कुल भूमिहीन लाभार्थी : 46,378
आवास मंजूर : 45,655
मंजूरी बाकी : 723

45,655 को मिल चुकी है मंजूरी

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के आंकड़ों की मानें तो राज्य में भूमिहीन लाभार्थियों की कुल संख्या 46,378 है। इनमें 45,655 को आवास की मंजूरी मिल चुकी है। जानकारी के अनुसार 13,532 भूमिहीन लाभार्थियों में से 13,498 को जमीन आवंटित या खरीदकर उपलब्ध कराई गई।

अच्छी खबर : 7,500 से ज्यादा मेधावी विद्यार्थियों को मिलेगी ई-स्कूटी

■ मुख्यमंत्री 16 सितंबर को करेंगे वितरण

भोपाल (नगर संवाददाता)

प्रदेश के शासकीय स्कूलों में कक्षा 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 7,500 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 16 सितंबर को ई-स्कूटी की सौगात देंगे। राज्य स्तरीय वितरण कार्यक्रम सुबह 10 बजे शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शिवाजी नगर, भोपाल में आयोजित होगा। मुख्यमंत्री स्कूटी योजना के तहत मिलने वाली इस सुविधा से विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के दौरान कॉलेज आने-जाने में सहूलियत होगी। योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों को पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करना है। इसका लाभ स्कूल शिक्षा एवं जनजातीय कार्य विभाग के शासकीय हायर सेकंडरी स्कूलों में नियमित रूप से अध्ययनरत विद्यार्थियों को दिया जाता है। सभी संकायों के विद्यार्थी इसके पात्र हैं। इसके लिए कक्षा 12वीं में प्रथम प्रयास में न्यूनतम 70 प्रतिशत अंक के साथ संबंधित स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त करना जरूरी है।

23 हजार से ज्यादा विद्यार्थी लाभान्वित

शिक्षण सत्र 2025-26 के लिए प्रदेश के 7,500 से अधिक पात्र विद्यार्थियों को ई-स्कूटी दी जाएगी। योजना के तहत अब तक प्रदेश के 23 हजार से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित हो चुके हैं। सरकार इस योजना पर अब तक करीब 246 करोड़ रुपए खर्च कर चुकी है।

मनुआभान टेकरी में चाकू की नोक पर की थी वारदात

लूट के पांच आरोपी गिरफ्तार 6 लाख रुपए का माल बरामद

भोपाल (नगर संवाददाता)

मनुआभान टेकरी में महिला दोस्त के साथ घूमने पहुंचे युवक से लूट करने वाले पांच आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूट का माल और घटना में प्रयुक्त छुरी और एक्टिवा वाहन बरामद किया है।

कोहेफिजा थाना पुलिस के मुताबिक 10 सितंबर की रात करीब साढ़े 8 बजे हर्ष शर्मा (28) महिला दोस्त के साथ मनुआभान टेकरी स्थित टावर ऑफ गार्डन रेस्टोरेंट के पीछे टंकी के पास बैठा था। इसी दौरान कुछ युवक वहां पहुंचे। एक आरोपी ने हर्ष से उसका मोबाइल छीनने का प्रयास किया। विरोध करने पर आरोपी ने चाकू से हमला कर उसे घायल किया और डराकर मोबाइल, सोने की चेन में लगा पेंडल, कान के टॉप्स तथा नगदी लूटकर फरार हो गए। इस मामले में संदीप विश्वकर्मा उर्फ खेड़ा (20), संदीप उर्फ संसू सोनी (22), कबीर पाल (20), दुर्गा कुशवाह (26) और कुलदीप यादव (26) को गिरफ्तार किया है। आरोपी छोला के शिवनगर और निशातपुरा इलाके के रहने वाले हैं, जबकि कुलदीप उप्र का रहने वाला है। गिरफ्तार आरोपियों में संदीप विश्वकर्मा, संदीप सोनी और कबीर पाल के खिलाफ पूर्व से विभिन्न थानों में आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

आईफोन, सोने की चेन-पेंडल समेत लूटा माल जब्त

सीसीटीवी फुटेज से मिला सुराग

पुलिस ने मनुआभान टेकरी और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान की गई और उनके संभावित ठिकानों पर दबिश देकर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

कल से मेट्रो 15 मिनट की जगह आधे घंटे में चलेगी

भोपाल (नगर संवाददाता)

15 मिनट में चलने वाली मेट्रो 15 सितंबर से हर आधे घंटे से चलेगी। हालांकि शाम के समय पांच बजे से साढ़े 7 बजे की बीच पीक आवर्स में 15 मिनट में ही मेट्रो सेवा उपलब्ध रहेगी। दोपहर के समय यात्री कम होने से मेट्रो कॉर्पोरेशन ने यह फैसला लिया है। सोमवार से शनिवार तक मेट्रो सेवा सुबह साढ़े 11 बजे से शाम साढ़े 7 बजे तक पहले की तरह उपलब्ध रहेगी। लेकिन अब सुबह साढ़े 11 बजे से शाम 5 बजे तक 15 मिनट की जगह 30 मिनट के अंतराल मेट्रो का संचालन होगा। जबकि शाम 5 बजे से शाम साढ़े 7 बजे तक 15 मिनट के अंतराल में ही मेट्रो सेवा उपलब्ध होगी। इसमें सुभाष नगर से पहली मेट्रो साढ़े 11 बजे और एम्स मेट्रो स्टेशन से पहली मेट्रो दोपहर 12 बजे रवाना होगी। वहीं सुभाष नगर से अंतिम मेट्रो शाम 7 बजे और एम्स मेट्रो स्टेशन से अंतिम मेट्रो शाम साढ़े 7 बजे रवाना होगी। रविवार और अवकाश के दिनों में मेट्रो साढ़े 11 बजे से रात साढ़े 8 बजे तक संचालित होगी।

पहले पीडब्ल्यूडी की जगह में रखीं गुमठियां अब नाले और ग्रीन बेल्ट पर भी हुआ कब्जा

भोपाल (नगर संवाददाता)

शनिवार-रविवार की रात में जेबीसी मशीनें लगाकर लिंक रोड नंबर 2 स्थित एक नाले के गड्ढे को मिट्टी से पूर दिया। यहां पूरी रात एक-एक कर गुमठियां रखी जा रही थीं। सुबह लोगों ने देखा तो तुरंत नगर निगम के अतिक्रमण अमले और हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने पाया कि यह 5 नंबर स्टॉप रविशंकर शुक्ल मार्केट की दुकानों का अस्थाई विस्थापन है। इससे पहले पास ही एक पीडब्ल्यूडी के स्टोर की खाली जमीन पर भी इसी तरह रातों-रात गुमठियां रख दी गईं और यही विस्थापन बताया गया। ऐसे शिवाजी नगर इलाके में बीते दिनों से खाली जगहों पर गुमठियां रखने के मामले सामने आ रहे हैं। दरअसल, शिवाजी नगर वार्ड 46 के 5 नंबर बस स्टॉप के पास रविशंकर शुक्ला मार्केट में हाउसिंग बोर्ड का रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट चल रहा है। यहां की दुकानों को शिफ्ट करने की प्लानिंग बनी है। लेकिन इसकी आड़ में 200 से अधिक गुमठियां इलाके में रख दी गई हैं। बताया जाता है कि 74 दुकानों को ही अस्थाई शिफ्ट किया जाना था। लेकिन गुमठी माफिया सक्रिय हैं और बकायदा 3 साल की रसीद उपलब्ध करवा कर गुमठियां रखवा रहे हैं। शनिवार-रविवार की रात लिंक रोड नंबर दो पर एक बड़े नाले और ग्रीन बेल्ट की जमीन पर ऐसे ही गुमठियां रखवा दी गई हैं। पर्यावरण कार्यकर्ता राशिद नूर खान ने बताया कि लिंक रोड नंबर 2 के किनारे नाले और उससे सटी ग्रीन बेल्ट के कुछ हिस्सों को भरा गया है। वीडियो में जेसीबी और पोकलेन मशीनों का इस्तेमाल किया गया। इस मामले की उन्होंने भोपाल कलेक्टर, नगर निगम कमिश्नर और मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को शिकायत की है।

रविशंकर मार्केट की 74 दुकानों की जगह 200 अवैध गुमठियां रखने का आरोप

चोक हो सकता है अब नाला

राशिद नूर के मुताबिक मानसून के दौरान नाले को भरने से उसकी पानी ले जाने की क्षमता कम हो सकती है और पानी की प्राकृतिक निकासी में रुकावट आ सकती है, जिससे आस-पास के रिहायशी इलाकों में जलभराव का खतरा बढ़ सकता है। उन्होंने संयुक्त निरीक्षण, मास्टर प्लान 2005 के तहत लागू सेटबैक की तकनीकी माप और नाले व ग्रीन-बेल्ट की सीमाओं के सीमांकन की मांग की है।

स्वामी, प्रकाशक : अली आदिल खान द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस डी 85 सेक्टर 8, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर 201301 से मुद्रित और एच 41 ए, अबुल फजल एनक्लेव, जामिया नगर, दक्षिण पूर्व दिल्ली 110025 से प्रकाशित। संपादक : अली आदिल खान
RNI No.: DELMUL/2012/47011 | Email:timesofpedia@gmail.com | समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार तथा समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे।